RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 190
नई दिल्ली, शुक्रवार, 15 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

शिल्पा ने स्वयं को मां की कृति माना
विविध-12

आर्थिक पैकेज की दूसरी किस्त, मजदूरों-किसानों-गरीबों का ध्यान

सरकार देगी रोजी-रोटी व सस्ता मकान

- प्रवासी मजदूरों के लिए शहरों में कम किराए पर रहने का इंतजाम, मिलेगा फ्री राशन और ज्यादा दिहाड़ी, एक नेशन-एक राशन कार्ड योजना अगस्त से
- किसानों के लिए जारी किए जाएंगे 25 लाख नए क्रेडिट कार्ड

रेहड़ी, पटरी वालों के लिए विशेष लोन योजना का ऐलान, 50 लाख को होगा लाभ

नई दिल्ली में गुरुवार को पत्रकारों को संबोधित करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिये 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक राहत पैकेज की दूसरी किस्त की गुरुवार को घोषणा की।

इसमें छोटे किसानों, प्रवासी मजदूरों, फेरी वालों, निम्न मध्यम आय वर्ग के लिये राहत उपाय किये गये। छोटे किसानों को दिए जाने वाले कर्ज पर ब्याज में छूट की स्कीम 31 मई तक बढ़ा दी गई है। अपने घरों को लौट रहे प्रवासी मजदूरों को वहीं पर काम दिया जाएगा। वन नेशन वन राशन कार्ड अगस्त से लागू किया जाएगा। मार्च 2021 तक यह योजना पूरी तरह लागू हो जाएगी। इसके अलावा रेहड़ी पटरी वालों के लिए विशेष योजना लाई जाएगी तथा किसानों के लिए 25 लाख नए क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें अगले 2 महीने तक 5 किलो गेहूं या चावल प्रति व्यक्ति और 1 किलो चना प्रति परिवार मुफ्त मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोन की किश्त में तीन महीने की छूट का फायदा 3 करोड़ किसानों ने उठाया।

इन किसानों के 4.22 लाख करोड़ रुपए के लोन हैं। मार्च-अप्रैल में 63 लाख कृषि कर्ज दिए गए। ये 86 हजार 600 करोड़ के थे। इससे किसानों को फायदा हुआ। फसल की खरीद के लिए राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय मदद 6700 करोड़ रुपए केंद्र सरकार ने बढ़ाई। ग्रामीण इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 4200 करोड़ रुपए दिए गए हैं। किसानों के लिए इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम को 31 मई तक जारी रहेगी यानी छोटे किसानों के लिए कर्ज पर ब्याज में छूट की स्कीम 31 मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं छोटे किसानों के लिए 30,000 करोड़ का अतिरिक्त फंड नाबार्ड के जरिए तुरंत रिलीज किया जाएगा। ताकि रबी की फसलों की बुवाई का काम तेजी से हो सके। इससे 3 करोड़ किसानों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि 2.5 करोड़ किसानों के पास किसान क्रेडिट कार्ड नहीं हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना का विस्तार किया जाएगा। इसमें मस्त्य पालन और पशुपालन को भी शामिल किया जाएगा। उन्हें रियायती दरों पर 2 लाख करोड़ के कर्ज दिए जाएंगे।

प्रवासी मजदूरों पर चर्चा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि कोरोना के दौरान प्रवासी मजदूरों के लिए शेल्टर होम की व्यवस्था की गई। जो शहरी लोग बेघर हैं, उन्हें इसका फायदा मिला। उन्होंने कहा कि जो प्रवासी मजदूर अपने राज्यों में लौटे हैं, उनके लिए भी योजनाएं हैं। इस पर अब तक 10 हजार करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इसके तहत 1.87 हजार ग्राम पंचायतों में काम हुआ है। जो मजदूर अपने घरों में लौटे हैं, वे वहीं पंजीकरण करा काम ले सकते हैं। पिछले वित्त वर्ष में औसत मजदूरी 182 रुपए से बढ़कर 202 रुपए हो गई। वित्त मंत्री ने कहा कि न्यूनतम वेतन का लाभ 30 फीसदी कर्मचारी उठा पाते हैं। समय पर उन्हें पैसा नहीं मिलता। गरीब से गरीब मजदूर को भी न्यूनतम वेतन मिले और क्षेत्रीय असामनता दूर हो इसके लिए कानून बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आठ करोड़ प्रवासी (शेष पेज 9)

बेसहारा निकले थे घर को हादसों ने छीन ली जिंदगी

- मध्य प्रदेश और यूपी में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 14 मजदूरों की मौत, 60 घायल

पायनियर समाचार सेवा। गुना/मुज्जफरनगर/लखनऊ

आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय मार्ग से एक ट्रक में सवार होकर जाते श्रमिक

लॉकडाउन के चलते उत्तर प्रदेश और बिहार में अपने घरों को लौटने के दौरान रास्ते में गुरुवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में 14 प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गयी और 60 अन्य घायल हो गये। मध्य प्रदेश पुलिस ने बताया कि राजधानी भोपाल से लगभग 180 किलोमीटर दूर गुना में तड़के हुई दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के आठ प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गयी और 55 घायल हो गये।

प्रवासी श्रमिक महाराष्ट्र से जिस ट्रक में सवार होकर आ रहे थे वह गलत दिशा से आ रही एक खाली बस से टकरा गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए तथा हादसे में गंभीर रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के निर्देश दिए हैं। दूसरा हादसा उत्तर प्रदेश के मुज्जफरनगर में हुआ जहां पंजाब से बिहार अपने घरों को पैदल लौट रहे श्रमिक दिल्ली सहारनपुर मार्ग पर रोडवेज की एक बस की चपेट में आ गये। इस हादसे में बिहार के छह प्रवासी श्रमिक मारे गये और चार घायल हो गये।

गुना के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) तरुण नायक ने बताया कि महाराष्ट्र से लगभग 65 मजदूर एक ट्रक में सवार होकर उत्तर प्रदेश के लिए निकले थे। रात करीब 3 बजे गुना बाइपास पर गलत दिशा से आ रही एक खाली बस और ट्रक की भिड़ंत हो गयी।

इस हादसे में मौके पर ही आठ लोगों की मौत हो गयी और 55 अन्य लोग घायल हो गये। एसपी ने बताया कि मृतकों की पहचान इब्राहीम (18), अजीत कोरी (20), अर्जुन कोरी (20), वसीम खां (23), रमेश पाल (42), (शेष पेज 9)

सोशल डिस्टेंसिंग के लिए वर्क फ्रॉम होम की ओर बढ़ी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों को भेजी गई मसौदा गाइडलाइन, 21 मई तक मांगी गई राय
- वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान कर्मियों के लिए उपयुक्त वेशभूषा पहनना, कार्यालय का माहौल बनाए रखना होगा जरूरी

निजी कंपनियां ही नहीं बल्कि, सरकारी विभाग भी बहुत जल्द वर्क फ्रॉम होम का तरीका अपनाने जा रहे हैं। इसका मकसद कोरोना महामारी पर काबू पाने तक सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। कार्मिक मंत्रालय ने इस आशय की मसौदा गाइडलाइन केंद्र सरकार के सभी विभागों के पास भेज दी है और उनसे 21 मई तक अपनी राय बताने को कहा है।

मसौदा गाइडलाइन में मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) को विस्तार से बताया गया है। मसौदा के अनुसार, नीति के तहत योग्य अधिकारियों और स्टाफ को एक साल में 15 दिन के लिए घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने का विकल्प दिया जा सकता है। कर्मचारियों को लैपटॉप अथवा डेस्कटॉप जैसी सुविधाएं संबंधित मंत्रालयों-विभागों द्वारा मुहैया कराई जाएगी और घर से सरकारी काम करने के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली इंटरनेट सेवाओं पर आए खर्च का उन्हें भुगतान किया जाएगा। गाइडलाइन में यह स्पष्ट किया गया है कि जिन दस्तावेजों की (शेष पेज 9)

भगोड़े माल्या को लौटना ही होगा भारत, हर रास्ता बंद

लंदन (भाषा)। भारतीय शराब कारोबारी विजय माल्या को बृहस्पतिवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब ब्रिटेन की सर्वोच्च अदालत में प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की अनुमति मांगने वाला माल्या का आवेदन अस्वीकृत हो गया। अब प्रत्यर्पण की प्रक्रिया 28 दिन के अंदर पूरी करनी होगी। माल्या की बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइन्स के कर्ज से संबंधित धोखाधड़ी और धनशोधन के मामले में भारत प्रत्यर्पण के आदेश के खिलाफ उसकी अपील हाई कोर्ट में पिछले महीने ही खारिज हो गई थी। माल्या (64 वर्षीय) के पास हाई कोर्ट के फैसले के बाद से इससे भी उंची अदालत में जाने की अनुमति मांगने का ताजा आवेदन दाखिल करने के लिए 20 अप्रैल से लेकर 14 दिन का समय था। हाई कोर्ट ने ब्रिटेन के गृह मंत्री द्वारा प्रमाणित वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत के प्रत्यर्पण आदेश के खिलाफ (शेष पेज 9)

आयुर्वेद में कोविड-19 की तोड़ ढूंढ रहा आयुष मंत्रालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

श्रीपाद नाइक

केंद्रीय आयुष मंत्रालय आयुर्वेद में कोविड-19 का तोड़ ढूंढ रहा है। मंत्रालय द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के साथ मिलकर बनाई गई चार पारंपरिक कोरोना वायरस दवाओं के परीक्षण पर काम एक सप्ताह के भीतर शुरू हो जाएगा।

यह जानकारी खुद केंद्रीय मंत्री श्रीपाद वाई नाइक ने गुरुवार को ट्वीट कर दी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के इलाज के लिए बनाई गईं चार आयुर्वेदिक दवाओं को मान्यता दिलाने के लिए मंत्रालय और सीएसआईआर साथ काम कर रहे हैं और इनके परीक्षण एक सप्ताह के भीतर शुरू होंगे। कोविड-19 रोगियों के लिए इन दवाओं को एक ऐड-ऑन थेरैपी के तौर पर आजमाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे यकीन है और काफी उम्मीद भी है कि, हमारी पारंपरिक औषधीय प्रणाली इस महामारी को दूर करने का रास्ता दिखाएगी।

मंत्रालय की यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के लोगों से लोकल के लिए वोकल होने की अपील करने के बाद आयी है। प्रधानमंत्री का मकसद स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक बढ़ावा देने और उनके प्रचार से था। सीएसआईआर के महानिदेशक शेखर मंडे और आयुर्वेद एवं आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने बुधवार को कहा था कि इन दवाओं के परिणाम तीन महीने के भीतर दिखने लगेंगे।

इससे पहले यह बताया गया था कि इंटरडिसिप्लिनरी आयुष अनुसंधान एवं विकास कार्य बल ने प्रोफिलैक्टिक अध्ययन के लिए क्लीनिकल रिसर्च प्रोटोकॉल तैयार किया है। यह प्रोटोकॉल देश भर के विभिन्न संगठनों के शीर्ष विशेषज्ञों द्वारा अश्वगंधा, यष्टिमधु (मुलेठी), गुडूची व पिप्पली (गिलोय) और एक पाली हर्बल के मिश्रण से कोविड-19 पॉजिटिव मरीजों पर इनके प्रभाव पर गहन के लिए परामर्श और गहन समीक्षा के माध्यम से और किया है। सीएसआईआर दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के वित्त पोषित वैज्ञानिक (शेष पेज 9)

रेल यात्रियों को बड़ा झटका 30 जून तक के टिकट रद

नवी मुंबई के पनवल स्टेशन पर श्रमिकों के लिए विशेष रेलाड़ी प्रतीक्षा करते लोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- नियमित ट्रेनों में बुकिंग कराने वालों के टिकट हुए कैंसिल, रिफंड होगा पैसा

रेलवे ने मेल, एक्सप्रेस और इंटरसिटी समेत सभी यात्री ट्रेनों के 30 जून तक के टिकट रद्द कर दिए हैं। रेलवे ने गुरुवार को जारी अपने बयान में कहा कि जिन लोगों ने यात्रा के 120 दिन पहले तक टिकट बुक कराए थे और उनके टिकट रद्द किए गए हैं, उनका पूरा पैसा वापस दे दिया जाएगा। ये टिकट लोगों ने लॉकडाउन से पहले (शेष पेज 9)

बाजार

संसेक्स	31,112	⬇ 885
निफ्टी	9,142	⬇ 240
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

हिमस्खलन के बाद सेना का जवान लापता

नई दिल्ली। सिक्किम के उत्तरी क्षेत्र के पर्वतीय इलाके लुगनाक ला में हिमस्खलन के बाद गुरुवार को सेना का एक जवान लापता हो गया जबकि दूसरा अन्य घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों जवान सेना के उस 17 सदस्यीय समूह का हिस्सा थे जो हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, बर्फ हटाने वाली पार्टी अचानक हिमस्खलन की चपेट में आ गई, सभी जवानों को वहां से निकाल लिया गया लेकिन एक जवान अब भी लापता है। उन्होंने यहां पर बताया कि एक सैनिक को गंभीर चोट आई है जिसका इलाज चल रहा है। लापता जवान की खोज की जा रही है।

देश में संक्रमण के मामले पहुंचे 78 हजार के पार

- कोविड-19 से मरने वालों की भारत में संख्या 2,549 हुई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डॉ. हर्षवर्धन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने बृहस्पतिवार को बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामले दोगुने होने की दर पिछले तीन दिन में सुधरकर 13.9 दिन हो गई है।

देश में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 2,549 हो गई है, वहीं संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 78,003 पहुंच गई है। यहां राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के दौरे के बाद मंत्री ने कहा कि 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

इन राज्यों में गुजरात, तेलगाना, झारखंड, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, दादर और नागर हवेली, गोवा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम तथा पुडुचेरी हैं। दमन और (शेष पेज 9)

कोरोना से रोजाना मर सकते हैं छह हजार बच्चे: यूनीसेफ

नई दिल्ली (पीएनएस)। कोरोना वायरस के प्रकोप से बच्चे भी अछूते नहीं है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने आगाह किया है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण स्वास्थ्य प्रणाली कमजोर हो जाने और नियमित सेवाएं बाधित हो जाने के कारण आगामी छह महीने में रोजाना करीब 6,000 अतिरिक्त बच्चों की ऐसे कारणों से मौत हो सकती है, जिन्हें रोका जा सकता है। उसने कहा है कि पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले विश्वभर में मारे जाने वाले बच्चों की संख्या में दशकों में पहली बार बढ़ोतरी होने की आशंका है। यूनिसेफ ने इस वैश्विक महामारी से प्रभावित बच्चों को मानवीय सहायता मुहैया कराने के लिए 1.6 अरब डॉलर की मदद मांगी है। उसने कहा कि यह स्वास्थ्य संगठन (शेष पेज 9)

जोर की आंधी-बारिश के साथ टपाटप गिरे ओले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम

नई दिल्ली में तेज आंधी-बारिश के बाद सड़क पर गिरे पेड़ को हटाता युवक।

दिल्ली के अलावा नोएडा-ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में तेज आंधी के साथ बारिश हुई और ओले भी पड़े। गुरुवार को सुबह से पड़ रही तेज गर्मी के बीच अचानक शाम करीब पांच बजे आसमान में बादल उमड़ आए और साथ ही धूल भरी आंधी चलने लगी।

चारों ओर अंधेरा सा छा गया और धूल की वजह से दृश्यता काफी कम हो गई। ऐसा लगा जैसे दिन में ही रात हो गई, इसलिए वाहनों की हेडलाइट जलानी पड़ी। ओले और बारिश होने की वजह से तापमान में भी गिरावट आ गई। मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली-एनसीआर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में आंधी का अनुमान जताया था। दिल्ली में सुबह से कभी तेज धूप तो कभी बादल छाने का सिलसिला चल रहा था। दिन में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। हवा में नमी का स्तर 35 से 73 फीसदी रहा। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में सक्रिय होने वाले नए पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम अप्रत्याशित ढंग से करवट ले रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि यह नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण यह बारिश हुई। राष्ट्रीय राजधानी में 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से आंधी चली। आंधी की वजह से कई जगह पेड़ गिर गए और बिजली के तार टूट गए। धूल भरी आंधी और बारिश से खासकर उत्तरी दिल्ली में पारा काफी नीचे आ गया। अन्य इलाकों में तापमान कम से कम दो डिग्री तक तापमान गिरा।

आईएमडी वैज्ञानिक ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में 15 अप्रैल से 15 जून के बीच धूल भरी आंधी और ओलावृष्टि आम बात है। निजी मौसम पूर्वानुमान सेवा स्काईमेट वेदर के महेश पलवट ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में अब तक लू नहीं आई है। मई का माह वैसे तो तेज गर्मी का होता है लेकिन इस साल कई पश्चिमी विक्षोभ आने से मौसम नरम बना हुआ है। इस माह दूसरी बार ओले पड़े हैं। मई के माह में जब उत्तर और मध्य भारत के ज्यादातर हिस्सों में तापमान 40 से 45 डिग्री तक पहुंच जाता है, बारिश और इस ओलावृष्टि ने लोगों को गर्मी (शेष पेज 9)

प्रवासी मजदूरों के साथ बच्चों के पलायन से सरकार की मुसीबत बढ़ी

हरियाणा के स्कूलों में ड्राप आउट रेट बढ़ने की आशंका

ऑनलाइन दाखिलों के लिए दस्तावेज जमा करवाने की अनिवार्यता समाप्त

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा से जहां अब तक एक लाख के करीब प्रवासी मजदूर पलायन कर चुके हैं वहीं इन मजदूरों के साथ पलायन करने वाले छोटे बच्चों ने सरकार की मुसीबत बढ़ा दी है। प्रवासियों के पलायन से सरकार को सरकारी स्कूलों में ड्राप आउट रेट बढ़ाने की चिंता सताने लगी है। जिसके चलते जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर ऐसे परिवारों को जाने से रोकें जिनके बच्चे प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

हरियाणा में पिछले कई दिनों से प्रवासी मजदूरों का पलायन चल रहा है। अब तक एक लाख से अधिक प्रवासी मजदूर परिवार समेत अपने मूल राज्यों को वापस जा चुके हैं। इन मजदूरों के साथ इनके बच्चे भी हैं। ऐसे में निकट भविष्य में शुरू होने वाले शिक्षा सत्र के दौरान सरकारी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति को लेकर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ज्यादातर दलित एवं पिछड़ा वर्ग के बच्चे, प्रवासी मजदूरों, ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरों के बच्चे ही पढ़ते हैं। सामान्य श्रेणी के बच्चों की पहली पसंद निजी एवं मॉडल स्कूल हैं। शिक्षा निदेशालय ने हरियाणा के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र जारी करके कहा है कि जिन मजदूरों के साथ बच्चे भी पलायन कर रहे हैं उन्हें तुरंत प्रभाव से रोका जाए।

पत्र में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में अध्यापक-अभिभावक संगठनों के साथ बैठक करें। संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ऐसे लोगों का पलायन रोका जाए। इसके अलावा शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन दाखिले के दौरान किसी प्रकार के दस्तावेजों से छूट देते हुए कहा कि अगर किसी बच्चे के पास आधार कार्ड आदि नहीं है तो लॉकडाउन तक आधारकार्ड की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए।

फीस नहीं बढ़ाने पर निजी स्कूलों को देना होगा एफिडेविट

चंडीगढ़। लॉकडाउन में भी निजी स्कूलों द्वारा ट्यूशन फीस बढ़ाए जाने की सूचनाओं के चलते शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश देते हुए स्कूल संचालकों से हलफिया बयान मांग लिया है। जिला शिक्षा अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा में जब से लॉकडाउन हुआ है तभी से निजी स्कूल संचालकों की फीस का मुद्दा गर्माया हुआ है। लंबे-चौड़े विवाद के बाद हरियाणा सरकार ने प्रदेश के निजी स्कूल संचालकों को छूट दी थी कि वह ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने की एवज में विद्यार्थियों से केवल ट्यूशन फीस ही लें। सरकार द्वारा यह भी निर्देश जारी किए थे कि स्कूल संचालक ट्रांसपोर्ट फीस, लाइब्रेरी फीस व कंप्यूटर फीस आदि के नाम पर कुछ नहीं लेंगे। इसके उलट हरियाणा के कई जिलों से इस बारे में लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि स्कूल संचालकों द्वारा ट्यूशन फीस बढ़ा दी गई है। स्कूल संचालक अभिभावकों पर बढ़ी हुई फीस देने के लिए दबाव बना रहे हैं। इस मामले का संज्ञान लेते हुए शिक्षा निदेशालय ने हरियाणा के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र जारी करके कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पत्र में कहा गया है कि जिला शिक्षा अधिकारी यह यकीनी बनाएंगे कि उनके जिला में संचालित निजी स्कूलों द्वारा किसी तरह से फीस में वृद्धि नहीं की गई है। इसके अलावा कोई भी स्कूल संचालक ट्यूशन फीस के अलावा अन्य किसी तरह का शुल्क नहीं वसूल रहा है।

निदेशालय ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने-अपने जिला में कार्यरत निजी स्कूल संचालकों से इस संबंध में स्वैघोषणा प्रमाण पत्र लेकर निदेशालय को भेजें। इस बीच अगर कोई स्कूल संचालक आदेशों का उल्लंघन करते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ न केवल विभागीय कार्रवाई होगी बल्कि मामला भी दर्ज करवाया जा सकता है।

आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर सिख संगत उतरेगी सड़कों पर : भूपिंदर सिंह

डीएसपी अजय राणा को मांग पत्र सौंपते एसजीपीसी कार्यकारिणी सदस्य भूपिंदर सिंह असंध और अन्य।

कुरुक्षेत्र। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर की कार्यकारिणी सदस्य जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध ने जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि फेसबुक पर गुरुद्वारा साहिबान, गुरु साहिबान व सिख धर्म पर अभद्र टिप्पणी की पोस्ट करने वाले आरोपी को यदि रविवार सायं तक गिरफ्तार न किया गया, तो संगत सोमवार को एक बार फिर बैठक कर सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी।

वे ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी कुरुक्षेत्र में पहुंचे डीएसपी अजय राणा और सिटी थाना प्रभारी जसपाल सिंह को ज्ञापन सौंपते समय बोल रहे थे। इससे पहले आरोपी की गिरफ्तारी न होने से रूष्ठ संगत वीरवार सुबह गुरुद्वारा साहिब में एकत्रित हुई। एसजीपीसी कार्यकारिणी सदस्य जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध, शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना, धर्म प्रचार कमेटी सदस्य तजिंदरपाल सिंह लाडवा, सिख मिशन हरियाणा प्रभारी भाई मंगप्रीत सिंह, एसजीपीसी सब ऑफिस प्रभारी परमजीत सिंह दुनियामाजरा, अकाल उस्तत ट्रस्ट के चेयरमैन ज्ञानी तेजपाल सिंह और गुरुद्वारा साहिब के मैनेजर अमरिंदर सिंह ने संगत के गणमान्यजनों से काफी देर इस गंभीर विषय पर मंथन किया।

आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर रोष व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मामले से संबंधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा जाए। डीएसपी अजय राणा और सिटी थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संगत को आश्वासन दिया कि वे शीघ्र ही आरोपी को गिरफ्तार करेंगे। मौके पर शिअद शहरी प्रधान तजिंदर सिंह मक्कड, परमजीत सिंह मक्कड, गुरुद्वारा बैकुंठ धाम सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन लखविंदर सिंह संधू, प्रधान जसबीर सिंह वड़ैच, परमिंदर सिंह पाहवा, तसनाम सिंह व सुखविंदर सिंह सहित सिख संगत मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

गोविंद रसोई ने मनाया गरीब बच्चे का जन्मदिन

सोनीपत। गोविन्द रसोई द्वारा राजीव कॉलोनी निवासी शिवम, जोकि मूल रूप से बिहार निवासी का जन्मदिन मनाया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के चेयरमैन वाई के त्यागी ने बताया कि यह लड़का हर रोज दोनों समय अग्रसेन भवन में स्थित गोविंद रसोई से भोजन लेने आता है और कुछ दिन पहले बातचीत में लड़के ने बताया कि काफी साल पहले उसकी माता स्वर्गवासी हो गई थी व उसके पिता ने रिक्शा चलाकर घर का गुजारा किया है। लॉकडाउन के दौरान घर का गुजारा चलाना मुश्किल हो गया था, जिसमें गोविंद रसोई ने भोजन व्यवस्था करके भलाई का काम किया है। शिवम पांचवी कक्षा का छात्र है और यह पढ़ाई में होशियार व समझदार हैं। जीवन में आगे पढ़ना चाहता है और फौज में भर्ती होकर देश सेवा करना चाहता है। वाईके त्यागी ने बताया कि सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा इस लड़के का पढ़ाई, कपड़े व खानपान का पूरा खर्च वहन किया जाएगा। जन्मदिन के अवसर पर गोविंद रसोई द्वारा शिवम को उपहार व शिक्षण सामग्री भेंट की। इसके अलावा सेफ इंडिया फाउंडेशन व रोटरी क्लब आफ सोनीपत एक्सीलेंस व महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति सोनीपत द्वारा संचालित गोविंद रसोई द्वारा लॉक डाउन के दौरान गरीब व लाचार लोगों के बीच 2149 लोगों को खाना वितरित किया। गोविंद रसोई के कार्य में अरविंद मित्तल, मनीष बंसल, शालू त्यागी, रामकुमार जिंदल, दिनेश कुच्छल, अशोक गुप्ता, टिकाराम मित्तल, पवन अग्रवाल, सचिन गर्ग, राजेश गर्ग, प्रदीप खन्ना, ललित खत्री, विजय कुमार, अशोक गर्ग, संजय स्वामी, मनोज जैन, सतीश माथुर, ललित खत्री, इन्दर गुप्ता, सतपाल गुप्ता, अशोक गर्ग, चन्द्रभान आदि ने सहयोग दिया।

मीडिया क्लब ने किया सफाई योद्धाओं को सम्मानित

करनाल। कोरोना वायरस जैसी वैश्विक जानलेवा बीमारी जिससे डर कर अपने बचाव के लिए लोग जहां अपने-अपने घरों मे आराम कर रहे होते हैं वहीं यह सफाई योद्धा अपनी जान जोखिम में डाल कर लोगों के घरों के बाहर सफाई करके लोगों को गंदगी से छुटकारा दिलाने का काम करते है। मीडिया क्लब द्वारा इनके सराहनीय कार्य के लिए और कोरोना वायरस जैसी वैश्विक जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए इन सफाई योद्धाओं को मास्क, सैनेटाइजर व हेयर कैप वितरित किये। साथ ही स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया। सभी सफाई योद्धाओं को कोरोना वायरस से फैली कोविड-19 बीमारी से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंस के पालन के साथ-साथ हाथों की सफाई व मास्क आदि के इस्तेमाल के बारे मे जानकारी भी दी।इस अवसर पर जानकारी देते मीडिया क्लब अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि क्लब द्वारा इससे पूर्व भी समाज सेवा से जुड़े अन्य कार्यों के साथ-साथ रक्त दान शिविर आदि लगा कर समाज सेवा के कार्य किये जाते रहे है। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर यश सहगल व आकाश अरोड़ा, मीडिया कल्ब के राज अरोडा, राजेंद्र चौहान, यशपाल सहगल, राजीव तुली, डॉ. अमित कुमार, हरजीत वर्मा, दीपक विज, सूरज बतानिया आकाश अरोड़ा और अकिंत दाबरा आदि उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़ में एक और पॉजिटिव मिला, संख्या हुई छह

नारनौल। महेन्द्रगढ़ में एक और पॉजिटिव मिलने से जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या छह हो गई है। यह नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ का सफाईकर्मी है। सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने बताया कि महेंद्रगढ़ के म्हचायन मोहल्ले के मरीज के माता-पिता की रिपोर्ट नेगेटिव है। बहन सहित तीन की रिपोर्ट अभी नहीं आई है। नारनौल के आरपीएफ जिनों में एक के ससुर व एक अन्य व्यक्ति की भी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। कोविड-19 के लिए अब तक जिले से 2028 सैंपल भेजे गए हैं। इनमें 96 सैंपल की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक पांच सैंपल पॉजिटव पाए गए हैं। जिले में अब तक 8273 लोगों को उनके घरों में एकांतवास में रखा गया है।

संकट के दौर में विपक्ष हर जगह सरकार की कमियां ढूंढ रहा है

निगदू। पूरा देश इस समय संकट की घड़ी से गुजर रहा है। देशवासी हर कदम पर सरकार का साथ दे रहे हैं, लेकिन विपक्ष हर बार की तरह अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहा है। यह बात भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री, जिला पार्षद मीना चौहान रायसन ने कही। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए इसके लिए केंद्र सरकार व राज्य सरकार दिन रात काम कर रही है। मजदूरों को उनके गृह राज्य में भेजने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं। मीना चौहान ने बताया कि ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले जहां संपन्न व्यक्तियों द्वारा संकट के इस दौर में गरीबों को फ्री में राशन दिया। ऐसे उदाहरण ही भारत देश को महान बनाते हैं। जहां संकट के दौरान लोग अपनों के साथ-साथ दूसरों का भी ख्याल रखते हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा उद्योगों, मजदूरों आदि के लिए 20 लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। जोकि एक सराहनीय कदम है। कोरोना से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से लगातार बात कर रहे हैं। परंतु विपक्ष हर जगह सरकार की कमियां ढूंढने में लगा हुआ है।

पोल्ट्री उद्योग को बर्बाद करने पर तुली सरकार

सुरेश अनेजा। इंद्री

घाटे का सौदा बनकर रह गया पोल्ट्री उद्योग

सरकार द्वारा बीस लाख करोड़ रुपयों के जिस आर्थिक पैकेज की घोषणा की है उसमें पोल्ट्री उद्योग की अनदेखी की गई है जिससे पोल्ट्री व्यवसाय करने वाले लोगों में रोष है। यह कहना है इन्द्री के गांव नन्हेड़ा के पोल्ट्री मालिक शशि कुमार का।

शशि कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार छोटे पोल्ट्री उद्योगों को बर्बाद करने पर तुली हुई है। आज पोल्ट्री घाटे का व्यवसाय होकर रह गया है। कोरोना महामारी के चलते पोल्ट्री के बारे में कई अफवाहें फैलाई गई। कहा गया कि मीट व अंडा खाने से यह बीमारी बढ़ती है। जिससे जनता में भ्राति पैदा हो गई ओर पोल्ट्री मालिकों को मुर्गी को दस व पांच रुपये किलों के रेट पर बेचना पड़ा। यहां तक कि कईयों ने तो मुफ्त में ही इनको बेचा जिससे पोल्ट्री उत्पादक किसान बर्बाद हो गये हैं। सरकार ने अफवाह फैलाने वाले लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की। शशि कुमार ने कहा कि पहले सरकार किसानों को खेती के साथ पोल्ट्री करने के लिये प्रोत्साहित करती थी ओर कर्जा भी देती थी, लेकिन मौजूदा समय में यह व्यवसाय घाटे का सौदा होकर रह गया है। उन्होंने कहा कि पोल्ट्री उद्योग के साथ किसान भी पूरी तरह से जुड़ा हुआ है।

पोल्ट्री में मक्का, बाजरा व राइस ब्रान प्रयोग में लाया जाता है जोकि किसानों द्वारा पैदा किया जाता है। यदि पोल्ट्री उद्योग खत्म होगा तो उसका सीधा असर किसानों पर भी पड़ेगा। उनकी इन फसलों का कोई खरीदार नहीं रहेगा। एक तरफ सरकार मक्के की फसल को बड़े स्तर पर पैदा करने की बात कहती है दूसरी तरफ इस फसल के खरीदारों को खत्म करने पर लगी हुई है। पोल्ट्री व्यवसाय में बिजली का प्रयोग अधिक होता है। सरकार को चाहिये पोल्ट्री के लिये बिजली के रेट में कटौती करे ताकि ज्यादा बिल न आए। शशि ने कहा कि पोल्ट्री व्यवसाय पूरे देश में पांच करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है।

राणा के नाम पर एमएलए हॉस्टल में नहीं बुक हुआ कमरा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस द्वारा बुधवार की रात चंडीगढ़ में दबिश देकर पूर्व विधायक को गिरफ्तार किए जाने के बाद राजनीति के गलियारों में शराब तस्करी के मुद्दे पर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सतविंदर राणा जिस भी पार्टी में रहे हों वहां उन्होंने बहुत कम समय में बड़ा मुकाम हासिल किया है।

कांग्रेस में रहते हुए सतविंदर राणा ने कई अहम पदों पर जिम्मेदारी निभाई। हरियाणा पुलिस के माध्यम से चंडीगढ़ पुलिस ने दावा किया है कि सतविंदर राणा की गिरफ्तारी एमएलए हॉस्टल परिसर से हुई है। वह चंडीगढ़ में आए हुए थे। राणा की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस द्वारा बताई जा रही कहानी में पूरी तरह से पेंच है। जानकारी के अनुसार

पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के स्थान को लेकर उठ रहे सवाल

लॉकडाउन के चलते एमएलए हॉस्टल में इन दिनों न तो कोई कमरा बुक किया जा रहा है और न ही किसी को यहां रुकने की इजाजत है। यही नहीं एमएलए हॉस्टल की कंटीन भी पिछले कई दिनों से बंद है।

एमएलए हॉस्टल के आवासीय क्षेत्र और मुख्य द्वार के बीच खासा फासला है। किसी भी व्यक्ति की मुख्य द्वार से आगे एंट्री नहीं होती है। ऐसे में पुलिस की कहानी को अगर सही माना जाए तो सतविंदर राणा कैसे एमएलए हॉस्टल में पहुंच गए और क्या वह यहां पर रुके हुए थे।

सतविन्द्र राणा।

इस घटनाक्रम के बाद आज जब एमएलए हॉस्टल का दौरा किया गया तो वहां तैनात कर्मचारियों ने यहां किसी के भी एंट्री होने से इनकार करते हुए कहा कि विधानसभा स्पीकर के निर्देश के बाद यहां किसी को प्रवेश नहीं मिल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि एमएलए हॉस्टल के सिक्योरिटी स्टाफ ने भी बीती रात हुए घटनाक्रम के बारे में किसी तरह की जानकारी होने से इनकार कर दिया।

कहीं मामला शराब कंपनी का तो नहीं

सतविंदर राणा की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक गलियारों में जो चर्चा चल रही है उसके अनुसार राणा कथित तौर पर एक शराब कंपनी का सीएंडएफ संभालते हैं। लॉकडाउन के दौरान हुए शराब घोटाले में इस कंपनी की शराब बेचे जाने की बात सामने आई है। उक्त कंपनी द्वारा एक्साइज टैक्स की अदायगी नहीं की गई थी। इसी सिलसिले में राणा चंडीगढ़ में एक मंत्री से मिलने के लिए आए थे और पुलिस ने उन्हें मंत्री के आवास के बाहर से ही दबोच लिया।

समाधान नहीं हुआ तो भाकियू के आंदोलन में सहयोग देंगे

इंद्री। अनाज मंडी इंद्री में कच्चा आढ़ती एसोसिएशन की बैठक मंडी प्रधान हरपाल मंढ़ाण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आढ़तियों द्वारा गेहूं की पेमेंट, यमुना नदी क्षेत्र से लगते किसानों की गेहूं की खरीद, ई पोर्टल में आ रही समस्यां, गेहूं लिफ्टिंग आदि समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। प्रधान हरपाल मंढ़ाण ने बताया कि 20 दिन बाद भी किसानों को अभी तक भुगतान नहीं मिला जिसको लेकर किसानों व आढ़तियों में रोष है। भाकियू आंदोलन में हम उनका समर्थन करते हैं।

जिले में 17 मई को आवागमन पर पूर्ण पाबंदी

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

जिलाधीश डा. अंशज सिंह ने गुरुवार को आदेश जारी करते हुए कहा कि 17 मई को 24 घंटे के लिए जिले में आमजन के लिए आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा। केवल व्यक्ति प्रात: 6 से प्रात: 8 बजे तक दूध लाने के लिए बाहर आ-जा सकता है। सभी दूध विक्रेता भी केवल इसी दौरान दूध का विक्रय कर सकेंगे। इस दौरान केवल पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर व अस्पताल खुले रहेंगे। इसके अतिरिक्त केवल आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के लिए ही कोई व्यक्ति

सिर्फ दूध के लिए सुबह 6 से 8 बजे तक बाहर निकलने की अनुमति होगी

आवागमन कर सकता है, लेकिन उसके पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अनुमति पत्र होना अनिवार्य है।

जिला मजिस्ट्रेट डा. अंशज सिंह ने अपने आदेश में कहा कि कोरोना वायरस से जनित रोग के फैलाव व इसकी रोकथाम के अंतर्गत विभिन्न व्यापारिक संगठनों द्वारा की जा रही मांग एवं आमजनता की अनिवार्यताओं एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियां, परस्पर दूरी बनाते हुए व लॉकडाऊन का पालन करते हुए शुरू करने की अनुमति प्रदान की गई थी। जिले में संक्रमित व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, इसलिए आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिकोण से परस्पर सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने व कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए आदेश पारित किए हैं। जिलाधीश ने कहा कि 17 मई को राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग पर केवल व्यवसायिक वाहन ही पास के साथ आवागमन कर सकते हैं।

पुलिस नाके से धड़ल्ले से गुजर रहे ओवरलोड वाहन

ओवरलोड मामले में खाकी पर सवाल उठाता सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

पुलिस के नाकों पर ओवरलोड वाहनों की ब्रेक क्यों नहीं लग रही है और अगर लगती है तो कुछ ही सेकेंड के बाद क्यों अपने गंतव्य की ओर बढ़ दिया जाता है। ऐसा ही कुछ एक ऐसी वीडियो में प्रमाणित हो रहा है जो कि गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुई।

वायरल वीडियो में रात्रि के समय एक ओवरलोड वाहन पुलिस नाके से होकर गुजरता दिखाई दे रहा है। नाके पर एक पुलिस कर्मचारी भी तैनात है। ओवरलोड वाहन जैसे ही पुलिस कर्मचारी के करीब पहुंचता है तो वाहन चालक अपना हाथ बाहर निकालता है। वाहन चालक के हाथ बाहर निकालते ही नाके पर मौजूद पुलिस कर्मचारी अपना हाथ वाहन चालक की ओर बढ़ाता है। हाथ मिलते ही वाहन चालक फिर से एक्सीलेटर दबा लेता है और अपने गंतव्य की ओर निकल जाता है। वाहन चालक और पुलिस कर्मचारी के हाथ मिलने का मामला सीधे-सीधे भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल यह वीडियो जठलाना थाना से संबंधित गुमथला खनन क्षेत्र के एक पुलिस नाके होने का दावा किया जा रहा है। इस प्रकार का यह मामला पहना नहीं है। गुमथला जठलाना खनन क्षेत्र है जहां से हर दिन खनन सामग्री से भरे सैकेड़ों ओवरलोड वाहन निकलते हैं।

गुमथला राव पुलिस नाके पर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में दिखाई देते (लाल घेरे में) वाहन चालक और पुलिस कर्मचारी।

खनन जोन से निकलने वाले ओवरलोड वाहनों की संख्या और क्षेत्र में प्रशासन द्वारा किए गए ओवरलोड वाहनों के चालान की अगर बात की जाए तो इनका अनुपात केवल नाम मात्र ही है प्रशासन समय-समय पर ओवरलोड वाहनों चालकों के चालान कर खानापूर्ति ही करता है। न तो उन पर आज तक कोई पाबंद लग पाई है और न ही ओवरलोड रोकने के लिए सरकार व प्रशासन द्वार बनाए गए नियम यहां लागू होते दिखाई दिए हैं।

यह नियम क्यों धराशाही हो जाते है इसी ओर सोशल मीडिया पर वायरल यह वीडियो इशारा कर रहा है। जिस पुलिस प्रशासन पर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था व नियम कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी होती है वही पुलिस प्रशासन किस प्रकार नाकों पर ओवरलोड वाहन चालकों के आगे नतमस्त हो जाता है यह वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है।

> **मामला** उनके संज्ञान में नहीं है। अगर ऐसा है तो जांच कर दोषी पुलिस कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।
>
> **कुशलपाल राणा, डीएसपी रादौर।**

सेक्टर 13 वासियों को मिली नई सड़कों की सौगात

सोनीपत। शहर के सेक्टरों की जर्जर सड़कों से लंबे अरसे से परेशान रहे नागरिकों की तकलीफ अब दूर हो गई है। इंटरलॉकिंग टाइल्स की जगह अब सेक्टर 13 में विभिन्न सड़क का तारकोल से निर्माण पूरा हो गया है और लॉकडाउन की अवधि में ही इसके पूरे होने से नागरिकों में खुशी है।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के पास पैसों की कमी का असर लंबे समय से शहर के सेक्टरों की जनसुविधाओं पर पड़ रहा था। डेढ़ साल पहले प्रदेश सरकार द्वारा तत्कालीन मंत्री कविता जैन के प्रस्ताव पर 10 साल पुराने सभी सेक्टरों को पालिकाओं को स्थानांतरित कर दिया था। इसके बाद शहर में सेक्टर 14, सेक्टर 15, सेक्टर 23, सेक्टर 12, सेक्टर 13 और सेक्टर 12 में 80 किलोमीटर से ज्यादा सड़कों के निर्माण के लिए खाका तैयार किया और सड़कों के निर्माण को गति दी। भाजपा नेता राजीव जैन के सामने अपनी परेशानी का इजहार किया।

कोविड महामारी में अगरबत्ती उद्योग के लिए उपभोक्ता व्यवहार में बड़ा बदलाव : जैड ब्लैक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पिछले कई वर्षों में अगरबत्ती-धूप की भूमिका में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। ईश्वर को प्रसन्न करने से लेकर आत्म-सकारात्मकता और घरों में सकारात्मक माहौल स्थापित करने में सर्वव्यापी भूमिका परिवर्तन किया है। बदलाव के दौर में भारत के प्रमुख अगरबत्ती निर्माताओं में एक एवं जेड ब्लैक के लिए लोकप्रिय, मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस ने कोविद -19 महामारी का अवलोकन किया और यह जाना कि इस महामारी के दौरान केवल घरेलू बाजार में ही नहीं बल्कि वैश्विक उपभोक्ता बाजार में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

एमडीपीएच के अंकित अग्रवाल बताते हैं कि, अगर हम एक पूर्व-कोविद 19 दुनिया में ग्राहक और बाजार अनुसंधान पर आधारित विकास प्रक्षेपण को देखते हैं, तो बाजार का परिदृश्य और उपभोक्ता व्यवहार दोनों विभिन्न उत्पाद श्रेणी के लिए मानकता के विपरीत बदल

गए हैं। हमारे अरोमाथेरेपी वेरिएंट जैसे लैवेंडर, फेंगशुई, अरोमाथेरेपी आदि को अमेरिकी बाजारों में वांछनीय माना जाता था, क्योंकि वहां की धारणा के अनुसार लैवेंडर में एंटीसेप्टिक एवं एंटी इंफ्लेमेटरी गुण हैं। शोध के अनुसार यह चिंता, अनिद्रा, अवसाद और बेचैनी के इलाज के लिए उपयोगी हो सकता है। दूसरी ओर संब्रानी धूप (लोबान) में खासी तेजी आयी है, माना जा रहा है कि उपभोक्ताओं ने इसे प्राकृतिक फ्यूमिगेटिंग एजेंट के रूप में पसंद किया है।

अंकित अग्रवाल बताते हैं कि कोविड-19 महामारी ने एक गंभीर और अभूतपूर्व स्थिति पैदा की है, ऐसे में लोगों को महामारी से निपटने में मदद करने के लिए अगरबत्ती और धूप का चयन करते देखना खुशी की बात है। अमेरिकी बाजार को 6 महीने की खपत के लिए निर्यात किये स्टॉक की बिक्री हुई जो 100 फीसदी से अधिक रही है। भारतीय अगरबत्ती और धूप उद्योग अत्यधिक निर्यात उन्मुख उद्योग है, जो उच्च लाभ प्रदान करता है। अगरबत्ती और धूप का भारतीय निर्यात हर साल बढ़ता जा रहा है, जो भारत के व्यापार घाटे को संतुलित करने में मदद करता है। भारतीय मानस में घिरे प्रार्थना भरे घरेलू वातावरण के साथ, इन प्रसंगों से जुड़ी शांति की भावना भारतीयों के अवचेतन में गहराई से समाहित है। उन्होंने कहा, घरेलू बाजार में संब्रानी धूप की मांग देखी गई है जो अपनी तैयारी में बेंजोइन (लोबान) का उपयोग करते हैं। लोबान एक ज्ञात कीटाणुनाशक है और इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है।

जेल, थाना और मंडी में वायरस

दिल्ली में कोरोना की बड़ी उछाल, 24 घंटे में सामने आए सर्वाधिक 472 मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोविड-19 का संक्रमण सरकार की तमाम कोशिशों को बाद कम नहीं हो रहा है। रोजाना सैंकड़ों के की तादाद में नए मरीज सामने आ रहे है।

सरकारी विभागों में भी कोरोना वायरस का संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। रोहिणी जेल, दिल्ली पुलिस के दो थाना और गाजीपुर मंडी भी इस वायरस की चपेट में आ गए हैं। इसके साथ दिल्ली में कोरोना की बड़ी उछाल देखने को मिली है। गत 24 घंटे में सामने आए सर्वाधिक 472 मामले, अब तक 8470 लोग संक्रमित हुए है।

जानकारी के अनुसार गाजीपुर फल और सब्जी मंडी के सचिव और उपसचिव कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद मंडी को 2 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। गाजीपुर फल और सब्जी मंडी के अध्यक्ष एसपी गुप्ता ने बताया कि मंडी में इंटरनल सैनिटाइजेशन का काम किया जाएगा। उसके बाद मंडी खुलेगी। इस बीच जेल में संक्रमण का पहला मामला सामने आया है और रोहिणी जेल में एक कैदी में वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुधवार को कैदी में संक्रमण की पुष्टि हुई

गाजीपुर मंडी को सैनिटाइज करता निगम कर्मी।

जिसके बाद उसे लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। कैदी के संपर्क में आने वाले पांच से छह अधिकारियों को होम क्वारंटीन में भेज दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में अब तक के सबसे ज्यादा 472 कोरोना संक्रमितों के मामले सामने आए हैं। इसके साथ शहर में वायरस के मामले बढ़कर बृहस्पतिवार को कुल 8490 हो गए। अब तक 115 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

दो एसएचओ संक्रमित

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली के दो एसएचओ में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके बाद इंस्पेक्टर संपर्क में आए साउथ ईस्ट जिले के एक थाने के पांच अन्य लोगों को पृथक-वास में भेज दिया गया है। द्वारका जिले के एक थाना प्रभारी में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई थी। वहीं पश्चिमी दिल्ली के एक एसएचओ के पॉजिटिव पाए जाने के बाद 6 पुलिसकर्मियों को कवारंटीन किया गया है।

आर्थिक गतिविधियां सोमवार से, केंद्र की मंजूरी का इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल ने लॉकडाउन 4.0 के दौरान रियायतों के दिए संकेत

लॉकडाउन तीन के बाद सोमवार से दिल्ली में क्या-क्या खुलना चाहिए इसको लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल को 5 लाख से ज्यादा सुझाव मिले हैं। इसमें मास्क न पहनने पर कड़ी कार्रवाई, ऑड-ईवन से दुकान, परिवहन और रेस्त्रां खुलने व स्कूल, कॉलेज गर्मी की छुट्टी तक बंद रहे, कंटेनमेंट जोन में कोई ढील न दी जाए जैसे आइडिया शामिल हैं। केजरीवाल इन सुझावों की जानकारी देते हुए बताया कि अब केंद्र सरकार के ऊपर है वह दिल्ली को कितनी छूट देगी।

केजरीवाल ने बताया कि लॉकडाउन करना आसान था लेकिन दोबारा सब कुछ खोलने में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। दिल्ली वालों ने लॉकडाउन-4 में दी जाने वाली ढील को लेकर सिर्फ 24 घंटे के अंदर ही 5 लाख से अधिक सुझाव दिए हैं। लोगों ने सुझाव दिया है कि सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन कराते हुए मॉल, बाजार, रेस्त्रां को खोल देना चाहिए।

आरएमएल की कैंटीन के चार कर्मचारी पॉजिटिव

नई दिल्ली। राम मनोहर लोहिया अस्पताल परिसर के भीतर एक कैंटीन में काम करने वाले चार कर्मचारियों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। कैंटीन मुख्य रूप से रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए है और संक्रमण का मामला सामने आने के बाद इसे बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही पिछले कुछ दिनों में कर्मचारियों के संपर्क में आए व्यक्तियों की पहचान की जा रही है।

आरएमएल अस्पताल के सूत्र के अनुसार एक कर्मचारी में लक्षण सामने आने के बाद उसकी और तीन अन्य कर्मचारियों की जांच की गई। उनकी जांच के नतीजों में बृहस्पतिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। अभी तक अस्पताल के तीस स्वास्थ्य कर्मी कोविड-19 की चपेट में आ चुके हैं।

सिर्फ नोएडा और गाजियाबाद तक आईजीआई से फ्री बस और कैब

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

वंदे भारत के तहत विदेशों से आने वाले यात्रियों से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट दिल्ली एयरपोर्ट से नोएडा और गाजियाबाद जाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम यूपीएसआरटीसी बसों व टैक्सी का किराया नहीं लेगा। हालांकि यूपी के अन्य जिलों में जाने के लिए लोगों को टैक्सी के लिए 10 हजार रूपए जबकि बसों के लिए प्रति किलोमीटर के हिसाब से पैसे देने होंगे।

यूपीएसआरटीसी के अधिकारियों के मुताबिक, जहां एक और कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण अलग-अलग स्थानों में लोग फंसे हैं और घर पहुंचने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, यूपीएसआरटीसी की टैक्सी बुक करने का न्यूनतम किराया 10 हजार रुपए सिडान और 12 हजार रूपए एसयूवी रखा है। इसके अलावा यूपीएसआरटीसी ने बसों की भी

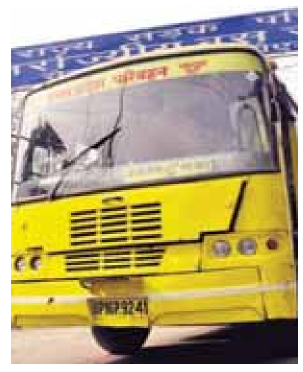

सर्विस निर्धारित की है। जिसमें बिना एसी बस का न्यूनतम किराया एक हजार रूपए प्रति सीट और एसी बस का 1320 रूपए प्रति सीट होगा।

यह किराया 100 किलोमीटर तक की दूरी पर तय किया गया है। ये सभी वाहन नोएडा और गाजियाबाद जाने के लिए किराया नहीं लेंगे। एआरएम अनुराग यादव ने बताया कि यूपीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक राज शेखर ने 9 मई को नोएडा और गाजियाबाद में निगम के क्षेत्रीय प्रबंधकों को एक पत्र जारी किया था।

इस पत्र में यूपीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक ने निर्देश दिया था कि वंदे भारत के तहत विदेशों से वापस लाए गए निवासियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाया जाएगा। दिल्ली हवाई अड्डे से नोएडा और गाजियाबाद और आसपास के अन्य क्षेत्रों के लिए यह सुविधा दी जाएगी।

रोडवेज हवाई अड्डे पर बसों और टैक्सियां प्रदान करेगी। एआरएम अनुराग यादव ने बताया कि जिन लोगों को यात्रा करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा मंजूरी दे दी जाएगी और कोविड-19 के किसी भी प्रकार का कोई लक्षण नजर नहीं आएगा। उन्हीं यात्रियों को यूपीएसआरटीसी इस सेवा का लाभ दे सकेगा। एआरएम अनुराग यादव ने बताया कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए रोडवेज की बसों में अधिकतम 26 लोगों को ही बैठाया जा सकता है।

'प्रवासी मजदूरों पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं सीएम'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन के बाद दिल्ली में फंसे प्रवासी मजदूरों और दूसरे प्रदेशों में फंसे दिल्ली के श्रमिकों को सुरक्षित उनके गृह प्रदेशों में भेजने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग भाजपा ने की है। इसके अलावा विपक्ष ने कोविड से जुड़े गंभीर मुद्दों पर चर्चा करने को भी कहा।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि उचित व्यवस्था के अभाव में रोज हजारों की संख्या में श्रमिक पैदल ही अपने गृह प्रदेशों के लिए रवाना हो रहे हैं। इनमें छोटे-छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं भी

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी।

दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से अपने गृह राज्यों को पैदल चली जा रही हैं।

जगह-जगह उनकी पुलिस से भिड़ंत हो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र से बातचीत कर इस समस्या का उचित समाधान निकाले। मुख्यमंत्री को बृहस्पतिवार को लिखे एक पत्र में बिधूड़ी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की जाए और सरकार यदि भाजपा से कोई मदद चाहती है तो वह बताए। विपक्ष सरकार को हरसंभव मदद करने को तैयार है।

कोरोना के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे। रोज तीन-चार सौ की संख्या में मरीज सामने आ रहे हैं। दूसरी ओर कोरोना योद्धाओं की हालत खराब है। उनकी ओर से बार-बार यह शिकायत आ रही है कि उनको मास्क समेत अन्य उपकरण नहीं दिए है रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार हॉटस्पॉट पर तैनात ऐसे तमाम योद्धाओं को जरूरी उपकरण मुहैया कराने की मांग की साथ ही निजी अस्पताल इन कोरोना योद्धाओं के इलाज के लिए पहचान करे।

अस्पतालों को डेथ समरी देने के निर्देश : सतेंद्र जैन

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने कहा कि बुधवार को 9 लोगों की मौत के साथ मरनेन वालों का आंकड़ा 115 तक पहुंच गया है।

तीन दिन पहले दिल्ली के सभी अस्पतालों को मौत की समरी भेजने के निर्देश दिए थे। इसके आद अब अस्पताल डेथ समरी भेज रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में जैन कहा कि उन्होंने पहले भी बताया था कि अगर अस्पताल में 4 मौतें हुई हैं, तो मृतकों के नाम, पते आदि के बारे में पूछा जाता है। बिना डेथ समरी के यह बता पाना मुश्किल है। इसलिए उन्होंने डिजॉस्टर एक्ट के तहत सभी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि वे डेथ समरी भी दें।

गाजियाबाद में कहर जारी 3 और इलाके बने रेड जोन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिले में लगातार पॉजिटिव मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जिले में अब तक 150 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से 83 मरीज ठीक होकर जा चुके हैं। गुरुवार को तीन और क्षेत्रों को स्वास्थ्य विभाग ने रेड जोन में शामिल किया है।

नए रेड जोन पक्की मोरी डासना गेट, बाटला बस स्टैंड लोनी और राहुल गार्डन बेहटा हाजीपुर में मरीज मिलने के बाद के इन क्षेत्रों को सील किया है तो वहीं उत्तरांचल विद्या कॉलोनी की सील खोल दी गई है। अगर हॉटस्पॉट क्षेत्र में रेड जोन की बात करें तो जिले में सबसे अधिक रेड जोन साहिबाबाद क्षेत्र के हैं। साहिबाबाद की 11 कॉलोनी रेड जोन में

शामिल हैं। राजनगर एक्सटेंशन की दो, वैशाली की 4, मोदीनगर-3, वंसुधरा-3, मसूरी-1, लोनी-4, भौपुरा-1, इंदिरापुरम-2, खोड़ा-7, कविनगर-2, डासना गेट-3, विजयनगर के 4, भोवापुर के एक क्षेत्र को रेड जोन में शामिल किया गया है। मरीजों की अगर बात करें तो खोड़ा में सबसे अधिक 15 मरीज संक्रमित हो चुके हैं। तो वहीं इस्लाम नगर की एक ही गली के आठ लोग पॉजिटिव पाए गए थे। झंडापुर मैन मार्केट से भी पांच मरीजों में पुष्टि हुई थी।

बुजुर्ग की मौत के बाद पांच क्वॉरंटीन

गाजियाबाद। केला खेड़ा इलाके में रहने वाले 5 लोगों को कोरोना टेस्ट के लिए भेजा गया है। इलाके में पुलिस पहुंची थी और सभी को टेस्ट के लिए भेजा गया है। बता दें, इसी इलाके में रहने वाले बुजुर्ग की 2 दिन पहले मेरठ के अस्पताल में मौत हो गई थी। बुजुर्ग में कोरोना संक्रमण पाया गया था। बुजुर्गों के परिवार समेत कुल 11 लोगों की डिटेल पुलिस को दी गई है, जिसमें से पांच को कोरोना टेस्ट के लिए भेजा गया। सभी 11 लोगों को क्वॉरंटीन किया जाएगा। पूरे इलाके को सैनिटाइज भी कराया गया है।

जमात के 3,300 सदस्यों को छोड़ने की याचिका

नई दिल्ली। जमात के करीब 3,300 सदस्यों को क्वॉरंटीन केंद्रों से छोड़ने के लिए याचिका दायर की गई है।

करीब 40 दिन से विभिन्न आइसोलेशन सेंटरों में रह रहे और जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाए जाने के बावजूद वहां से बाहर नहीं निकाले गए तबलीगी जमात के सदस्यों को छोड़ने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई है। इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होने की संभावना हैं। प्राधिकारियों को 14 दिन की पृथक-वास अवधि के दिशा-निर्देश का पालन करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है।

जवानों के लिए कोविड-19 अस्पताल तैयार

- आधुनिक मशीनों, ऑटोमेटिक मेडिसिन डिलीवरी सिस्टम से लैस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

राज्यों की पुलिस के साथ देशभर में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवान भी तैनात हैं। कोरोना वायरस के बीच अर्धसैनिक बलों के जवान अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

ऐसे में अर्धसैनिक बलों के जवान भी कोरोना वायरस की चपेट में आ रहे हैं। इन संक्रमित केंद्रीय

अर्धसैनिक बलों के जवानों के इलाज के लिए देश का पहला अस्पताल ग्रेटर नोएडा में बनाया गया है। यहां खास तौर पर इन्हीं जवानों का इलाज हो रहा है। गौरतलब है कि इस अस्पताल में सीआरपीएफ बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ के जवान भर्ती हैं और वह अपना इलाज करवा रहे हैं। ग्रेटर नोएडा में बना विशेष कोविड 19 अस्पताल पिछले 10 दिनों से केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के लिए लाइफ लाइन बना हुआ है।

कोरोना वायरस के खतरे के मद्देनजर इलाज के जो प्रोटोकॉल होते हैं। उस हिसाब से इस अस्पताल को तैयार किया गया है। इसमें आधुनिक मशीनें, ऑटोमेटिक मेडिसिन डिलीवरी सिस्टम, कांटेक्ट लैंस स्टाफ इंजेक्शन और रोबोटिक रैक का प्रयोग किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा स्थित सीएपीएफ में देश का पहला कोविड अस्पताल हैं। जहां कोविड-19 संक्रमितों का इलाज चल रहा है।

पानी को तरसे, चिलचिलाती धूप में घंटों लाइन में लगे लोग

गाजियाबाद। लॉकडाउन में राशन की लाइन के साथ-साथ लोग पानी की कतार में लगने के लिए भी मजबूर हैं। झंडापुर, महाराजपुर और कड़कड़ गांव में घरों में पानी की आपूर्ति ना होने पर पानी लेने के लिए लोगों को चिलचिलाती धूप में भी फैक्ट्रियों के बाहर लगे नलों से पानी के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ रहा है।

लिंक रोड इलाके के झंडापुर, कड़कड़ मॉडल, और महाराजपुर इलाके में रहने वाले लोग रोजाना कमाते थे। लेकिन लॉकडाउन के बाद फैक्ट्रियां बंद हो गईं। जिसकी वजह से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले ये रोजाना 10 रुपये में पानी की बोतल खरीदते थे लेकिन आजकल वो दस रुपये बचाने के लिए इन्हें पानी के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ता है।

फैक्ट्री के बाहर अब रोजाना इनकी लंबी लाइन लगती है। घर में सप्लाई का जो पानी आता है, वह पीने योग्य लायक नहीं है। कुछ घरों में तो पानी की सप्लाई भी नहीं है। ज्यादातर लोग किराए के मकान में रहते हैं और मकान मालिकों ने पीने के पानी की व्यवस्था नहीं की है।

आरडब्ल्यूए ने वापस लिया तुगलकी फरमान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय की सख्ती के बाद गाजियाबाद के आरडब्ल्यूए बैकफुट पर आ गई हैं तथा उन्होंने नियम-कानून से ऊपर उठकर दिए गए अपने आदेश वापस ले लिए हैं।

अब उन बहुमंजिला टाउनशिपों में बाहर से आने वाले लोगों को बुलाने की अनुमति दे दी हैं। इतना ही नहीं अब इन अपार्टमेंट के निवासी प्लम्बर, ऐसी मकेनिक, कारपेंटर को बुलवाकर अपनी समस्याओं का निराकरण कर सकेंगे।

आपको बता दें कि कोविड-19 के चलते लोकदल के दौरान कुछ आर डब्ल्यूए ने सरकारी नियमों को धता बताते हुए निवासियों के लिए अपनी तरफ से नियम थोप दिए थे जिनमें कुछ ने फ्लैट तक आवश्यक वस्तु मंगाने पर रोक लगा दी थी जिसके कारण लोगों को फ्लैट्स में रहने वाले खासकर बुजुर्गों को परेशानी होती थी।

इतना ही नहीं राजनगर एक्सटेंशन में तो बाहर का व्यक्ति बुलाने पर 11 हजार रुपए का जुर्माना तक लगाने का फरमान सुना दिया था। शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय ने गौरग्रीन एवेन्यू रेसिडेन्ट वैलफेयर एसोसिएशन समेते कई सोसाइटियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए।

संक्षिप्त समाचार

एनडीएमसी सदस्य पद की शपथ लेते केजरीवाल

एनडीएमसी सदस्य बने केजरीवाल-ली शपथ

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की सदस्यता की शपथ ली। नई दिल्ली विधान सभा क्षेत्र से विधायक होने के कारण केजरीवाल एनडीएमसी के सदस्य बनाये गए हैं । परिषद के अध्यक्ष धर्मेन्द्र ने केजरीवाल के साथ वीरेंदर सिंह कादियान को भी शपथ एक विषेष बैठक में दिलाई। एनडीएमसी अधिनियम -1994, के प्रावधानों द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में यहां की विधानसभा क्षेत्रों से दो निर्वाचित सदस्यों को सदस्य के रूप में नामांकन के लिए अधिसूचना जारी की गई हैं। एनडीएमसी अधिनियम के अनुसार, अपनी सीट लेने से पहले प्रत्येक नए सदस्य को, परिषद की बैठक में निर्धारित प्रारूप के अनुसार शपथ लेना आवश्यक है, इसलिये आज इन सदस्यों को यह शपथ दिलाई गई है। पालिका परिषद अध्यक्ष धर्मेंद्र ने दिल्ली कैंट विधान सभा क्षेत्र से विधायक वीरेंद्र सिंह कादियान को भी निर्वाचित श्रेणी के परिषद के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई गई।

लॉकडाउन में फंसा आरोपी, अब यूपी में करेगा समर्पण

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी व्यक्ति को अनुमति दी है कि अगर कोविड-19 से निपटने के लिए लगे लॉकडाउन के कारण वह राष्ट्रीय राजधानी आने में सक्षम नहीं है, तो वह उत्तर प्रदेश में जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर सकता है। इससे पहले सत्र अदालत ने उसकी अंतरिम जमानत रद्द कर दी थी। न्यायमूर्ति बृजेश सेठी ने कहा कि अगर आरोपी ने उत्तर प्रदेश में जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं किया जो उसे रेल या सड़क मार्ग से दिल्ली आकर तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना होगा।

आर्य कन्या चरित्र निर्माण ऑनलाइन शिविर खत्म

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवती परिषद के तत्वावधान में ऑनलाइन चल रहे आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर का समापन गुरुवार को हो गया। शिविर में 50 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बालिकाओं को योग आसन, प्राणायाम, वैदिक संस्कृति, आहार विहार, आत्म रक्षा, संगीत, भाषण आदि की जानकारी दी गई। इस मौके पर शिक्षाविद व आर्य नेत्री मृदुला चैहान ने कहा कि चरित्रवान व संस्कारित नारी समाज व राष्ट्र का आधार है। महर्षि दयानंद जी ने भी नारी शिक्षा पर जोर दिया था। एक नारी के शिक्षित होने पर दो कुटुम्ब सुधरते है। इस अवसर पर मुख्य रूप से आचार्य चंद्र शेखर शास्त्री, यशोवीर आर्य, देवेन्द्र भगत, प्रवीन आर्या, अर्चना पुष्करणा, कुण्मनीषा आर्या, प्रगति आर्या, करुणा शर्मा, शीतल आर्या आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

आरबीएसके ने स्क्रीनिंग से ढूंढे 50 संक्रमित

गाजियाबाद। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की टीम अब तक जनपद में स्क्रीनिंग करते हुए 50 कोरोना पॉजिटिव मरीजों को ढूंढ़ चुकी है। आरबीएसके की टीम ने विदेश से लौटे लोगों की स्क्रीनिंग करते हुए उनके संपर्क में आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग की और इसके साथ ही जिस भी एरिया में कोई पॉजिटिव मरीज सामने आया उस एरिया में डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग कर लक्षणों के आधार पर संदिग्धों की सूची बनाई और फिर उनकी जांच कराई। 25 मार्च से शुरू हुई स्क्रीनिंग के जरिए अब तक जनपद में 50 कोरोना पॉजिटिव मरीज खोजे जा चुके है। डॉ. चेतन वर्मा के मुताबिक आरबीएसके टीम 25 मार्च से लेकर अब तक 25 हजार घरों एक लाख लोगों की स्क्रीनिंग कर चुकी है।

डेढ़ सौ से ज्यादा कोरोना मरीज ठीक होकर लौटे घर

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स में भर्ती कोरोना वायरस से संक्रमित 18 मरीज उपचार के बाद ठीक हो गए और उन्हें को अस्पताल से छुट्टी दी गई।

अस्पताल के निदेशक तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों ने इन लोगों को तालियां बजाकर विदा किया। इसके साथ ही नोएडा में अब कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 161 हो चुकी है।

वहीं, अभी 75 एक्टिव केस हैं। नोएडा में अब तक तीन लोगों की कोरोना से मौत हुई है। वहीं राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर रिटायर्ड डॉ राकेश गुप्ता ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित 18 मरीजों को गुरुवार की सुबह ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई।

एक हजार औद्योगिक इकाइयों में काम का संकट

नोएडा में कंटेनमेंट जोन में रहते है 90 प्रतिशत श्रमिक, बॉर्डर सील होने से बढ़ी मुसीबत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और श्रमिकों को वापस रोजगार परक बनाने के लिए एमएसएमई औद्योगिक इकाईयों को शुरू किया जा रहा है। इसके आड़े स्थानीय प्रशासन के सख्त नियम आ रहे हैं।

औद्योगिक इकाई संगठन की माने तो प्राधिकरण अब तक 1400 से ज्यादा इकाईयों को शुरू करने की अनुमति दे चुका है। दावा है कि इसमे 68 हजार श्रमिक वापस काम पर आएगा। यह दावे एमएसएमई इंडस्ट्रियल नोएडा ने गलत करार दिए है। उनका मानना है 1400 इकाईयों में 1000 औद्योगिक इकाईयां शुरू तक नहीं हो सका है। वहीं, जो इकाईयां

शुरू हुई उनमे श्रमिक काम पर नहीं आ पा रहे हैं। ऐसा रहा तो लॉकडाउन खुलने तक औद्योगिक इकाईयां या तो बंद हो जाएंगी या फिर वह पलायन कर दूसरे राज्यों में शिफ्ट होने का मन बना चुकी होंगी। शहर में संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही है। यहा नए कंटेंनमेंट जोन बन रहे हैं। यह कंटेंनमेंट जोन ऐसे स्थान है जहां श्रमिक सर्वाधिक रहता है। नियमता इन जोन में सिर्फ जरूरी सामान की सप्लाई हो सकती है। यहां से न तो कोई बाहर जा सकता है और न ही अंदर। इन कंटेनमेंट जोन में 13 हजार 500 से ज्यादा औद्योगिक इकाईयां है। यह सभी एमएसएमई सेक्टर की है।

इसमे फेस-1 यानी सेक्टर-1 से 11 में 6000 औद्योगिक इकाईयां है। इसके अलावा फेज-2 व 3 में 5500 औद्योगिक इकाईयां है। इनमे करीब 72 हजार से ज्यादा श्रमिक काम कर रहे है। इन इकाईयों को अनुमति नहीं मिल रही ऐसे में सरकार को करोड़ों रुपए जीएसटी का नुकसान हो रहा है। इसके अलावा जिन औद्योगिक इकाईयों यानी 1400 से ज्यादा को अनुमति मिली है वह कंटेमेंट जोन के बाहर है। दावा है कि इनमे 68 हजार से ज्यादा श्रमिक अपनी सेवाएं देंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा।

कार ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर, दो घायल

नोएडा। सेक्टर 104 के पास एक अज्ञात कार चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए पुलिस रिस्पांस वाहन (पीआरवी) पर सवार दो पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी जिसमें वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

सहायक पुलिस आयुक्त अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार होकर गश्त के लिए निकले कांस्टेबल विजेंद्र कुमार तथा होमगार्ड विनोद कुमार को एक अज्ञात कार चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए बुधवार को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

घर जाने की जल्दी में अपने साथ बच्चों की जिंदगी दांव पर

ट्रक में बच्ची को चढ़ा रहे व्यक्ति की तस्वीर हुई वायरल

पैदल ही जाने वालों की मार्मिक दास्तां

अपनों से छोटों को कंधों, गोदी में लेकर चले हैं बच्चे

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के टीकली गांव के पास अपनी बच्ची को लेकर ट्रक में चढ़ता एक पिता और एक महिला। मानेसर के पचगांव के पास से पैदल ही अपने गृह नगरों को जाते लोग। फोटो : संजय कुमार मेहरा

जिन्दगी एक तौहीन है लब्जे हस्ती है, रहने वालो ये कैसी बस्ती है, मौत को तो लोग देते हैं कंधा पर जिन्दगी रहम को तरसती है। शायर की ये लाइनें उस तस्वीर पर सटीक बैठती हैं, जिसमें लॉकडाउन के बीच अपने घर जाने को एक पिता अपनी बच्ची को खुद की व बच्ची की जान खतरे में डालकर ट्रक में चढ़ाने को जूझता है। हकीकत में यह तस्वीर बहुत ही मार्मिक है।

गुरुग्राम से प्रवासियों का पलायन जारी है। कहने को तो सरकार ने बसों व ट्रेनें उन्हें अपने राज्यों में भेजने के लिए शुरू कर रखी हैं, लेकिन ऑनलाइन अप्लाई करने के बाद कई-कई दिनों तक नंबर नहीं आने के कारण लोग अपने परिवारों के साथ पैदल ही पलायन कर रहे हैं। जो अपने पास थोड़ा-बहुत सामान है, उसे बैग या कट्टों में डालकर चल देते हैं। अगर रास्ते में कोई उन पर दया करके अपने वाहन में बिठाता है तो ठीक है, अन्यथा वे किसी का इंतजार नहीं करते और चल-चला-चला, अकेला चल चला-चल गीत की भांति चलते ही रहते हैं। वर्षों, महीनों पूर्व लोग यहां रोजी-रोटी के लिए आए थे। लेकिन कोरोना की वजह से लॉकडाउन हुआ। इस लॉकडाउन में बहुतों का रोजगार छिन गया तो जो रोजगार की तलाश में आए थे उनको रोजगार नहीं मिले। टीकली गांव के पास चाहे तस्वीर ट्रक पर चढ़कर पैदल जाने के सफर को कम करने की हो या फिर मानेसर से आगे पचगांव के पास सफर पर पैदल ही जाने वालों की हो, दोनों ही मार्मिक हैं। ट्रक में बच्ची के साथ चढ़ता एक पिता और झांसी की रानी की तरह ट्रक पर चढ़ती एक अधेड़ महिला को देखकर दिल में खूब मलाल हुआ। वहीं अपने छोटे भाई-बहनों को गोद में लेकर पैदल जाते बच्चे, बच्चियां, किसी के सिर पर सामान से भरे कट्टे उनके सफर को कठिन तो बना ही रहे थे, लेकिन मजबूत इरादों के साथ वे घर से निकले। इसलिए कोई बाधा उनके कदमों को रोकने में सफल हो, ऐसा भी नहीं लगा।

प्रवासियों की कहानी उन्हीं की जुबानी

यहां से अपने गृह क्षेत्र जा रहे मधेपुरा बिहार के अर्जुन सिंह और अभिनंदन ऑटो चलाते थे। 22 मार्च के बाद से ऑटो सेवा पूरी तरह से बंद है। ऐसे में उनके सामने रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इटावा यूपी से श्याम सुंदर और दीपेंद्र हलवाई के यहां काम करते थे, लेकिन लॉकडाउन में उनका यह काम भी पूरी तरह से बंद है। तो उनका यहां रहने का कोई मतलब नहीं रह जाता। इसी तरह प्रयागराज यूपी से जयंत लाल, चंद्र कुमार यहां सिक्योरिटी कंपनी में जॉब करते थे। लॉकडाउन होते ही स्टाफ की छंटनी कर दी गई और उन्हें कह दिया गया कि अब उनकी जरूरत नहीं है। इतने दिनों तक लॉकडाउन खुलने का इंतजार किया, लेकिन अब वे यहां नहीं रह सकते। यहां से जा रहे अंकित कुमार 14 मार्च को काम की तलाश में आए थे। उनके साथ दीपक कुमार भी था। अब उनका भी यहां से मोह भंग हो गया है। वैशाली बिहार से मीरा देवी, आरा बिहार से सरोजा देवी पत्नी वीरेंद्र यादव भी इन्हीं अभागों में शामिल हैं। वीरेंद्र यादव कहते हैं कि तीन महीने पहले यहां पर उन्होंने जॉब शुरू की थी। फिर लॉकडाउन हो गया और जॉब चली गई। यहां से दाना-पानी एक तरह से खत्म मानकर इन्होंने यहां से निकलने की सोची ही नहीं बल्कि ठानी है। इसलिए अपना सामान समेटकर वे जा रहे हैं।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी कल से शुरु करेंगे देशभर में आंदोलन

नूंह। कोरोना महामारी में काम करने वाले ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को समय पर वेतन व उचित सुरक्षा उपकरण ना मिलने से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने 16 मई से देशभर में आंदोलन करने का फैसला तय किया है। कर्मचारियों का कहना है कि समान काम समान वेतन की बात तो दूर सरकार उन्हें सहमति बनने के बाद भी 4 हजार रुपये जोखिम भत्ता और 50 लाख बीमा देने के लिए भी पत्र जारी नहीं कर रही है। जिससे नाराज देशभर के सफाई कर्मचारियों ने आंदोलन करने का फैसला तय किया है।

प्रदेश अध्यक्ष देवी राम व ब्लॉक प्रधान मिथुन ने बताया कि अभी तक ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को अप्रेल माह का वेतन भी नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि जब कर्मचारी बकाया वेतन को देने की बात करते हैं तो अधिकारी चंडीगढ़ वित्त विभाग से मंजूरी ना मिलने की बात कहकर टाल देते हैं। पूरे हरियाणा में कर्मचारियों का वर्दी भत्ता व एरियर बकाया पड़ा हुआ है, जिससे कर्मचारी परेशान हैं। कर्मचारियों की मानें तो शहरी सफाई कर्मियों को तेल और साबुन के लिए पत्र जारी हो चुका है, लेकिन ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को इससे भी वंचित रखा गया है। जिससे सभी कर्मचारियों में सरकार के प्रति भारी रोष है। कर्मचारियों की मांग है कि सरकार उन्हें 4 हजार जोखिम भत्ता, मास्क, सेनेटाईजर, जूते, 50 लाख का बीमा, कर्मचारियों का पीएफ काटकर बोर्ड के पास जमा करवा जाए।

गुरुग्राम से बुलंदशहर को 750 प्रवासी लोग 25 बसों में रवाना

गुरुग्राम। गुरुग्राम से बुलंदशहर के लगभग 750 प्रवासी नागरिक 25 बसों में सवार होकर रवाना हुए। ये बसें सिद्धरावली तथा संत निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल कॉलेज सोहना से सुबह आठ बजे रवाना हुई। जिला गुरुग्राम से जाने वाले प्रवासी नागरिकों को एक बार फिर से भविष्य में अच्छे स्वास्थ्य के साथ वापिस काम पर लौटने के लिए प्रेरित किया। लॉकडाउन में प्रवासी नागरिकों को उनके गृह जिलों में परिजनों के पास भेजने की व्यवस्था नि:शुल्क की गई है। सोहना की एसडीएम एवं नोडल अधिकारी चिनार चहल ने बताया कि प्रवासी नागरिकों को अपना स्वास्थ्य ठीक रखते हुए हरियाणा प्रांत की आर्थिक समृद्धि में भागीदार बने रहने का संदेश भी दिया। उपायुक्त के मार्गदर्शन में सोहना की एसडीएम डा. चिनार चहल की देखरेख में सिद्धरावली तथा संत निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल कॉलेज सोहना से राज्य परिवहन की बसों के माध्यम से बुलंदशहर के लिए रवाना किया गया है। सिद्धरावली में पटौदी के खंड विकास, पंचायत अधिकारी अरुण कुमार ने 10 बसों में 298 प्रवासी नागरिकों को विदा किया।

180 प्रवासी मजदूरों को बसों से यूपी भेजा

सोहना से उत्तर प्रदेश जाने के लिए बसों में बैठते प्रवासी मजदूर।

बसों में बैठाने से पहले स्वास्थ्य जांच करते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना से 180 प्रवासी मजदूरों को हरियाणा रोडवेज की बसों में बैठाकर उत्तर प्रदेश के शहर अलीगढ़ भेजा गया। सभी प्रवासी मजदूर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में बनाए गए सेंटर होम में ठहरे हुए थे।

गुरुवार को सोहना के निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्यालय परिसर में हरियाणा रोडवेज की 15 बस गुरुग्राम डिपो से सुबह छह बजे पहुंचीं। जहां पर बीडीपीओ प्रमेन्द्र सिंह, एसएमओ डॉ. नवल किशोर, सोहना सदर थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर सतेन्द्र कुमार सहित प्रवासी मजदूरों की सर्वे के कार्य में सहयोग करने वाले शिक्षक मौजूद थे। सोहना के निरंकारी महाविद्यालय में 180 ही प्रवासी मजदूर बसों के माध्यम से अपने घर जाने के लिए आए। जिन्हें 8 अलग-अलग बसों में सवार किया गया।

बीडीपीओ प्रमेन्द्र सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से एसएमओ डॉ. नवल किशोर की टीम ने प्रत्येक प्रवासी मजदूर के स्वास्थ्य की जांच की। जांच के बाद ही बसों में बैठने दिया। उन्होने बताया कि एक बस में मात्र 30 यात्री को बैठाया गया। क्योंकि सामाजिक दूरी को विशेष महत्व दिया गया।

बीडीपीओ ने बताया कि प्रत्येक मजदूर को उत्तर प्रदेश के शहर अलीगढ़ तक भेजा गया। जहां से उत्तर प्रदेश की सरकार उन्हें उनके पैतृक गांव तक पहुंचाएगी। उन्होंने बताया कि सभी मजदूरों को भोजन के पैकेट दिए गए। ताकि रास्ते में भूख लगने के दौरान बस को किसी स्थान पर रोकना न पड़े। बीडीपीओ ने बताया कि शेष 7 बसों को सिधरावली भेजा गया। क्योकि जिला गुरूग्राम से आज 25 बसें हरियाणा रोडवेज की उत्तर प्रदेश को लेकर रवाना हुई है।

16 जमातियों को हिमाचल भेजा

जानकारी के अनुसार सोहना के राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में हिमाचल प्रदेश के 16 जमातियों को क्वारेंटाइन किया हुआ था। बुधवार की शाम को सभी जमातियों को बस के माध्यम से उनके प्रदेश भेज दिया गया।

नूंह जिले के बच्चों ने ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में दिखाई अपनी कला

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

वैश्विक कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन के दौरान घरों में बैठे बच्चों की प्रतिभा को निखारने का कार्य जिला बाल कल्याण परिषद नूंह बड़ी मेहनत के साथ कर रहा है। ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के सातवें दिन कागजी कला प्रतियोगिता में नूंह जिले के बच्चों के साथ अभिभावकों ने भी कड़ी मेहनत एवं लग्न के साथ तैयारी कराई।

जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री ने बताया कि उपायुक्त पंकज के आदेशानुसार गुरुवार को ऑनलाइन प्रतियोगिता का सातवां दिन है। जिला नूंह के अभिभावक अपने बच्चों को ऑनलाइन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रतियोगिताओं की इसी कड़ी में गुरुवार को कागज कला प्रतियोगिता का रिजल्ट में आयु वर्ग 6 वर्ष से 10 वर्ष में सूर्यांशी दास प्रथम, इशिका द्वितीय, अलीशा खातून तृतीय, मानवी शर्मा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इसी कड़ी के 11 से 14 वर्ष आयु वर्ग में कनिष्क गुप्ता प्रथम, आसय कमाल द्वितीय, छाया तृतीय, खुशबू गर्ग ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस मौके पर आईटी सहयोगी डॉ सीपी यादव निर्णायक मंडल के सदस्य मोहम्मद कय्यूम कला अध्यापक, अशरफ मेवाती प्राध्यापक, जिया उल हक प्राध्यापक एवं बाल भवन का स्टाफ इत्यादि मौजूद था।

मास्क बनाने को मारुति ने महिलाओं को दिया 10 हजार मीटर कपड़ा

गुरुग्राम। लॉकडाउन के इस दौर में लोगों को रोजगार मुहैया करवाकर उनके लिए आजीविका का साधन बनाना भी गुरुग्राम जिला प्रशासन की विभिन्न पहलों में से एक है। इसी के अंतर्गत जिला में स्वयंसेवी सहायता समूहों की सदस्यों के तौर पर कार्यरत महिलाओं को मास्क बनाने में सहायता करने के लिए मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड से आग्रह करके 10 हजार मीटर कपड़ा इन महिलाओं को दिलावाया गया है।

स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाओं के लिए कपड़ा मुहैया करवाने का आग्रह मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड से किया गया था जो कंपनी ने सीएसआर के तहत उपलब्ध करवाया है जिससे डेढ़ लाख से अधिक मास्क बनाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस कपड़े से महिलाएं मास्क सिलकर देंगी।

अल्लाह की इबादत के लिए सबसे पवित्र महीना है रमजान : अख्तर हुसैन

नूंह। रमजान का महीना बडा ही मुबारक और बरकत वाला महीना है। इस महीने में अल्लाह ताला अपने बंदों पर खास नजरें करम फरमाता है। जहन्नुम के दरवाजे बंद कर जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। कमाई में भी बहुत बरकत की जाती है। रोजा रखने का मतलब है कि हर मुसलमान बुराइयों से रुक जाए। उक्त बातें समाजसेवी अख्तर हुसैन तिगांव ने कही।

उन्होंने कहा कि इसका असल मकसद यही है कि अल्लाह के बंदे जो बेकसी और भूख प्यास की हालत में जिंदगी गुजारते हैं, इंसान के अंदर उनकी मदद का जजबा पैदा हो। रोजेदारों में ताकत व परहेजगारी की फिजा पैदा हो। अख्तर हुसैन तिगांव ने कहा कि इस महीने में अल्लाह ताला इबादतों का सवाब बेपनाह बढ़ा देता है। बंद एक वक्त की नमाज पढ़ता है तो 70 नमाजों का सवाब मिलता है। इफ्तयार के वक्त रोजेदार जिस दुआ को करता है अल्लाह उसे कबूल करते हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने में देशभर में फैल रही कोरोना की बीमारी से छुटकारा पाने के लिए भी दुआ करें।

ऑटो एजेंसी मालिकों, मिस्त्री और दुकानदारों के समक्ष संकट गहराया

लॉकडाउन में मिली छूट से धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा है कामधंधा

नरेश कुमार। सोहना

सोहना में ऑटो एजेंसी में बाइक की सर्विस करते मिस्त्री।

कोरोना काल में ऑटो मैकेनिक और ऑटो स्पेयरपार्ट दुकानदारों का कारोबार पूर्णरूप से ठप हो गया। लॉकडाउन के बीतें 50 दिन मैकेनिक और दुकानदारों को घरेलू खर्चों को चलाना मुश्किल हो गया है। लॉकडाउन में मिली छूटे से रोजी-रोटी कमाने के लिए धीरे-धीरे कामकाज पर लौटने लगे हैं।

लॉकडाउन के बीते 50 दिनों में ऑटो स्पेयरपार्ट दुकानदार से लेकर बाइक, कार स्कूटी मिस्त्रियों के लिए घर में रहना मुश्किल हो गया है। जैसे भी मौका लग रहा है। ऑटो मिस्त्रियों ने ग्राहकों को चुपके से बाइक, स्कूटी, कार की सर्विस कराने के लिए बुलाना शुरू कर दिया है। ऑटो एजेंसी मालिकों को भी कोरोना काल के इस दौर में स्टाक में खड़े वाहनों का बैंकों को ब्याज देना पड़ रहा है। एजेंसी मालिक सामाजिक दूरी बनाते हुए वाहनों की बिक्री करने के साथ-साथ ग्राहक के वाहनों की सर्विस सेवा भी दे रहे हैं। ताकि ठप पड़ा रोजगार धीरे से ही सही गति पकड़ने लगे।

क्या कहते हैं मिस्त्री दुकानदार और एजेंसी मालिक

बाइक मैकेनिक मुकेश यादव का कहना है कि जैसे-तैसे करके लॉकडाउन के 50 दिन घर पर रहकर काम चला लिया, लेकिन अब घर में रखी जमा पूंजी भी खर्च हो गई। घर का खर्चा चलाना यहा से आगे मुश्किल होगा गया है। इसलिए काम पर लौटना उनकी मजबूरी बन गई है। क्योकि बिना काम करे एजेंसी मालिक उसे वेतन भी नहीं देगा। जबकि स्कूल जाने वाले बच्चों की ट्यूशन फीस भी जमा करनी है। बच्चों की पढ़ाई के लिए पुस्तकें भी खरीदनी हैं।

ऑटो रिपेयर की दुकान चलाने वाले मिस्त्री राजू शर्मा का कहना है कि अब तक जैसे तैसे करके आर्थिक परिस्थितियों को झेल लिया। बीच-बीच में ग्राहकों ने अपने-अपने घर बुलाकर बाइक व स्कूटी की सर्विस कराई। जिससे रसोई का राशन-पानी कम नहीं होने दिया। लेकिन अब रसोई के खर्चा से अलग होने वाले खर्चा को घर में रहकर सहन नहीं किया जा सकता। कुछ उधार नकदी लेकर भी घर का खर्चा किया। अब जो वह जैसे ही मौका मिलता है। पिछले एक सप्ताह से दोपहिया वाहनों की सर्विस अपनी दुकान पर आकर कर रहा है।

ऑटो स्पेयरपार्ट की दुकान चलाने वाले मोनू जैन का कहना है कि सुबह के समय में दो से तीन घंटा दुकान खोलता है। लेकिन एक भी ग्राहक नहीं आ रहा है। एक सप्ताह में मात्र 1700 रुपये की दुकानदारी हुई है। जबकि दुकान का किराया देने के अलावा घर के खर्चे चलाना भी मुश्किल हो रहा है।

हीरो ऑटो बाइक एजेंसी के मालिक राजेश जिन्दल का कहना है कि तीन दिन से एजेंसी को सुबह 7 से 10 बजे तक खोल रहे है। तीन दिन में मात्र 8 बाइक सेल हुई है। लॉकडाउन से पहले एक दिन में 10 से 12 बाइक सेल होती थी।

एजेंसी के स्टाक में खड़ें वाहनों का ब्याज बैंक में चढ़ रहा है। ब्याज का भुगतान जेब से नहीं किया जा सकता। ग्राहक दो पहिया वाहनों की सर्विस के लिए उन्हें फोन करके करवाने को बोल रहे हैं, लेकिन लॉकडाउन का समय में उन्हे और अधिक घर में रहकर काटना भारी आर्थिक कमजोरी के नीचे दबा देगा।

संक्षिप्त समाचार

बंधवाड़ी गांव में बच्चों को साइकिलें बांटीं

गुरुग्राम। कोरोना के कारण पूरे विश्व में चल रहे लाकडाउन के दिनों में दा अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन ने बंधवाड़ी गांव में रहने वाले बच्चों को निशुल्क साइकिल वितरित की गईं। प्रधान रवि कालरा ने बताया कि लॉकडाउन की वजह से बच्चों में उमंग-तरंग व उत्साह का अभाव पैदा हो रहा है। बहुत से बच्चे घरों में रह-रहकर उदास हो रहे हैं। इसलिए बच्चों में जोश भरने व सेहत के प्रति उत्साह और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की बहुत जरूरत है। इसी क्रम में ह्लह्र संस्था द्वारा बच्चों को निशुल्क साइकिल वितरण का आयोजन किया। बंधवाड़ी गांव के बच्चों ने प्रतिदिन निरंतर साइकिल चलाने का प्रण भी लिया और बच्चों के अभिभावकों ने भी बहुत उत्साह दिखाया और संस्था का धन्यवाद करते हुए साइकिल वितरण समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

ध्यान दें...रक्त की कमी है, 17 को रक्तदान करने डीएलएफ पहुंचे

गुरुग्राम। कोरोना काल में लोगों को भोजन, राशन उपलब्ध कराने, कोरोना योद्धाओं का स्वागत करने की परम्परा का बखूबी निर्वहन करने वाले नवकल्प फाउंडेशन की ओर से अब रक्त की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाया गया है। इसी कड़ी में आगामी 17 मई को दूसरा रक्तदान शिविर संस्था की ओर से आयोजित किया जा रहा है। यहां डीएलएफ फेज-1 स्थित प्लॉट नंबर-49, अर्जुन मार्ग पर यह शिविर लगाया जाएगा। नवकल्प फाउंडेशन की ओर से गुड़गांव सिटीजन काउंसिल व लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। नवकल्प संस्था के सचिव डा. सुनील आर्य के मुताबिक रक्तदान की कमी को देखते हुए संस्था ने यह निर्णय लिया है कि अब अधिक से अधिक रक्त का भी दान करवाया जाए। क्योंकि थैलीसीमिया के मरीजों के लिए यहां रक्तदान की भारी कमी हो गई है। नवकल्प फाउंडेशन के सचिव डा. सुनील आर्य व गुड़गांव सिटीजन काउंसिल के अध्यक्ष आरएस राठी के मुताबिक लॉकडाउन की वजह से लोग रक्तदान करने नहीं निकले, इसलिए यह कमी हुई। अब लॉकडाउन में ढील मिली है तो बीच के रक्तदान की कमी को पूरा करने के लिए अब अधिक से अधिक रक्तदान शिविर लगाने जरूरी हैं। इसलिए 17 मई को लगाए जाने वाले शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर लोग रक्तदान करें।

प्रवासियों को परिवार की तरह खाना दे रही रेडक्रॉस

गुरुग्राम। कोरोना काल में वंचितों तक भोजन, राशन पहुंचाकर अपना उद्देश्य पूरा करने वाली रेडक्रॉस सोसायटी का चूल्हे में अभी आंच बनी हुई है। यानी अभी भी लोगों तक भोजन पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। गुरुग्राम से रेलगाड़ियों के माध्यम से पलायन कर रहे मजदूरों, श्रमिकों व अन्य लोगों को रेलवे स्टेशन पर 24 घंटे खाना आदि पैक करके दिया जा रहा है। रेडक्रॉस के सचिव महेश गुप्ता के मुताबिक जिला उपायुक्त एवं रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष अमित खत्री के निर्देशानुसार रेडक्रॉस यह सारा सेवा कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम से प्रवासियों को अपने गृह क्षेत्रों में भेजने के लिए सरकार ने ट्रेनें, बसों चलाई हैं। सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद इन श्रमिकों को सम्मान घर भेजा जा रहा है। उन्हें निशुल्क टिकटें दी जा रही हैं। उनके रास्ते के खाने का इंतजाम रेडक्रॉस सोसायटी ने किया है। लॉकडाउन के बीच राशन, भोजन, मास्क, सेनिटाइजर, कोल्ड ड्रिंक्स आदि सामान लोगों तक पहुंचाया है। महेश गुप्ता के मुताबिक समाजसेवा में रेडक्रॉस के कर्मचारियों, वॉलंटियर्स ने दिन-रात काम किया है। पूरी जिम्मेदारी भी निभाई है। इस कार्य में पीके भल्ला, विद्या देवी, सुरेश गुप्ता, जेआर मान, कल्याणी सचान, औशो कालिया, उमांकित, राकेश बजाज के साथ रेडक्रॉस सोसायटी से अतुल, आकांक्षा, कविता सरकार, नीलम, तरुण, विनीत, निखलेश आदि ने अपना अहम योगदान दिया है।

बारिश में फिर भीगा सरकारी गेहूं

सोहना। बुधवार शाम पांच बजे तेज आंधी के साथ हुई बरसात में एक बार फिर खुले आसमान के नीचे पड़ा हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया। हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन एजेंसी ठेकेदार पर समय पर खरीदा गया गेहूं का लदान न करने का आरोप लगा रहे हैं। सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम और सामान्य बस स्टैंड परिसर में गेहूं की सरकार खरीद शुरू की गई थी, लेकिन सरकार के खाते में खरीदा गए 52 हजार कट्टे गेहूं में से 1500 कट्टों का लदान हुआ है। यहा पर अभी भी करीब 32 हजार कट्टे खुले आसमान के नीचे पड़े हैं। जिसमें से 25 फीसदी गेहूं कट्टों में भरा नहीं है। 40 से 50 फीसदी गेहूं के भरे होने पर भी सिलाई नहीं की गई है। बुधवार शाम को हुई बारिश में एक बार फिर हजारों क्विंटल गेहूं बारिश से भीग गया। हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन एजेंसी के स्थानीय मंडी में नियुक्त इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि ठेकेदार की लापरवाही से गेहूं भीग रहा है। ठेका लेने के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों को सैकड़ों वाहन होने की झूठा आश्वासन दे दिया, लेकिन अब भरे हुए बारदान का उठाव नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि ठेकेदार के खिलाफ पहले भी उच्चाधिकारियों के समक्ष लिखित में शिकायत की थी। एक बार फिर से शिकायत की जाएगी।

आर्थिक पैकेज जारी करके सरकार ने दिया तोहफा: लूथरा

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज से सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्योगों को काफी लाभ मिलने वाला है। इसके अतिरिक्त श्रमिकों, मजदूरों, किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा। यह बात भाजपा नेता दलीप लूथरा ने कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से पूरा विश्व लड़ाई लड़ रहा है। इस संकट के समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित कर देशवासियों का उत्साहवर्धन किया है। 20 लाख करोड़ रुपये का विशेष आर्थिक पैकेज देशवासियों को आत्मनिर्भर बनाएगा। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी सरकार ने जीडीपी का 10 फीसदी का हिस्सा आर्थिक सहायतार्थ देश को दिया है। वर्ष 2021 की सदी भारत की सदी होगी। उसके लिए आत्मनिर्भरता लिखने के लिए बल आत्मनिर्भरता तभी आएगी, जब आत्मबल होगा और आत्मबल आत्मविश्वास से हो सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल के नेतृत्व में हरियाणा इस सदी में कृषि प्रधान प्रांत के साथ-साथ औद्योगिकीकरण की ओर तेजी से अग्रसर होगा और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए पैकेज से हरियाणा उद्योग जगत की मजबूत इमारत खड़ी करेगा।

कोरोना का कहर : 24 घंटे में 18 पॉजिटिव, आंकड़ा 137 पर

संक्रमित मरीजों के सम्पर्क में आने वाले ज्यादातर लोग पाए जा रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

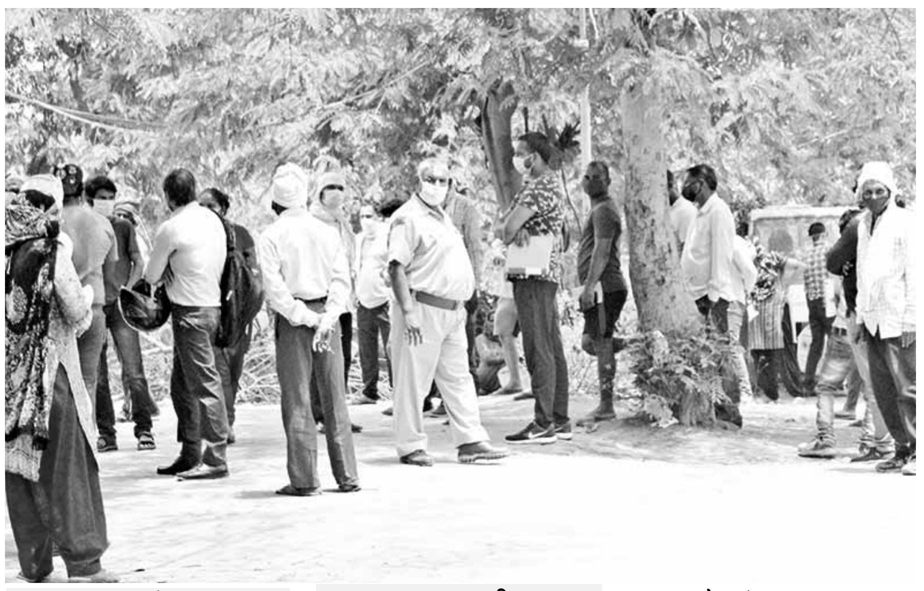

पिछले 24 घंटों में कोरोना पॉजिटिवों की संख्या का आंकड़ा 119 से बढ़कर 137 पर पहुंच गया। जिसमें बुधवार की रात को एक वर्षीय बच्चे और एक पुलिसकर्मी समेत 14 के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि विभाग ने की। वहीं बृहस्पतिवार देर शाम को चार नये मामलों की पुष्टि होने से कोरोना पॉजिटिवों की संख्या 137 पर पहुंच गई। 24 घंटे में 18 पॉजिटिव आने से स्वास्थ्य विभाग सकते में है।

यहां पाए गए 14 पॉजिटिव

डॉ. रामभगत ने बताया कि बीती देर रात कोरोना के 14 मामले सामने आए थे। जिसमें बल्लभगढ़ के सेक्टर 62 निवासी जिस कारोबारी की रिपोर्ट पिछले दिनों पॉजिटिव आई थी। उनकी 40 वर्षीय पत्नी के अलावा 17 और 15 वर्षीय दो बेटियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। एनएच 5 से 26 वर्षीय एक युवक पॉजिटिव पाया गया। वह अपनी बेटी के इलाज के दौरान दिल्ली के एक अस्पताल में संक्रमित हुआ है। वह मूलरुप से अलीगढ़ का रहने वाला है और फिलहाल वहीं गया है।

इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने उसे वहीं के अस्पताल में दाखिल होने की सलाह दी है। शिव शारदा कालोनी की एक किशोरी भी पॉजिटिव पाई गई है। वहीं एसजीएम नगर से दो बुजुर्गों समेत तीन जमातियों की पुष्टि हुई है। यह महाराष्ट्र से जमात करके लौटे है। एनआईटी स्थित मुल्ला होटल से एक वर्षीय बच्चा पॉजिटिव पाया गया है। डबुआ कॉलोनी से भी 67 वर्षीय बुजुर्ग पॉजिटिव पाया गया। वही तिलपत से एक व्यक्ति पॉजिटिव है, जो हाल ही में उत्तर प्रदेश के बदांयु से घर लौटा है।

चार यहां से है पॉजिटिव

बृहस्पतिवार शाम को दो नए मामले मिल्हाड कॉलोनी से हैं, जो संक्रमित व्यक्ति से संबंधित हैं। इनमें एक 50 वर्षीय व्यक्ति व 25 वर्षीय महिला शामिल है। एक 50 वर्षीय मरीज एनआईटी एक के बी ब्लॉक से है, जो डबुआ सब्जी मंडी से सब्जी लाकर एनआईटी एक में बेचने का काम करता है। वहीं एक व्यक्ति प्याला गांव की एक कंपनी में काम करने वाला है, जो हाल ही में अहमदाबाद से लौटा है।

यह हुए ठीक

चार मरीजों के ठीक होने की सूचना विभाग ने जारी की है। जिसमें एनएच-एक बी निवासी डबुआ सब्जी मंडी का आढ़ती गुलशन भाटिया, उनकी पत्नी तनु भाटिया की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। वहीं ग्रीन फिल्ड कालोनी निवासी 52 वर्षीय करूण की रिपोर्ट नेगेटिव आई। वह एक निजी कम्पनी में मैनेजर है। उनके अलावा संजय कालोनी निवासी सब्जी विक्रेता अनिल कुमार भी ठीक हो चुका है। सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

सेक्टर 17 थाने का एक पुलिसकर्मी भी पॉजिटिव पाया गया है। सेक्टर-10 से एक 41 वर्षीय महिला पॉजिटिव है। इसके परिवार में एक सब्जी विक्रेता है। इसके अलावा सेक्टर आठ सिही गांव में रहने वाला एक युवक भी संक्रमित पाया गया है, जो एक निजी अस्पताल में काम करता है।

यह है आंकड़ा

नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 6996 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 1685 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 5307 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 6859 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 5954 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 5556 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 261 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 137 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 67 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा पांच पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 61 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक चार मरीजों की मौत हो चुकी है।

जेल में जा रहे बीड़ी के पैकेट बरामद

फरीदाबाद। सिटी पार्क के पास बृहस्पतिवार सुबह जांच के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में बीड़ी और अन्य सामान बरामद कर टैंपो चालक को हिरासत में लिया। टैंपो चालक बीड़ी से भरी बोरियों को नीमका स्थित जिला जेल में ले जा रहा था। आदर्श नगर थाना प्रभारी पूरे मामले में लीपापोती करते हुए नजर आए। पुलिस ने इस मामले में न तो बीड़ी के पैकेटों को जब्त किया और न ही आरोपित के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई। जानकारी के मुताबिक पुलिस संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। तभी वहां से एक टैंपो गुजरने लगा तो पुलिस कर्मियों ने शक के आधार पर रोककर उसकी जांच की। टैंपो के अंदर भारी मात्रा में बीड़ी की पैकेट के अलावा अन्य सामान भरा हुआ था। टैंपों में मिले बीड़ी के पैकेटों को पुलिस ने थाने के कमरे में जाकर रख दिया। कोरोना वायरस के कारण प्रशासन ने बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला और तंबाकू जैसे उत्पाद पर प्रतिबंध लगाया हुआ है।

एक वर्षीय पॉजिटिव बच्चे के साथ मां को भी किया भर्ती

कविता। फरीदाबाद

कोरोना महामारी का कहर एक वर्षीय बच्चे पर भी बरस चुका है। बच्चे के पॉजिटिव पाये जाने पर उसकी मां को भी अस्पताल में भर्ती कर दिया गया। मां-बेटा कोविड-19 अस्पताल में भर्ती है। चिकित्सकों का कहना है कि कोरोना महामारी का कहर अब बच्चों में भी बढ़ रहा है, ऐसे में अभिभावकों को सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि यदि आपका बच्चा पॉजिटिव है और आपके घर में में जगह कम है तो परिवार में से माता या पिता में से एक को बच्चे के साथ अस्पताल में भर्ती कर दिया जाएगा।

इसलिए कराई जांच

बच्चे को पिछले काफी समय से बुखार था। बच्चे को कभी हल्का तो कभी तेज बुखार हो रहा था। जिस पर उसका सैम्पल जांच के लिए भेजा गया था। बीती रात उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। जिस पर उसे ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में दाखिल करने के निर्देश दिए गए। जिस पर बच्चे को अस्पताल में दाखिल किया गया।

यह है नियम

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास गोयल से जब इस विषय में बात की गई, तो उन्होंने कहा कि आजकल नियमानुसार जिन घरों में शौचालय अलग है और बच्चे घर में आईसोलेट होकर ठीक हो रहे है, उस स्थिति में उन्हें होम आईसोलेशन में रखा जा रहा है। वहीं यदि घर में बच्चा छोटा है और बच्चे के परिवार में उसे अलग रखने की व्यवस्था नहीं है तो उसे अलग रखने के बजाए अस्पताल में भर्ती किया गया है। बच्चे को किसी बीमारी के चलते जांच करवाई गई है। एहतियात के तौर बच्चें की मां के साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों के भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा सैम्पल लिए गए है। लेकिन तक सैम्पल की रिपोर्ट नहीं आई है। विभाग ने फिलहाल परिवार को होम क्वारंटाइन किया गया है।

बच्चे के साथ मां

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज (कोविड-19 अस्पताल) के कोरोना वार्ड के नॉडल अधिकारी डॉ. निखिल ने बताया कि बच्चे के साथ मां भी अस्पताल में भर्ती है। बच्चा काफी छोटा है, जिसकी देखभाल के लिए मां का होना जरूरी है। ऐसे में बच्चे की मां को उसकी देखभाल के लिए रखा गया है। फिलहाल बच्चे की रिपोर्ट नेगेटिव न आने तक दोनों मां-बेटे अस्पताल में ही रहेंगे।

एमएसएमई सेक्टर के पास है नकदी का आभाव : जेपी मल्होत्रा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने केंद्र सरकार द्वारा 20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इस पैकेज में एमएसएमई सेक्टर को प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की गई है जिसकी वर्तमान में काफी उम्मीद व्यक्त की जा रही थी। मल्होत्रा के अनुसार वित्तीय पैकेज में जो प्रावधान किए गए हैं, उसका मुख्य केंद्र बिंदु ऋण प्रक्रिया है और निर्विवाद सत्य है कि ऋण अंततः ऋण ही होता है और बैंक वास्तव में बैंक ही रहते हैं। उन्होंने स्पष्ट करते कहा है कि यदि उद्योग ऋण लेते हैं तो यह उन पर एक आर्थिक भार रहेगा और बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता सुलभता से प्रदान की जाएगी। इसको लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है। मल्होत्रा के अनुसार वास्तविकता यह है कि कोरोना वायरस के कारण चल रहे लॉकडाउन में एमएसएमई सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, वास्तुस्थिति यह है कि एमएसएमई सेक्टर के पास नकदी का अभाव बना हुआ है और केंद्र सरकार से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह लघु उद्योगों की इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी पग उठाएगी। मल्होत्रा के अनुसार ईएसआईसी अर्थात भविष्य निधि निगम के पास 80000 करोड रुपए का एक फंड है जिसे आपात स्थिति में खर्च किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा है कि वर्तमान में उद्योगों के पास जबकि नकदी की समस्या बनी हुई है ऐसे में यदि वेतन व अन्य खर्चों के लिए ईएसआईसी विभाग अपना योगदान देता तो यह एमएसएमई सेक्टर के लिए एक बड़ी राहत थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

फरीदाबाद। स्कूटी सवार एक युवक को अज्ञात वाहन ने अटाली-मौजपुर रोड टक्कर मारकर कुचल दिया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक जिला झज्जर के नंगला गांव में रहने वाला 38 साल का युवक बुधवार को स्कूटी पर सवार होकर केजीपी के रास्ते यूपी की ओर जा रहा था। जब वह अटाली से मौजपुर गांव के निकट पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारते हुए कुचल दिया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। रोड से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवक की जेबों से पहचान संबंधी दस्तावेज देख उसके परिजनों को सूचना दी। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

नाले अवरुद्ध होने से बीमारी फैलने का खतरा

निगमायुक्त ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सूरजकुंड पर्यटन स्थल सहित आधा दर्जन कालोनियों के गंदे पानी की निकासी के लिए बनाए गए कदीमी नाले को भरत विहार में अवैध रूप से कब्जा कर अवरूद्ध कर दिया गया है। नाला अवरूद्ध किए जाने से इन क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों के पनपने के साथ-साथ बरसाती सीजन में जलभराव की स्थिति बनने की प्रबल संभावना बन गई है।

निगमायुक्त ने अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई कर शिकायत का निराकरण करने का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि वर्षों पूर्व सूरजकुण्ड पर्यटन स्थल, चार्मवुड विलेज, दयालनगर, शिव दुर्गा विहार, लकड़पुर व भरत विहार आदि क्षेत्रों के गंदे पानी की निकासी के लिए निगम ने 44 फुट चौड़े एक नाले का निर्माण किया था। इस नाले से मीठापुर के मार्फत इन क्षेत्रों का गंदा पानी यमुना में जाकर गिरता था। बताया गया है कि लॉक डाउन के दौरान भूमाफिया ने भरत विहार में नाले पर अवैध कब्जा कर दुकानें बना दी।

नाले पर कब्जा किए जाने से नाला अवरुद्ध हो गया तथा चार्मवुड विलेज, दयालबाग, शिव दुर्गा विहार व भरत विहार आदि क्षेत्रों में गंभीर बिमारियां पनपने लग गई। चार्मवुड विलेज रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान महेन्द्र कुमार गुप्ता ने निगमायुक्त को दी शिकायत में कहा है कि इन क्षेत्रों में गंभीर बिमारियां तो पनप ही रही है और अगर अवैध कब्जा हटाकर नाला साफ नहीं कराया गया तो पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी इन क्षेत्रों में जलभराव के हालात पैदा हो जाएंगे।

क्या कहते है निगमायुक्त

निगमायुक्त यश गर्ग का कहना है कि शिकायत के संदर्भ में शीघ्र जांच कराकर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी और शिकायत का निराकरण किया जाएगा।

टीम विजय प्रताप ने 1800 लोगों को खाना एवं 30 परिवारों को भिजवाया राशन

पायनियर सामचार सेवा। फरीदाबाद

लगातार जारी अपने अभियान को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को टीम विजय प्रताप ने 1800 लोगों को खाना एवं 30 परिवारों को राशन भिजवाया। बड़खल विधानसभा क्षेत्र के दयालनगर, खोरी, एकता नगर, जमाई कॉलोनी, बड़खल, नेहरू कॉलोनी, कल्याणपुरी, नवादा कॉलोनी एवं एसी नगर में लोगों को खाना एवं राशन भिजवाया। टीम विजय प्रताप द्वारा बड़खल विधानसभा क्षेत्र में जरूरतमंद एवं मजदूरों की सहायता के लिए चलाया जा रहा राशन वितरण अभियान लगातार जारी है और जब तक लॉकडाउन पीरियड रहेगा उनकी मदद लोगों तक पहुंचती रहेगी। लगभग डेढ़ महीने से भी ज्यादा समय से लागू लॉकडाउन के चलते गरीब मजदूर वर्ग खाने एवं राशन के लिए मोहताज हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

डालसा ने जरूरतमंदों को वितरित किया राशन

फरीदाबाद। जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशों अनुसार व मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में लॉकडाउन के दौरान गरीबों को सामाजिक संस्थाएं लगातार मदद पहुंचा रही है। इसी कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भी जरूरतमंद लोगों की लगातार मदद कर रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ताओं ने राजीव कॉलोनी समयपुर रोड फरीदाबाद में आर्थिक रूप से कमजोर वह जरूरतमंद करीब 100 लोगों को राशन पहुंचा। जिसमें 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, 1 किलो तेल, एक नमक की थैली व मसाले के पैकेट आदि शामिल है। मंगलेश कुमार चौबे ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना मानवता को बचाना है। ऐसे में समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने आसपास किसी को भूखा न सोने दें। राशन वितरण के दौरान पैनल अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर व ओम प्रकाश सैनी ने लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग की जानकारी देते हुए कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग ही इस महामारी से बचाने के लिए एक अचूक बाण का काम करता है। इसलिए हमें इसका पालना करना है। बार-बार हाथ धोना है व मास्क पहन कर रखना है। नियमों का पालन कर हम अपनी, परिवार व देश की रक्षा वायरस से कर सकते हैं।

अब बल्लभगढ़ में भी होगी कोरोना की जांच

फरीदाबाद। बीके सिविल अस्पताल में कोरोना की जांच प्रयोगशाला में बढ़ती मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब बल्लभगढ़ के सिविल अस्पताल में जांच लैब शुरू की गई है। जिससे बीके सिविल अस्पताल के साथ अब लोग कोरोना की जांच बल्लभगढ़ में करवा सकेंगे। इस जांच लैब के उद्घाटन के अवसर पर जिला सिविल सर्जन डॉ. कृष्ण कुमार, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश, डॉ. संजीव भगत, डॉ. राजेश श्योकंद के अलावा बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. मान सिंह और डॉ. एके यादव व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। देर शाम तक प्रयोगशाला में जांच प्रक्रिया जारी रही। इस विषय में डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल में प्रयोगशाला शुरू को है। वहीं डॉ. मान सिंह ने बताया देर शाम तक 43 सैम्पल लिये है। इसमें पॉजिटिव केसों के सम्पर्क में आये लोगों के भी सैम्पल लिये जा रहे है। बल्लभगढ़ के लोगों को अब बीके अस्पताल की लम्बी कतार में नहीं लगना पड़ेगा।

विधायक सीमा से मिले स्वास्थ्य कर्मी

फरीदाबाद। अर्बन हेल्थ सेंटर फरीदाबाद में कार्यरत अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी बडखल विधानसभा क्षेत्र से विधायक सीमा त्रिखा से मिले। सबसे पहले इन स्वास्थ्यकर्मियों ने इस कोरोना महामारी में हरियाणा सरकार द्वारा किए गए व्यापक प्रबंध के लिए सरकार का धन्यवाद किया तथा फिर इन कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं के बारे में विधायक को अवगत कराया। अनुबंधित कर्मचारियों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग हरियाणा के अतिरिक्त सचिव ने 8 माह पहले हरियाणा राज्य के सभी अर्बन हेल्थ सेंटर में कार्यरत अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों को एनएचएम की तर्ज पर सर्विस बायलाज का लाभ देने हेतु पत्र जारी कर अनुमति प्रदान कर दी थी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा इस बारे घोषणा की थी। वित्त विभाग ने भी बजट के लिए सहमति दे दी थी परंतु आश्चर्य की बात यह है कि सरकार द्वारा अनुमति देने के बावजूद भी संबंधित अधिकारियों ने इन कर्मचारियों को सर्विस बायलाज का लाभ देने का पत्र जारी नहीं किया है।

पीएमओ के दबाव का असर मांगा शपथ पत्र

फरीदाबाद। प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र और उस पर की गई कार्रवाई का असर दिखाई देने लगा है। शिक्षा विभाग पंचकूला ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर सभी स्कूल प्रबंधकों से ट्यूशन फीस में वृद्धि न करने व अन्य फंडों में फीस न लेने का शपथ पत्र मांगने को कहा है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने इसे अभिभावकों की जागरूकता व एकजुटता का परिणाम बताया है और अभिभावको से कहा है कि वे लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्कूलों की प्रत्येक मनमानी के बारे में सबूत के साथ पत्र लिखते रहें। चुप न बैठे और स्कूलों द्वारा पिछले 5 साल में बढ़ाई गई फीस, नए दाखिलों में एडवांस में ली गई फीस, एनसीईआरटी की किताबों की जगह प्राइवेट प्रकाशकों की किताबें लगाकर बस्ते का बोझ बढ़ाने, ट्यूशन फीस के अलावा अपनी मर्जी से बनाए गए दर्जनों फंडों के नाम आदि का ब्यौरा इकट्ठा करके प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजकर शिक्षा का व्यवसायीकरण कर रहे प्राइवेट स्कूल प्रबंधकों के खिलाफ उचित कार्रवाई कराने की अपील करें और इस उसकी एक प्रति मंच को उपलब्ध कराएं।

कोविड-19 में 1098 ने बच्चों को दी मदद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में गत 23 मार्च से लॉकडाउन है। जिसके अंतर्गत कोविड-19 में बच्चों की मदद के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के टोल फ्री नम्बर 1098 जोकि बच्चों की हेल्प के लिए निशुल्क राष्ट्रीय फोन सेवा है।

इस फोन सेवा पर लॉकडाउन के अंतर्गम 200 से अधिक कॉल रिसिव की गई। जिसके अंतर्गत मेडिकल, सेल्टर और खाने से सम्बंधित तथा मास्क के लिये फोन आये। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने बच्चों की मदद के लिए उन्हें सूखा राशन जिसमें दस किलो आटा, दो किलो चावल और आधा किलो तेल व हाथ साफ करने के लिए डिटोल साबुन तथा मसाले वितरित किये। चाइल्ड हेल्प लाइन ने बच्चों को दूध व दवाईया भी उपलब्ध कराई है।

गर्भवती महिलाओं को अपातकालीन स्थिति में हॉस्पिटल में भर्ती करवाने का कार्य भी इस लॉकडाउन में किया। गुमशुदा बच्चों को सेल्टर दिलाया है और उनके परिवार को तलाश भी कराया गया है। टीम ने सेल्टर होम के बच्चों व समुदाय में सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में भी जागरूक किया है। इस कोरोना महामारी में टीम ने मदद लेकर 840 परिवारों को राशन किट वितरित की है।

समसामयिक वेबिनार का किया आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जब पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी के साये में जी रही है, मानव जीवन एक कमरे तक सीमित हो कर रह गया है, जीवन का प्रत्येक अंग नए रास्ते तलाश रहा है, तब डीएवी शताब्दी महाविद्यालय, फरीदाबाद शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नए आयाम देने में जुटा है। इस कड़ी में महाविद्यालय की पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने 'मनोरंजन उद्योग पर कोविड-19 का प्रभाव' विषय पर समसामयिक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतीश आहूजा ने 'लॉकडाउन लर्निंग' का मूल मंत्र दोहराते हुए विद्यार्थियों के मानसिक तनाव को कम करने में इस प्रकार के प्रयास की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि कोविड-19 जैसे अनदेखा और अनजाना विषाणु मानव की उत्कट जीजीविषा को रौंद नहीं सकता है। समारोह के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता टीवी इंडस्ट्री और बॉलीवुड की मशहूर शख्सीयत संगम रॉय ने पत्रकारिता के साथ-साथ एक्टिंग कौशल, वॉयस ओवर जैसे क्षेत्रों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। संगम रॉय ने विद्यार्थियों को बताया की किस तरह से इन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं और साथ ही उन्होंने इन क्षेत्रों में होने वाली चुनौतियों की भी बात की।

उन्होंने 'जय जग जननी मां दुर्गा' (कलर्स), 'विंध्यवासिनी (बिग मैजिक), 'आखिर बहू भी तो बेटी ही है (सहारा वन), 'फ्रेंड्स कंडीशंस अप्लाई' (चैनल), 'संकट मोचन महाबली हनुमान' (सोनी) और एबीपी न्यूज के स्पेशल शो आरसीआर में यंग नरेंद्र मोदी की भूमिका निभाकर भी खूब वाहवाही लूटी थी। संगम जल्द स्टार प्लस के अपकमिंग शो विद्रोही और अपकमिंग फिल्म पिंकी ब्यूटी पार्लर में नजर आएंगे। पत्रकारिता विभाग की संयोजिका डॉ. सुनीति आहूजा ने कहा कि आज की विषम परिस्थिति में पत्रकारिता के विद्यार्थियों को नई रुझानों, नई चुनौतियों से अवगत कराना बेहद जरूरी है। इस संकट की घड़ी में टीवी इंडस्ट्री, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री, बॉलीवुड के क्षेत्रों में कोविड-19 की वजह से जो बदलाव आए हैं, जिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है इस वेबिनार के माध्यम से हमने विद्यार्थियों को अवगत कराया। विभागाध्यक्ष रचना कसाना ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि लॉकडाउन को देखते हुए उन्होंने ऑनलाइन वेबिनार आयोजित कराया जिससे कि विद्यार्थी घर बैठे भी अपने कौशल बढ़ा सकें और खुद को कॉलेज के साथ कनेक्ट और अध्ययन जारी रख सकें। विभागाध्यक्ष रचना कसाना ने वेबिनार में भाग लेने के लिए संगम रॉय, प्राचार्य डॉ. सतीश आहूजा, डॉ. सुनीति आहूजा, आनन्द सिंह, सरोज कुमार, प्रमोद, सहायक प्रोफेसर शिवम झाम्ब (अंग्रेजी), मेघा, ममता कुमारी (हिन्दी) और छात्रों को धन्यवाद दिया।

16 मई से प्रदेशभर में शुरू करेंगे बेमियादी आंदोलन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी के खिलाफ जंग में समय पर वेतन नहीं मिलने के बावजूद भी ग्रामीण सफाई कर्मचारी अपनी जान को जोखिम में डालकर समाज को इस महामारी से बचाने के कार्य में जुटे हुए हैं। इतना महत्वपूर्ण कार्य कर्मचारी बगैर उचित सुरक्षा उपकरण के अभाव में करते हैं जबकि सरकार के साथ समान काम-समान वेतन के अलावा अनेक मांगों पर सहमति बनने के बाद भी चार हजार रुपये जोखिम भत्ता और 50 लाख रुपए का बीमा देने का फैसला लिया गया था। लेकिन सरकार इसका पत्र जारी नहीं किया। यह जानकारी यूनियन के राज्य प्रधान देवी राम, महासचिव विनोद कुमार एवं फरीदाबाद जिला सीटू के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल, और धरम वीर वैष्णो ने संयुक्त रूप से जारी एक बयान में दी। यूनियन के राज्य प्रधान देवी राम ने कहा कि मई के 15 दिन बीत चुके हैं। लेकिन अप्रैल माह का वेतन भुगतान नहीं किया गया है। जब इस बकाया वेतन को लेकर कर्मचारी अधिकारियों से बात करते हैं तो अधिकारी चंडीगढ़ वित्त विभाग से मंजूरी न मिलने की बात कहकर टालमटोल नीति अपनाते हैं। पूरे हरियाणा में वर्दी भत्ता बकाया पड़ा है। अनेकों जिलों में कर्मचारियों के कई हजार रुपये का एरियर के बकाया पड़ा हुआ है। इन सभी बकाया के भुगतान की बात करते हैं, तो अधिकारी बोल रहे हैं इसको भूल जाओ, जिससे ऐसा लगता है।

आर्थिक पैकेज

गतिरोध दूर करने का प्रयास

किसी घोषणा के विस्तृत विवरण महत्वपूर्ण होते हैं। प्रधानमंत्री ने नागरिकों को संबोधित करते हुए अर्थव्यवस्था को गति देने तथा आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए 20 लाख करोड़ के आर्थिक स्टीमुलस पैकेज की घोषणा की थी क्योंकि 17 मई के बाद अनिश्चित काल तक लाकडाउन-4 लागू होगा। यदि भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी का 10 प्रतिशत अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने के लिए खर्च करे तो भी अनेक सवालों के जवाब जरूरी होंगे। सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या अर्थव्यवस्था इससे उबरेगी? अनेक टिप्पणीकारों ने तर्क दिया है कि सरकार को ज्यादा पैसा 'छापना' चाहिए। निश्चित रूप से इसके कुछ खतरे हैं, जैसा कि मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा है, 'कोई मुफ्त भोजन नहीं होता है।' हालांकि, वर्तमान समय में जनता किसी प्रकार के भी भोजन के लिए कठोर संघर्ष कर रही है, भले ही बाद में इसका भारी भुगतान करना पड़े। भारत को ज्यादा सरकारी बांड जारी कर तथा उनको सार्वजनिक कर अपनी बैलेंसशीट का विस्तार करना चाहिए। जिन लोगों ने विदेशों में पैसा लगा रखा है उनको अपना पैसा कम या बिना जुर्माने के भारत लाने तथा सरकारी बांडों में 10 या 20 साल के लिए लगाने की अनुमति दी जा सकती है। सरकार इससे अरबों रुपये एकत्र कर सकती है।

इसलिए वित्त मंत्री द्वारा घोषित विस्तृत विवरणों का स्वागत होना चाहिए। मझोले व लघु उद्योगों को पुन: परिभाषित करने तथा उनको दी गई राहत भारी सकारात्मक कदम है। चाहे यह बिना बंधक कर्जों की निरंतरता हो, कर्मचारी प्रावीडेंट फंड में राहत, गैर-बैंकिंग वित्त निगमों को

समर्थन, वित्त मंत्रालय की घोषणाओं में अनेक स्टीमुलस हैं। लेकिन सरकार द्वारा सीधे खर्च करने के ज्यादा संकेत नहीं हैं, हालांकि स्रोत पर कर कटौती घटाने से कुछ कर राजस्व छोड़ा गया है। इससे कंपनियों व लोगों के पास बड़ी मात्रा में खर्च के लिए पैसा बचेगा। यह बहुत सकारात्मक कदम है और इससे वर्ष की दूसरी छमाही में उपभोक्ता कुछ खर्च के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं। टैक्स भुगतान के लिए ज्यादा समय तथा ज्यादा टैक्स रिफंड भी स्वागत योग्य हैं। लेकिन यह सरकार द्वारा कोरोनावायरस महामारी से मुकाबला करने में सरकार के आर्थिक पैकेज का पहला चरण है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में और घोषणायें की जाएंगी तथा अगले कुछ दिनों में वे अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर ध्यान देंगी। तथ्य यह है कि लगभग सभी उद्योग सरकार से कुछ न कुछ खैरात की उम्मीद कर रहे हैं। इसलिए सरकार को छोटे उद्योगों के साथ बड़े उद्योगों की भी सहायता करनी चाहिए। तथ्य यह है कि सरकार को सभी उद्योगों में रोजगार बचाए रखने पर ध्यान देना होगा। उसे रोजगार सृजन की दिशा में भी काम करना होगा क्योंकि भारत में हर साल 10 मिलियन नौजवान रोजगार के लिए मैदान में आ जाते हैं। क्या वर्तमान कोरोनावायरस संकट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक वैसा ही अवसर देखेंगे जैसा पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने 1991 में देखा था? श्रम, औद्योगिक कानूनों तथा टैक्स संबंधी कानूनों में भी व्यापक सुधार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। लेकिन क्या सरकार इन सुधारों की दिशा में आगे बढ़ेगी? इसके बारे में अभी कुछ निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अब तक की गई घोषणायें सकारात्मक हैं। लेकिन इसके बाद भी हमें बाकी विस्तृत विवरणों की प्रतीक्षा रहेगी। यह देखने के लिए थोड़ी प्रतीक्षा करनी होगी कि बैंक, कर अधिकारी तथा सरकार और कैसे निर्णय लेते हैं। जीडीपी के 10 प्रतिशत खर्च का देश की आर्थिक प्रगति पर नाटकीय प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में प्रधानमंत्री के बड़े स्टीमुलस पैकेज की प्रभावक्षमता का आंकलन आंकड़ों के बजाय आने वाले समय में विस्तृत विवरणों के आधार पर होगा।

नेपाल के साथ सीमा समाधान जरूरी

भारत और नेपाल ने कोरोना वैश्विक महामारी से निपटने में सक्षम सहयोगी व्यवस्था का विकास किया है। अब उनको शांतिपूर्ण राजनयिक तरीकों से सीमा संबंधी मुद्दों का समाधान भी करना चाहिए।

ऋषि गुप्ता
लेखक जेएनयू में शोधार्थी हैं

वर्तमान कोविड-19 संकट के समय भारत-नेपाल संबंध भी एक कठिन चरण में प्रवेश कर रहे हैं और दोनों के बीच हल्का राजनयिक विवाद अब तेज हो गया है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 मई को उत्तराखंड में पिथौरागढ़ के धारचूला में लिपुलेख दर्रे को जोड़ने वाली सड़क का उद्घाटन किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर गो बैक इंडिया व बैक ऑफ इंडिया जैसे हैशटैगों की बाढ़ आ गई तथा नेपाल ने लिपुलेख क्षेत्र पर अपना दावा दुहराया। सीमा सड़क संगठन द्वारा तैयार की गई 80 किलोमीटर लंबी सड़क का उद्देश्य यात्रियों द्वारा कैलाश-मानसरोवर यात्रा में लगने वाले समय में लगभग 80 प्रतिशत कमी करना है। नव-निर्मित सड़क घटियाबगढ़ से शुरू होकर लिपुलेख दर्रे तक पहुंचती है जो तिब्बत में कैलाश मानसरोवर का प्रवेश द्वार है। पहले भारतीय यात्रियों को भारतीय राज्य सिक्किम या नेपाल होकर यहां पहुंचने के लिए ऊंचे दुर्गम पहाड़ों में यात्रा करनी पड़ती थी। लिंक रोड के उद्घाटन से यात्रा में कई दिनों की कमी आएगी तथा वाहनों का प्रयोग हो सकेगा। यह बीआरओ की इंजीनियरिंग उपलब्धि है क्योंकि 80 किलोमीटर की यह सड़क 6,000 से 17,060 फीट ऊंचाई पर है।

सड़क उद्घाटन के 24 घंटे के भीतर काठमांडू ने भारतीय राजदूत को बुला कर उद्घाटन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। देश की सत्तारूढ नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-नेकपा ने बयान जारी कर कहा कि सड़क निर्माण 'नेपाली संप्रभुता का उल्लंघन करती है। हमें नेपाल के लिपुलेख क्षेत्र से होकर भारत द्वारा लिंग रोड के उद्घाटन पर ध्यान देना चाहिए।' इस बयान पर नेकपा अध्यक्ष व नेपाली प्रधानमंत्री खड्ग प्रसाद शर्मा ओली के हस्ताक्षर थे।

कठोर भाषा का प्रयोग करते हुए इसमें कहा गया था, 'इस घटनाक्रम को देखते हुए नेपाल सरकार भारत सरकार से अनुरोध करती है कि वह नेपाली क्षेत्र के भीतर किसी प्रकार की गतिविधि से दूर रहे।' भारतीय पक्ष ने भी नेपाली सरोकारों को खारिज करते हुए कहा कि विवादित क्षेत्र 'पूरी तरह भारतीय क्षेत्र में आता है।' विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हाल ही में उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ क्षेत्र में उद्घाटित सड़क पूरी तरह भारतीय क्षेत्र में है। यह सड़क पूर्व-अस्तित्व वाले रास्ते पर है जिसका प्रयोग यात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए करते थे। विदेश मंत्रालय का बयान नवंबर, 2019 में दिए बयान की तर्ज पर है। उस समय भारत ने कालापानी के भारतीय क्षेत्र पर नेपाली दावे को खारिज कर दिया था, जबकि नेपाल ने भारत पर इस क्षेत्र में घुसपैठ का आरोप लगाया था।

वास्तव में दोनों देशों के बीच 2015 में संबंधों में तनाव आ गया था जब भारत ने नेपाल के नए घोषित संविधान का विरोध किया था। इसके बाद आर्थिक नाकेबंदी जैसी घटना हो गई। पिछले 6 महीने से सीमा पर तनाव बढ़ गया है। जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्य को विशेषाधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 की समाप्ति तथा जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कानून, 2019 की घोषणा के बाद ऐसा हुआ जिससे 31 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर व लद्दाख केन्द्रशासित क्षेत्रों का जन्म हुआ है। भारत द्वारा जारी नए मानचित्र की काठमांडू ने आलोचना की जिसमें लिपुलेख को कालापानी सीमान्त क्षेत्र का हिस्सा बताया गया था। हालांकि भारतीय मानचित्र पर आपत्ति के बावजूद काठमांडू के दावों में कोई नयापन नहीं था। मानचित्र में केवल भीतरी सीमाओं को अद्यतन बनाया गया था तथा भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। बाद में यह तथ्य भी उजागर हुआ था कि पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारियों ने कुछ नेपाली राजनेताओं से मुलाकात कर उनको नेपाल के कुछ भागों में भारत-विरोधी प्रदर्शन कराने के लिए पैसे भी दिए थे।

नेपाल ने इन क्षेत्रों पर दावे के लिए बार-बार सुगौली संधि का संदर्भ वैध दस्तावेज के रूप में दिया है। आश्चर्यजनक रूप से नेपाली पुरातत्व सर्वेक्षण तथा नेपाली विदेश मंत्रालय संधि की मूल प्रति नहीं पेश कर सके हैं। इस दस्तावेज में भी तत्कालीन ब्रिटिश भारत सरकार तथा नेपाल के राजा के बीच सीमाओं के किसी स्पष्ट निर्धारण पर सहमति नहीं दिखती है। केवल आधुनिक सीमा-प्रबंधन कार्य द्वारा ही दोनों देश खुली सीमा का सीमांकन कर सकते हैं। 1981 में सीमा मुद्दे सुलझाने के लिए गठित प्रमुख तकनीकी समिति ने ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम-जीपीएस के माध्यम से 180 मानचित्र हिस्सों तथा 78 बिंदुओं में से 76 की पुष्टि की थी। वास्तव में 2007 में अधिकांश मुद्दों की पहचान कर उनका समाधान हो गया था। आधिकारिक रूप से भारत ने कहा था कि '98 प्रतिशत सीमा के मानचित्र हिस्सों पर सहमति कर इन पर 2007 में हस्ताक्षर किए गए थे।'

इसके साथ ही 2016 में दोनों देशों की सरकारों ने भारत-नेपाल संबंधों पर प्रख्यात लोगों के समूह-ईपीजी का गठन किया था। इसे तत्कालीन संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए नए उपायों व संस्थागत ढांचा बनाने के बारे में सुझाव देने को कहा गया था। इस समूह ने अपना काम पूरा कर एक सहमति रिपोर्ट तैयार की थी, लेकिन उसे अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। नेपाल ने भारत से इस बात पर सहमति प्रकट की थी कि सार्वजनिक किए जाने के पहले ईपीजी रिपोर्ट के तकनीकी बिंदुओं पर काम होना चाहिए, लेकिन नेपाल सरकार ने इस बारे में अपनी जनता से कुछ नहीं कहा जिससे भ्रम पैदा हो रहा है।

नेपाल में आम लोगों का विश्वास है कि भारत ने एकपक्षीय निर्णय लेकर ईपीजी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की है। इस बीच नेपाल में भारत-विरोधी भावनाओं को देखते हुए हमेशा भारत की छवि खराब की जाती है। इससे भले ही नेपाली सत्ता की राजनीतिक महत्वाकांक्षायें पूरी होती हों, पर यह बुद्धिमतापूर्ण काम नहीं है।

पिछले 10 साल से चीन नेपाल के साथ कृत्रिम रूप से जनता के बीच संबंध बनाने का प्रयास कर रहा है, पर वह भयानक रूप से विफल हुआ है। दूसरी ओर उसने भारत के साथ नेपाली जनता के स्वाभाविक संबंध समाप्त करने का प्रयास भी किया है। दीर्घकालीन रूप से नेपाल इस नुकसान को समझेगा। नेपाल सरकार भारत के साथ अच्छे राजनयिक संबंधों से बंधी है जिसमें सीमा विवाद भी शामिल है। उसने यह भी कहा है कि नेपाल 'भारत के साथ किसी मतभेद के समाधान हेतु राजनय का पहला व अंतिम माध्यम मानता है।' इस स्थिति को देखते हुए उसे भारत द्वारा किसी सड़क के उद्घाटन का स्वागत करना चाहिए। 80 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण कोई गोपनीय गतिविधि नहीं है, न ही यह रातोंरात पूरा हुआ है। ऐसे में खुली सीमा वाला पड़ोसी सब कुछ जानता था। सड़क निर्माण पूरी तरह भारत का संप्रभु अधिकार है और नेपाल जैसे मित्र देश को यह समझना चाहिए। भले ही नेपाल का अधिकार एक आधिकारिक बयान के माध्यम से सड़क उद्घाटन का विरोध हो सकता है, लेकिन कठोर भाषा का प्रयोग नेपाल व भारत के बीच वर्तमान 'विशेष संबंधों' के अनुरूप नहीं है। इसके साथ ही सत्तारूढ़ नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-नेकपा द्वारा बयान में प्रयोग शब्दावली से उन निहित स्वार्थी तत्वों की असलियत उजागर होती है जो अपने देश में राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं।

भारत-नेपाल संबंध दोनों देशों की जनता के बीच शताब्दियों पुराने संबंधों का नतीजा हैं जिसमें रिश्तेदारी व संस्कृति शामिल हैं। वे कृत्रिम रूप से निर्मित नहीं हैं न ही अविश्वास व आरोप-प्रत्यारोप पर आधारित हैं। इसलिए संबंधों का सम्मान होना चाहिए। मतभेद की स्थिति में एक नजदीकी संबंधों वाले परिवार की तरह उनका समाधान राजनयिक व्यवस्था द्वारा इस सावधानी के साथ होना चाहिए कि राजनय भी दोनों देशों के बीच 'विशेष संबंधों' की जनसंख्या संरचना में बाधा नहीं बन सकती है। नेपाल में एक दशक चले लंबे युद्ध ने शताब्दियों पुराने शाह राजाओं के स्वेच्छाचारी शासन को उखाड़ फेंका और वहां लोकतंत्र की स्थापना हुई। इसलिए लोकतंत्र के रूप में नेपाल के पास दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ संबंध बनाने का सबसे अच्छा मौका है। उसे संबंध सुधारने के लिए लोकतांत्रिक उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए। उसे सबसे बुरे टकरावों की स्थिति में भी राजनयिक दृष्टिकोण पर आलोचनात्मक नजर डालनी चाहिए। विभिन्न देश अंतत: राजनयिक माध्यमों से सुलह-समझौते की प्रक्रिया पर आगे बढ़ते हैं। आज सभी देश कोविड-19 चुनौती का सामना कर रहे हैं। भारत व नेपाल ने इससे सफलतापूर्वक निपटने के लिए सहयोगी व्यवस्था बनाई है। सीमा विवाद का समाधान निकालने के लिए भी इसी तरीके की जरूरत है।

संभव है कोरोनावायरस पर नियंत्रण

> **"आरएनए आधारित वायरस आमतौर पर उत्परिवर्तन के उपरांत कमजोर प्रतिरूपों में रूपांतरित होते हैं जिससे उन पर नियंत्रण करना आसान हो जाता है।"**

कोटा श्रीराज
(लेखक पर्यावरण पत्रकार हैं)

सही ठहराने योग्य आशंकाओं के बीच कोविड-19 को लेकर वैज्ञानिक बहस दुनियाभर में काफी तीव्र होती जा रही है। यह सामान्य ज्ञान का विषय है कि प्रत्येक वायरस उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) की प्रक्रिया से गुजरता है क्योंकि यह विषाणु के जीवन चक्र का हिस्सा है। मगर कोरोनावायरस के उत्परिवर्तन से संबंधित अनिश्चितताओं के चलते वैज्ञानिक शोध समुदाय काफी व्यस्त है क्योंकि इस वायरस ने दुनियाभर में अब तक 43,68,613 लोगों को संक्रमित किया है तथा इसके प्रकोप की शुरुआत से अब तक यह पूर्व में इसके प्रति अज्ञान जगत में 2,39,782 लोगों की मौत का कारण बन चुका है। भारत में भी, संक्रमित मामलों की संख्या 75,048 तक पहुंच गई है और 2,440 लोगों की मौत हो चुकी है। क्योंकि वैज्ञानिक अभी तक वायरस पर नियंत्रण में सक्षम कोई टीका अथवा दवा की खोज नहीं कर पाए हैं, ऐसे में इस वायरस को लेकर लोगों का चिंतित एवं अचम्भित होना स्वाभाविक है। मगर लोगों के लिए उत्परिवर्तन की प्रक्रिया के बारे में जागरूक होना एवं सरल शब्दों में उसे समझना समान रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, जिससे कि अनावश्यक व्यग्रता व चिंता व्याप्त न रहे।

नोवल कोरोनावायरस एक रिबोन्यूक्लिक एसिड अथवा आरएनए वायरस है, जिसकी आनुवंशिक सूचना डीआक्सीरिबोन्यूक्लिक एसिड अथवा डीएनए की तुलना में आरएनए के रूप में संग्रहीत होती है। विशिष्ट रूप से कोविड-19 के मामले में आनुवंशिक पदार्थ एक प्रोटीन शेल के भीतर छुपा होता है। डीएनए आधारित विषाणुओं की तुलना में, आरएनए विषाणुओं में उत्परिवर्तन अधिक होता है। इस तथ्य को देखते हुए, हम कोरोनावयरस के प्रतिरूपों में बदलाव अथवा उत्परिवर्तन देखने को बाध्य हो जाते हैं। हालांकि, वायरस में होने वाले ये बदलाव हो सकता है कि गंभीर प्रकृति के न हों एवं बहुत धीमी गति से होते हैं, जिससे शोधकर्ता समुदाय को वैक्सीन पर काम करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है, जबकि प्रशासन के विभाग अंकुश लगाने संबंधी प्रयासों पर काम कर रहे होते हैं।

कोरोनावायरस धीमी गति से बदल रहा अथवा उत्परिवर्तित हो रहा है लेकिन येल मेडिसिन के एक पैथोलॉजी विभाग में कोविड-19 प्रतिरोधक टीका तैयार करने में लगे शोधकर्ता वैज्ञानिकों के अनुसार, वायरस जो वर्तमान समय में अमेरिका व दुनिया के अन्य हिस्सों में घूम रहा है वह पिछले वर्ष चीन में फैलने के दौरान पहचाने गए मूल रूप से ज्यादा भिन्न प्रकृति का नहीं है।

समय-समय पर कोरोनावायरस के बदलते प्रोफाइल को पहचानने के लिए किए जा रहे तीव्र अध्ययन दुनिया में व्याप्त अनुमानों तथा अपुष्ट अवधारणाओं को खारिज करने में मददगार साबित हो रहे हैं। लेकिन यह भी अनिवार्य है कि जो शोध अनुमत होने के पश्चात प्रकाशित किए जा रहे हैं उनका चिकित्सा संस्थाओं एवं वास्तविक रोगी दस्तावेजों के साथ वास्तविक सहयोगी पुनरावलोकनों एवं व्यावहारिक आंकड़ों के द्वारा पुन: परीक्षण किया जाए। उदाहरण के लिए, अमेरिका स्थित लॉस एल्मोस राष्ट्रीय प्रयोगशाला में किए गए अध्ययन से जाहिर हुआ है कि कोविड-19 में परिवर्तन हुआ है और इस प्रक्रिया में, वह अधिक संक्रामक हो गया है। ये निष्कर्ष अंतत: बायोरिक्सिव प्रकाशन में छापे गए हैं। हालांकि, इन निष्कर्षों का पुनरीक्षण किया जाना आवश्यक है जिससे कि वे न तो नकारात्मक जनमत पैदा करें, न ही आम जन के बीच घबड़ाहट का कारण बने, खासकर चिकित्सा जगत में।

कोविड-19 के उत्परिवर्तन के विषय पर गहन शोध का मानव प्रजाति के लिए अत्यधिक महत्व है। यह एक सुस्थापित तथ्य है कि आरएनए आधारित वायरस आमतौर पर उत्परिवर्तन के उपरांत कमजोर प्रतिरूपों में रूपांतरित होते हैं जिससे उन पर नियंत्रण करना आसान हो जाता है। मगर आमजन को इस बाबत पर्याप्त जानकारी नहीं मिल पाती है। वैज्ञानिक समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह दुनिया में व्याप्त इस महामारी के इस उम्मीद जगाने वाले पहलू को जाहिर करे, जिससे कि जनता का विश्वास बहाल कर उसे कायम रखा जा सके। इसकी प्रबल आवश्यकता है क्योंकि कोविड-19 के लिए प्रतिरोधक टीका अभी विकसित नही हो पाया है।

टीके पर शोध की बात करें, तो यह समझना उचित होगा कि धीमी गति से उत्परिवर्तित होने वाला वायरस वैक्सीन की प्रभावोत्पादकता पर कोई असर नहीं डालेगा, क्योंकि उनका विकास वायरस के मूल स्वरूप को ध्यान में रखकर किया जाता है। और चूंकि वायरस का उत्परिवर्तित स्वरूप मूल स्वरूप से ज्यादा अलग नहीं होता, तो वैक्सीन का प्रभाव बना रहता है। दूसरी ओर, यह भी महत्वपूर्ण है कि इन वैक्सीनों की प्रभावोत्पादकता दीर्घकालीन एवं व्यापक दायरे वाली हो जिससे कि वे वायरस के ज्ञात उत्परिवर्तित स्वरूप के विरुद्ध दमदार प्रतिरोधक क्षमता प्रदान कर सकें।

लाकडाउन, सामाजिक दूरी बनाकर चलना लोगों को बचाने के श्रेष्ठ अस्थायी तरीके हैं। पिछले 50 दिनों के दौरान भारत में इन तरीकों के अपनाए जाने से यह सिद्ध हुआ है। किसी वायरस पर काबू पाने के लिए असली हथियार है किसी देश की वैज्ञानिक शोध क्षमताएं। यहां पर भारत के पास कोविड-19 के उत्परिवर्तन अनुक्रम को समझने एवं ऐसी टीका विकसित करने का वास्तविक अवसर है जो मनुष्य को कोविड-19 के वर्तमान एवं भावी प्रकोप से बचाने में सक्षम हो। इसके लिए, वायरस के प्रतिरूपों में होने वाले बदलावों के वक्र को समझना और उसका शोध प्रयासों से मेल बिठाना अनिवार्य है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत सरकार को एक समन्वित छतरी के अंतर्गत टीका विकसित करने हेतु शोध प्रयासों पर भरोसा करना होगा जिससे कि सभी संबंधित विभाग, संस्थाएं एवं संबंधित व्यक्ति संगठित रूप से होने वाली विकासीय प्रघटनाओं की जानकारी से परिपूर्ण रहें।

सटीक एवं विश्वसनीय ज्ञान कोरोनावायरस के उत्परिवर्तन के बारे में आम आदमी की जिम्मेदारी पर, व्याधि वक्र पर इसके प्रभाव एवं टीके का विकास अज्ञानता एवं घबराहट से लड़ने में अहम भूमिका अदा करते हैं। जानकारी एवं ज्ञान आधारित जागरूकता में निश्चित रूप से वक्र को सपाट करने की शक्ति निहित होती है।

आप की बात

श्रमिकों का दर्द

वैश्विक महामारी कोरोना ने देश को गहरे संकट में डाल दिया है। देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई हैं। सबसे ज्यादा उद्योग जगत प्रभावित हुआ है। दिल्ली ,मुंबई और गुजरात में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बहुतायत है। इन जगहों में रहने वाले मजदूर अपने घरों की ओर जाने के लिए पलायन कर रहे हैं। यह मजदूर अधिक रुपए देकर गाड़ी बुक करके और कुछ अपने साधनों से जैसे ऑटो, ट्रक, लोडर, मोटरसाइकिल ,साइकिल के जरिए अपने गंतव्य स्थानों के लिए पलायन कर रहे हैं मजदूरों के लिए यह कोरोना संकट काल बड़ी परेशानी का सबब बन गया है। रोज के कमाने खाने वाले मजदूरों के सामने संकट की स्थिति हो गई है। प्रधानमंत्री ने 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज का ऐलान किया है। लेकिन उन मजदूरों को क्या होगा जो पैदल ही अपने अपने घरों की ओर लौट रहे हैं। कुछ ऐसे हैं जो अन्य संसाधनों से घरों की ओर जा रहे हैं मगर समस्या यह है कि मजदूरों का पैदल चलना खत्म नहीं हुआ है इनके लिए कोई भी किसी भी प्रकार की कोई भी सहायता नहीं की जा रही है। सरकार ने जो ट्रेनें भी चलाई हैं वह भी सभी ऐसी हैं और उनमें बिना बुकिंग के कोई भी व्यक्ति अपने गंतव्य स्थान की ओर नहीं जा सकता है।

– **योगेंद्र गौतम,** उन्नाव

जनसंख्या नियंत्रण अनिवार्य

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक इंटरव्यू में कहा है कि भारत जैसे बड़े और घनी आबादी वाले देश को विशेष रूप से जनसंख्या नियंत्रण के विषय पर सुविचारित कदम उठाने होंगे, अन्यथा हमारे देश में ऐसी आपदाओं के भयंकर परिणाम हो सकते हैं। पिछले कई वर्षों से चिंतकों द्वारा बेहताशा बढ़ती जनसंख्या पर प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण कानून की आवाज उठाई जा रही हैं। लेकिन सत्ता के मोह व वोट के लालच के चलते ठोस नीति व कानून का अभाव पिछले कई सालों से बना आ रहा है। लॉकडाउन के चलते हमने देश के कोने कोने में गरीबी, भुखमरी, लाचारी की तस्वीरें देखी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारी भी सुरसा के मुंह की भांति है। संसाधन एक अनार सौ बीमार की कहावत साबित करने वाले हैं। लॉक डाउन के दौरान गरीबी का जो मंजर देखा, वाकई में राष्ट्रपति जी के विचारों की पुष्टि करता है। अब तो सरकार को व सभी विपक्षियों को इस मुद्दे पर एकमत होकर सुविचारित जनसंख्या नियंत्रण का कानून बनाना चाहिए ताकि ऐसी आपदाओं में भी हम उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग कर सकें व महामारियों का सामना कर सकें। अन्यथा, बढ़ती आबादी के भयावह परिणाम हम सब को भोगने होंगे।

– **हेमा हरि उपाध्याय,** उज्जैन

कृपया ध्यान दें!

लॉकडाउन 4.0 का मतलब जीवन और जीविका दोनों का साथ साथ चलना। जीविका को अनंतकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता और जीवन को हर कदम पर दांव पर नहीं लगाया जा सकता, इसलिए कोरोना युग में जीविका और जीवन दोनों को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। जीविका कुछ हद तक एक निजी विषय हो सकता है मगर कोरोना के इस दौर में सुरक्षित जीवन पूर्णरूप से एक सामाजिक विषय है। अक्सर हम अधिकारों की बातें करते और कर्तव्य का निर्वहन नहीं करते। जीविका हमारा अधिकार है और सुरक्षित जीवन एक सामाजिक कर्तव्य और इसलिए ये हमारा दायित्व है की हम अपनी जीविका चलते हुए पूरी ईमानदारी से अपने और दूसरों के जीवन को सुरक्षित बनाने वाले तरीके अपनाएं। तरीके हम सब को पता हैं बस ज़रुरत है दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प की। जो संयम अब तक दिखाया है उसे अब जीने का तरीका बनाना होगा, बस यही सफलता की कुंजी है।

– **बृजेश माथुर,** गाजियाबाद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

सरकार ने पहले भी आर्थिक पैकेज घोषित किए हैं मगर धरातल पर कुछ नहीं हुआ। उम्मीद है सरकार इस बार गंभीर होगी।

– **शरद यादव**
लोजद नेता

देश के लोगों को यथासंभव देश में बने उत्पाद इस्तेमाल करने चाहिए तथा अन्यों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह पीछे रहने का नहीं संकट को अवसर में बदलने का समय है।

–**अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

न केवल महामारी को संबोधित करने बल्कि उससे निजात पाने के लिए भी धार्मिक नेता अपने समुदायों में व उनसे परे अहम भूमिका अदा कर सकते हैं।

– **एंटोनियो गुटरेस**
संयुक्त राष्ट्र महासचिव

कोरोना की टेस्टिंग क्षमता बढ़ाकर दोगुना करें

● अभी तक प्रतिदिन हो रही हैं पांच हजार जांचें

● कोई भी प्रवासी कामगार पैदल, दोपहिया वाहन सहित अन्य असुरक्षित साधन से यात्रा न करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना पर काबू पाने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जांच क्षमता को बढ़ाकर दो गुना करने के निर्देश दिये हैं। अभी हर दिन करीब पांच हजार जांचें हो रही हैं जिसे इस सप्ताह के अंत तक दस हजार जांचें प्रतिदिन करने को सीएम ने कहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहना चाहिए। हर परिवार को जरूरत के अनुरूप खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर लाकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्वारंटीन सेन्टर में प्रवासी कामगारों के अच्छी तरह से रहने के लिए सभी आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि क्वारंटीन सेन्टर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो। प्रवासी कामगारों व श्रमिकों को शुद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगारों की सुरक्षित एवं सम्मानजनक ढंग से वापसी कराई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी प्रवासी कामगार पैदल, दोपहिया वाहन आदि किसी भी असुरक्षित साधन से यात्रा न करें। इन्हें बस, ट्रेन जैसे सुरक्षित साधनों से पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

योगी ने कहा कि गृह जनपद में क्वारंटीन सेन्टर पर प्रवासी कामगार की थर्मल स्क्रीनिंग की जाए। कोरोना की दृष्टि से संदिग्ध प्रवासी कामगार की पूल टेस्टिंग के माध्यम से मेडिकल जांच की जाए। जो बिल्कुल स्वस्थ हों, उन्हें राशन किट उपलब्ध कराते हुए होम क्वारंटीन के लिए सुरक्षित घर पहुंचाया जाए। होम क्वारंटीन के दौरान उन्हें 1000 रुपए का भरण पोषण भत्ता भी उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लोग मास्क लगाकर ही बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि लाकडाउन के दौरान सप्लाई चेन के सुचारू संचालन से लोगों को आवश्यक सामग्री सुगमतापूर्वक प्राप्त हो रही हैं। सुनिश्चित किया जाए कि यह व्यवस्था इसी प्रकार प्रभावी ढंग से जारी रहे।

उन्होंने कहा कि सभी जनपदों में पर्याप्त संख्या में थर्मल स्कैनर अल्ट्रेड थर्मामीटर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी वेन्टीलेटरों को क्रियाशील रखा जाए। अधिक से अधिक चिकित्सा कर्मियों को वेन्टीलेटर संचालन की ट्रेनिंग दी जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के प्रोटोकाल के अनुरूप इमरजेंसी मेडिकल सेवाओं का संचालन कराया जाए। इसके लिए जरूरी है कि नर्सिंग होम व निजी अस्पतालों सहित सभी चिकित्सालयों में पीपीई किटए एन.95 मास्क तथा सेनिटाइजर की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी 75 जनपदों में सम्बन्धित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के लिए नामित किए गए आईएएस अधिकारी तथा वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी द्वारा क्वारंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन की साफ-सफाई एवं सुरक्षा प्रबन्धों का निरन्तर अनुश्रवण करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाए। होम क्वारंटीन में रहने वाले प्रवासी कामगार की निगरानी के लिए निगरानी समितियों के सर्विलांस कार्य को सुदृढ़ किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए अचार, पापड़ आदि की कम्युनिटी किचन में आपूर्ति की जाए। इससे समूहों के उत्पाद की सुनिश्चित बिक्री को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए मास्क और अंगौछे आवश्यक हैं। वर्तमान समय में इनकी मांग भी अधिक है। इसके दृष्टिगत महिला स्वयं सहायता समूहों को मास्क तथा अंगौछा तैयार करने के कार्यों से जोड़ते हुए समूहों की आय में वृद्धि की जा सकती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास पर सैनिक कल्याण, होमगार्ड मंत्री चेतन चौहान ने मुख्य मंत्री राहत कोष में 46 लाख 60 हजार का चेक भेंट किया।

फेस मास्क न लगाने पर मौके पर ही लगेगा जुर्माना

पायनियर समाचार। लखनऊ

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि कोरोना वायरस के दृष्टिगत प्रदेश में मास्क एवं फेस कवर अनिवार्य कर दिया गया है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फेस मास्क और फेस कवर का प्रयोग करने के संबंध में सख्त निर्देश दिया है। सीएम योगी ने गृह विभाग व पुलिस विभाग को फेस मास्क नहीं लगाने वालों के खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश दिया है। फेस कवर नहीं करने व फेस मास्क नहीं लगाने वाले लोगों का मौके पर ही फाइन किया जाएगा।

ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को दिया जाए कामः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम सहित अन्य निर्माण कार्यों में तेजी आई है और ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को काम दिए जाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह नियमानुसार अनुमति लेकर अधिक से अधिक कार्य शुरू करें तथा ज्यादा से ज्यादा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराएं । उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि कोविड.19 के दृष्टिगत निर्धारित मानकों व गाइडलाइन का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

मौर्य ने बताया कि लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम द्वारा 1300 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, जिसमें 20004 श्रमिक कार्य कर रहे हैं। इन कार्यों में लोक निर्माण विभाग के 1013 कार्य हैं ,जिन पर 12819 श्रमिक लगे हुए हैं। सेतु निगम की 88 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है जिनमें 1896 श्रमिक कार्य कर रहे हैं तथा राजकीय निर्माण निगम की 199 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, इनमें 5289 श्रमिक कार्य कर रहे हैं । दूसरी ओर उन्होंने प्रभारी मंत्री होने के नाते जूम ऐप के जरिए जनपद कानपुर नगर के जनप्रतिनिधियों व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से कोरोना संक्रमण के मद्देनजर विभिन्न विषयों पर वार्ता करते हुए फीड बैक व सुझाव लिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रेड जोन को छोड़कर या जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित स्थलों को छोड़कर अन्य जगहों पर निर्माण कार्य को कराए जाने अनुमति दे दी जाए।

आर्थिक पैकेज से किसानों व मजदूरों का होगा बहुत बड़ा फायदाः मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा दिये गए आर्थिक पैकेज का स्वागत करते हुए कहा है कि इस पैकेज से किसानों और मजदूरों को बहुत बड़ा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि इस पैकेज से प्रवासी मजदूरों का विशेष तौर पर लाभ होगा। वन नेशन .वन राशन कार्ड की योजना से लोगों को राशन मिलने मे आसानी होगी। इस पैकेज में किसानों के लिए विशेष तौर से ध्यान रखा गया है। रेहड़ी,पटरी दुकानदारों को भी केंद्र सरकार द्वारा इस पैकेज के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। मजदूरों की बेरोजगारी का संकट समाप्त होगा तथा उनकी मुश्किलें दूर होंगी। नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी होने से किसानों को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विधान मंडल का सत्र आयोजित करने पर चल रहा विचारः दीक्षित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना की मार से विधानसभा का सत्र भी अछूता नहीं रह जाएगा। आने वाले दिनों में विधान मंडल का कोई भी सत्र आयोजित होगा उसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन किया जाएगा। 403 सदस्यों की यूपी विधान सभा में अगर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया तो 200 से अधिक विधान सभा सदस्य सत्र में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। सरकार वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए भी सत्र आयोजित करने पर विचार कर रही है। दरअसल कोरोना को लेकर पूरे विश्व में अब नए सिरे से कार्यालयों में काम-काज को लेकर मंथन चल रहा है कि भविष्य में कैसे सोशल डिस्टेसिंग को बनाए रखते हुए काम-काज को अंजाम दिया जाए। जहां तक विधान सभा के सत्र का है तो यहां पर भी सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखना ही होगा, क्योंकि विधायक या विधान परिषद सदस्य अपने-अपने क्षेत्र से आते हैं और बाद में वह अपने-अपने क्षेत्र में जनता के बीच होते हैं। इसलिए संक्रमण न फैले इस पर पूरी तरह से सजग और सर्तक रहते हुए काम करना पड़ेगा।

इस बारे में विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने कहा कि किसी भी दो सत्रों के बीच की अवधि 6 माह से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह संवैधानिक बाध्यता है। 6 माह की अवधि अगस्त में पूरी होगी। मौजूदा समय में कोरोना की जो स्थिति चल रही है वह अगस्त में क्या रहेगी यह अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन जैसी स्थिति रहेगी उसी के अनुसार हम विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर विधान सभा में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सदस्यों को बैठाया जाए तो एक कुर्सी छोड़कर ही सदस्य बैठेंगे, इस स्थिति में सिर्फ 200 सदस्य ही विधान सभा के मंडप में बैठ पाएंगे। अब 200 सदस्यों के साथ सदन की कार्यवाही नहीं चलाई जा सकती है। इसके लिए या तो कोई ऐसी जगह हो जहां पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सभी विधान सभा के सदस्य बैठ जाए। स्पीकर ने कहा कि इससे पहले कोरोना के बीच में 21 अप्रैल को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला देश के सभी विधानसभा अध्यक्षों की वीडीओ कान्फ्रेंसिंग में उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए भी इसी बात पर जोर दिया था कि 6 माह की अवधि के पूर्व विधान मंडलों की बैठकें बुलाया जाना अपरिहार्य है। जिन प्रदेशों में सत्र की अवधि 6 माह से अधिक हो रही है वहां संवैधानिक उपबन्धों के अधीन सत्र की बैठक बुलाया जाना अपरिहार्य है। इसके लिए वीडियों कान्फ्रेसिंग सहित अन्य माध्यमों के उपाय खोजने होंगे। उन्होंने कहा कि संसदीय समितियों की बैठकों के लिए भी आधुनिक तकनीकी के सदुपयोग पर विचार किया जा सकता है।

प्रवासी, मेहनतकश, किसान की आर्थिक सुरक्षा का केंद्र सरकार ने खाका खींचाः स्वतंत्रदेव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रवासी मजदूरों शहरी-गरीबों और छोटे व सीमांत किसानों के हितों के लिए की गयी घोषणाओं का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व अभिनन्दन व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका ख्याल की दिशा में उठाया गया यह ऐतिहासिक कदम है। आपदा के समय में भी देश को खाद्यान्न से समृद्ध कर रहे किसानों की मेहनत को केन्द्र सरकार ने प्रणाम किया है। उन्हें भी सस्ते दर पर पर्याप्त लोन उपलब्ध कराया जाएगा जिससे उनका कृषि कार्य बाधित न हो और उनके जीवन में विकास का प्रकाश हो। उन्होंने कहा काम बंद होने के चलते भोजन व आवास की समस्या से जूझ रहे प्रवासियों को केंद्र सरकार द्वारा खाद्यान्न उपलब्ध कराने का निर्णय लाखों-करोड़ों लोगों के लिए मददगार साबित होगा। साथ ही किराए पर सस्ते आवासों के लिए भी मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत योजना शुरू करके इन प्रवासी मजदूरों व शहर में रहने वाले गरीब बेघर लोगों को सस्ते में किराये पर आवास उपलब्ध कराने का सराहनीय निर्णय किया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एमएसएमई सेक्टर को राज्य में मजबूत बनाने के लिए जो शानदार पहल आज की है उसमें उत्तर प्रदेश की तस्वीर उभर कर सामने आयेगी। साथ ही प्रदेश में ही लाखों की संख्या में नये रोजगारों का सृजन होगा। जिससे उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों को अपनी रोजी-रोटी व रोजगार के लिए दूसरे राज्यों के लिए पलायान नही करना पड़ेगा, उन्होंने कहा आज प्रवासी श्रमिकों के हितों में लगातार फैसले करके योगी आदित्यनाथ ने अन्य राज्यों को भी रास्ता दिखाया है कि वैश्विक आपदा के बीच किस तरह से अपने राज्यों के प्रवासी श्रमिकों के हितों के लिए कार्य किया जा सकता है।

लंबे लॉकडाउन के बावजूद बढ़ रहा है संकटः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना वायरस के संकट से निबटने में अदूरदर्शिता तथा अव्यवहारिक निर्णयों के चलते भाजपा सरकार पूर्णतया विफल साबित हुई है। सही ठोस और सकारात्मक कदम उठाने की जगह छिटपुट फौरी निर्णयों से वह जनता को सिर्फ गुमराह कर रही है। लम्बे लॉकडाउन के बावजूद संकट बढ़ रहा है। श्रमिकों के पलायन और उनकी बेरोजगारी से अराजकता जैसी स्थिति बन रही है। अखिलेश ने कहा कि प्रवासी मजदूरों की दयनीय दशा पर सरकार सिर्फ घड़ियाली आंसू बहा रही है। लाचार मजदूरों की सरकार द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। रेल पटरियों से लेकर राजमार्ग, खेत से लेकर खलिहान तक लहूलुहान हो रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भरी दोपहरी में श्रमिक पलायन करने को लाचार है। आगरा में एक महिला अपने बच्चे के साथ सामान को घसीटते हुए ले जाने को मजबूर है। सपा नेता ने कहा कि मुजफ्फरनगर, सहारनपुर हाई वे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कई प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। पहले ट्रेन और अब बस हादसा। कानपुर देहात के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में डीसीएम ट्रक की टक्कर में भी तमाम श्रमिक मरे और घायल हुए। अहमदाबाद से मजदूरों को लेकर डीसीएम बलरामपुर जा रही थी। फतेहपुर, रायबरेली में घर लौट रहे श्रमिक अपनी जान गंवा बैठे। जगह-जगह मजदूरों और कामगारों के मारे जाने की खबरें विचलित करने वाली है। इस पूरी दुर्दशा के लिए भाजपा सरकारें जिम्मेदार हैं।

यूरोपियन यूनियन के निवेशकों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने का निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना और सूक्ष्मए लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। यह समिति निवेश के लिए विभिन्न देशों की कम्पनियों से बात कर प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए संभावनाओं को तलाशेगी।

इस संबंध में विचार-विमर्श करने के लिए गुरुवार को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ राज्य सरकार के आर्थिक सलाहकार केवी राजू, प्रमुख सचिव एमएसएमई डा नवनीत सहगल तथा उद्योग बंधु के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा निवेश प्रोत्साहन विभाग के ढांचे को मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में निवेश के लिए यूरोपियन यूनियन की सुविधा के लिए नवनीत सहगल की देख-रेख में हेल्प डेस्क स्थापित करने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूएस के निवेशकों के लिए औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन और प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार तथा जैपनीज उद्यमियों की सहूलियत के लिए प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल की की देख-रेख में हेल्प डेस्क बनाया गया है। इसके अतिरिक्त बैठक में निवेश को आकर्षित करने के लिए वेबसाइट तैयार करने और इसमें लैण्ड बैंक की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। इसी प्रकार मानव संसाधन और स्किल लेबर का डाटाबेस तैयार कराने का निर्णय लिया गया है।

साथ ही हर 15 दिन के अन्दर समिति की बैठक आयोजित कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली सुविधाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए ब्रोसर तैयार कराने की बात कही गई।

राज्य सरकार वहन कर रही है ट्रेन से आने वाले श्रमिकों का किरायाः अवस्थी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● दिल्ली से उत्तर प्रदेश के लिए चार ट्रेन प्रतिदिन चलाए जाने पर हुई सहमति

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा है कि प्रवासी श्रमिकों को लाने के लिए चलाई जा रही ट्रेन में श्रमिकों के किराए का खर्च प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

अवस्थी ने बताया कि कोई भी श्रमिक किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर अपनी समस्या दर्ज करा सकता है, जिसका समुचित निवारण किया जाएगा । प्रदेश में विगत दिनों में आए कामगार एवं श्रमिकों को मेडिकल स्क्रीनिंग के उपरान्त खाद्यान्न देकर होम क्वारंटाइन के लिए घर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे अधिक प्रवासी कामगार उत्तर प्रदेश में आए हैं । प्रदेश में अब तक 318 ट्रेन के माध्यम से लगभग 384260 प्रवासी कामगार एवं श्रमिक आए हैं । आज रिकार्ड 67 ट्रेन प्रवासी कामगारों एवं श्रमिकों को लेकर प्रदेश में आ रही हैं । उन्होंने बताया कि दिल्ली राज्य से 4 ट्रेन प्रतिदिन उत्तर प्रदेश के लिए चला जाने पर सहमति हो गई है जिसे आगे और बढ़ाया जाएगा । इस कारण दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद के श्रमिकों व कामगारों को बड़ी राहत मिली है। सहारनपुर से भी प्रतिदिन 3 ट्रेन चलेगी।

गाजियाबाद , नोएडा एवं सहारनपुर से भी ट्रेन चलाई जाएंगी। उत्तर प्रदेश से बिहार के लिए भी ट्रेन चलेगी। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में 49 ट्रेन से 52069, लखनऊ में 34 ट्रेन से 39905, प्रयागराज में 16 ट्रेन से 19992, जौनपुर में 18 ट्रेन से 22811, बलिया में 12 ट्रेन से 14968, वाराणसी में 13 ट्रेन से 15189, आगरा में 4 ट्रेन से 4833 , कानपुर में 7 ट्रेन से 8533 प्रवासी कामगार एवं श्रमिक आए हैं। वर्तमान में प्रदेश के 45 रेलवे स्टेशन पर ट्रेन आ रही हैं । उन्होंने बताया कि प्रदेश में गुजरात से 174, महाराष्ट्र से 51, कर्नाटक से 12, पंजाब से 59 ट्रेन आ चुकी हैं।

औद्योगिक इकाइयां शुल्क देकर ही बसों का कर सकेंगी प्रयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

औद्योगिक इकाईयों को अपने कारखाने तक श्रमिकों को लाने व ले जाने के लिए परिवहन निगम की बसों का सहारा लेना पड़ेगा जिसके लिए इकाईयों को निर्धारित शुल्क भी देना पड़ेगा। निर्माण एजेंसी, ठेकेदार या औद्योगिक इकाईयों के प्रबन्ध तंत्र परिवहन निगम के बसों को तय शुदा दर पर आबद्ध कर इसके द्वारा आवश्यक श्रम शक्ति का परिवहन कर सकेंगें। प्रमुख सचिव परिवहन विभाग राजेश कुमार सिंह ने लॉक डाउन के दौरान औद्योगिक एवं निर्माण कार्य की गतिविधियों को शुरू करने के सम्बंध में संबन्धित विभागों के प्रमुख सचिवों को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि औद्योगिक गतिविधियों एवं निर्माण कार्य की गतिविधियों गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाये जाने के लिए आवश्यक श्रम शक्ति की आवश्यकता होगी किन्तु औरेंज जोन एवं रेड जोन के जनपदों में सार्वजनिक परिवहन गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है। इस वजह से आवश्यक श्रम शक्ति को निर्माण कार्य स्थल अथवा औद्योगिक इकाई तक उपलब्ध कराए जाने में कठिनाई न हो इसके लिए परिवहन निगम द्वारा सार्वजनिक परिवहन के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। प्रमुख सचिव ने कहा कि परिवहन निगम द्वारा तय शुदा दरों को आवश्यकतानुसार बसों को आबद्ध करने की कार्यवाही अपने स्तर पर करें जिससे यह समस्त कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके।

वापसी के लिए प्रवासी श्रमिकों में जगाना होगा भरोसा

● नितिन प्रधान

पूरी दुनिया कोरोना के संकट से जूझ रही है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। देश के कई शहरों में इसका कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। अलबत्ता सरकार की तरफ से मार्च में ही लागू कर दिये गये लॉकडाउन ने इस वैश्विक महामारी के असर को थामने की काफी कोशिश की है। बावजूद इसके इसका प्रकोप अभी निरंतर बना हुआ है। दुनिया के तमाम देशों के मुकाबले भारत में इसके चलते होने वाली मौतों की संख्या को सीमित रखने में सफलता मिली है। लेकिन कोरोना का संकट देश पर चौतरफा असर डाल रहा है। सरकार के समक्ष इस महामारी ने दो बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पहली देश की थम गई अर्थव्यवस्था की गाड़ी को फिर से शुरू करना और दूसरा इस अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण अंग प्रवासी मजदूरों के पलायन से उपजी स्थिति नियंत्रित करना।

अर्थव्यवस्था में इन प्रवासी मजदूरों का बहुत बड़ा योगदान है। खेती किसानी से समृद्ध पंजाब से लेकर देश के औद्योगिक नक्शे पर अग्रणी महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु का विकास इन प्रवासी श्रमिकों के बिना संभव नहीं था। उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों से निकलकर समृद्ध राज्यों की अर्थव्यवस्था का चक्का घुमाने में इन श्रमिकों की भूमिका बेहद अहम रही है। इतना ही नहीं देश के समस्त शहरी क्षेत्रों की दैनंदिन व्यवस्था भी इन्हीं श्रमिकों के कंधों पर टिकी हुई है। लेकिन कोरोना महामारी ने इन मेहनतकश श्रमिकों की पूरी कहानी बदल दी है। 21 मार्च से देश में लागू लॉकडाउन की सबसे बड़ी चोट इन्हीं प्रवासी श्रमिकों पर हुई है। रोजगार के अभाव और बदहाल आर्थिक हालात ने इन्हें उन शहरों को छोड़कर अपने घरों को जाने के लिए मजबूर कर दिया है जिन्हें उन्होंने अपनी मेहनत से तैयार किया।

मीडिया में आजाद भारत के इतिहास के इस महपलायन की तस्वीरों ने देश के सामाजिक ढांचे के खोखलेपन को उजागर कर दिया है। जहां पूरा देश अपने घर से निकलने की गुंजाइश ढूंढ रहा है वहां ये श्रमिक केवल अपने घर पहुंचना चाहते हैं। अपने घरों तक पहुंचने की व्यवस्था की अनुपस्थिति भी इन्हें नहीं रोक सकी है। प्रवासी श्रमिकों के इस महापलायन ने अर्थव्यवस्था के पहिए को घुमाने के प्रयास करने में जुटी सरकार के समक्ष बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। बड़ी संख्या में श्रमिक अपने अपने गांवों को पहुंच चुके हैं और अभी पलायन का यह क्रम जारी है। इस स्थिति ने उद्योग धंधों को पुन: शुरू करने की दिशा में एक संकट पैदा कर दिया है। जानकार मान रहे हैं कि अपने घरों को लौट चुके इन श्रमिकों की हाल फिलहाल वापसी संभव नहीं है। कोरोना के बाद उपजी स्थिति ने इन श्रमिकों का शहरी अर्थव्यवस्था में भरोसा तोड़ा है। इसलिए अपनी जिंदगी जिस तरह दांव पर लगा कर जो मजदूर घरों तक पहुंचे हैं उनका लौटना मुश्किल है।

एक अनुमान के मुताबिक भारत में करीब दस करोड़ प्रवासी श्रमिक हैं। लेकिन आजादी के बाद से अब तक ये श्रमिक किसी भी तरह से सरकारी व्यवस्था का हिस्सा नहीं बन पाये हैं। प्रवासी श्रमिकों के लिए काम करने वाली एक गैर सरकारी संस्था आजीविका ब्यूरो की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना महामारी ने देश की सामाजिक और आर्थिक तंत्र की कमजोरियों

अर्थव्यवस्था में इन प्रवासी मजदूरों का बहुत बड़ा योगदान है। खेती किसानी से समृद्ध पंजाब से लेकर देश के औद्योगिक नक्शे पर अग्रणी महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु का विकास इन प्रवासी श्रमिकों के बिना संभव नहीं था।

को और ज्यादा बिगाड़ दिया है। ये श्रमिक न तो राष्ट्रीय सांख्यिकी आंकड़ों में आते हैं और न ही शहरों के नीति निर्धारण में इनका ध्यान रखा जाता है। इस वजह से ये सब अवैध बस्तियों में रहने के मजबूर होते हैं जिससे ये राज्य सरकारों की तरफ से मिलने वाली पानी व सफाई व्यवस्था, भोजन, ईंधन व स्वास्थ्य सेवा के दायरे में शामिल हो पाते हैं। चूंकि ये लोग अपने मूल स्थानों से दूर जीवन यापन के लिए रहते हैं इसलिए न तो इनके पास स्थायी पता होता है और न ही किसी तरह का प्रमाण जिनकी बदौलत ये सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

सरकार के लिहाज से आज की सबसे बड़ी जरूरत अर्थव्यवस्था को सक्रिय करने की है। देश के जो हिस्से कोरोना से प्रभावित नहीं है अथवा कम प्रभावित हैं वहां एहतियात के साथ आर्थिक गतिविधियों की शुरूआत करने की कोशिश केंद्र और राज्यों की सरकारें कर रही हैं। लेकिन जिस प्रकार से प्रवासी श्रमिकों का पलायन पूरे देश से अपने अपने मूल स्थानों अथवा गांवों की तरफ हुआ है उससे सरकारों की यह कोशिश अगर कोशिश ही रह गई तो कोई अचरज नही होगा। देश में आर्थिक सक्रियता बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि ये श्रमिक वापस अपने काम-धंधों को लौटें, जो फिलहाल संभव नहीं दिखता।

प्रवासी श्रमिकों को वापस आर्थिक गतिविधियों के केंद्र में लाने के लिए यह जरूरी है कि पूरे देश में शहरों के लिए बनने वाली नीतियों में इन्हें एक अहम पक्ष माना जाए। निर्माण स्थलों पर काम करने वाले अधिकांश श्रमिक तो लंबे अरसे तक अधबनी इमारतों में ही रहने को अभिशप्त हैं। इसलिए जिस शहर या कस्बे में रहते हैं वहां के लिए उनके घर का पता भी वही होता है। आजीविका ब्यूरो के सर्वेक्षण के मुताबिक इस तरह के अस्थायी तौर पर रहने वाला प्रवासी श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का किसी तरह का लाभ नहीं मिलता। इसलिए यह जरूरी है कि इनके लिए आवास प्रमाणन और पहचान पत्र आदि की देशव्यापी सुविधा हो और उनका मौजूदा निवास स्थल ही सरकारी सुविधाएं पाने का आधार बने।

मौजूदा परिस्थितियों को बदलने के लिए यह अति आवश्यक है कि शहरी नियोजन और नीति की प्रक्रियाएं प्रवासी श्रमिकों को अन्य शहरी नागरिकों के एक वैध हिस्से के रूप में पहचानें क्योंकि इन लोगों को भी आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं की जरूरत है। उनके मुद्दों पर लोगों, सरकार और नीति निर्धारकों का ध्यान हो जिससे यह वर्ग भी अपने नागरिकता और सामाजिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सके। आर्थिक गतिविधियों में इन प्रवासी श्रमिकों की पुन: वापसी के लिए भरोसा जगाने के लिए इस तरह के कदमों को उठाया जाना अत्यंत आवश्यक है।

गोरखपुर में फूटा कोरोना बम, चार में कोरोना वायरस की तस्दीक

●रेड जोन के कगार पर पहुंचे मरीजों की संख्या हुई 10

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

जनपद में गुरुवार को कोरोना बम फूटा। एक साथ चार युवकों में कोरोना वायरस की तस्दीक हुई है। चारों युवक मुंबई से लौटे हैं। इसके साथ ही जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 10 हो गई है । जिला रेड जोन की कगार पर पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को बेलघाट क्षेत्र के शाहपुर, हरपुर के बाथ बुजुर्ग, झंगहा के इटौवा और बांसगांव के जिगना निवासी चार युवक कोरोना संक्रमित निकले। बीआरडी मेडिकल कॉलेज की जांच में इसकी तस्दीक हुई। चारों 4 दिन पहले गांव पहुंचे थे। सभी मुंबई में पेंट पॉलिश का काम करते हैं।

गोरखपुर-बस्ती मंडल में कोराना के सबसे ज्यादा हॉटस्पॉट बस्ती में हैं। वहीं इसका पहला मामला आया था। उत्तर प्रदेश में कोरोना से पहली मौत भी बस्ती के युवक की ही हुई। बीआरडी मेडिकल कालेज में युवक की मौत के समय तक यह पता नहीं था कि उसे कोरोना है। डॉक्टरों ने युवक के थ्रोट स्वैब का नमूना रखकर शव परिवारीजनों को सौंप दिया था। अगले दिन जब उसमें कोरोना की पुष्टि हुई तब तक उसके जनाजे में शामिल हुए कई लोगों पर कोरोना अपना शिकंजा कस चुका था। इनमें ज्यादातर लोग युवक के परिवार के हैं। बस्ती में अब तक कुल 46 कोरोना पॉजिटिव पाए गए जिनमें से 22 ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं।

बस्ती के 46 में से चार मामले गुरुवार को सामने आए। ये चारों पहले से मेडिकल कॉलेज बस्ती में क्वारंटीन थे। इसमें से दो गौर क्षेत्र के पकड़ी जसी के हैं। जहां पर पहले भी एक प्रवासी मजदूर कोरोना संक्रमित मिला था। उसकी पहचान होने के बाद इन सभी लोगों को मेडिकल कॉलेज लाया गया। कोरोना मामलों की संख्या के लिहाज से संतकबीरनगर दूसरे नंबर है। वहां अब तक 36 कोरोना पॉजिटिव मिल चुके हैं। जिले में कोरोना के मामले में रिकवरी रेट भी ठीक-ठाक है। अब तक 20 कोरोना पॉजिटिव ठीक होकर घर लौट चुके हैं। सिद्धार्थनगर तीसरे नंबर पर है। वहां अब तक 32 कोरोना पॉजिटिव सामने आए हैं। गुरुवार को भी चार नए कोरोना पॉजिटिव मिले। इसमें से दो अल्फारुक इंटर कॉलेज इटवा, एक खेसरहा क्षेत्र के टीकुर गांव और एक शोहरतगढ़ में क्वारंटीन था। सभी मुंबई से आए थे। सीएमओ डॉ.सीमा राय ने बताया कि चारों को बर्डपुर सीएचसी में शिफ्ट कर आइसोलेट कर दिया गया है। महराजगंज में अब तक 11 लोगों में कोरोना संक्रमण मिल चुका है। इनमें दो का पता बुधवार की शाम को चला। महराजगंज में सबसे पहले छह जमाती कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। वे और एक अन्य यानी कुल सात ठीक हो चुके हैं। अभी कुल चार का इलाज चल रहा है।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतरजनपदीय पांच ठग गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी विपुल कुमार श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसगांव नीतेश सिंह के मार्गदर्शन में बांसगांव थाना में दर्ज मुकदमा आईटी एक्ट. गगहा थाना अंतर्गत 7 मई को एचडीएफसी एटीएम से एटीएम बदलकर 118007 रुपये स्वाइप कर निकाल लिया गया था। महादेवा मोबाइल शॉप से अभियुक्त का फुटेज स्पष्ट प्राप्त के आधार पर वादी द्वारा शिनाख्त की जा रही थी। तभी कौड़ीराम कस्बे में एटीएम बैंकों की निगरानी सादी वर्दी में की जा रही थी। वादी मुकदमा द्वारा एक व्यक्ति जिसका फोटो प्राप्त हुआ था द्वारा पहचान कर फोटो से मिलान किया गया तथा कड़ाई से पूछने पर घटना के बारे में अपने साथ पांच अभियुक्तों चूड़ामणि पाठक उर्फ संजय पाठक पुत्र राजेंद्र पाठक निवासी रघूवाडीह थाना बांसगांव, गौरवकांत दुबे उर्फ अनुभव दुबे पुत्र विजय कुमार दुबे निवासी ग्राम बुदहट थाना हरपुर बुदहट, अजय दुबे उर्फ छोटू पंडित पुत्र अरविंद दुबे निवासी रघुवाडीह थाना बांसगांव, स्थाई पता जहानाबाद बिहार, अंकित यादव पुत्र हनुमान यादव निवासी नैपुरा थाना खजनी, मुलायम यादव उर्फ सत्येंद्र यादव पुत्र स्वर्गीय रामधनी यादव निवासी ग्राम चेरिया थाना बेलीपार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी विपुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यह पांचो शातिर किस्म के एटीएम जालसाज हैं। इनके पास से 24770 नगद 6 अदद मोबाइल 10 एटीएम कार्ड, दो मोटरसाइकिल, एक अदद चार पहिया वाहन सफारी अंतर्गत धारा 207 एमबी एक्ट के अंतर्गत बरामद किया गया।

क्विक न्यूज

निःशक्तता के क्षेत्र में कार्य करने वाले करें आवेदन

गोरखपुर। निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग लखनऊ द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर 03 दिसम्बर को दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली के अन्तर्गत निःशक्तता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को पुरस्कार/सम्मानित करने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये गये हैं। 12 श्रेणियों में राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन 03 प्रतियों में 15 जुलाई तक कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को उपलब्ध करायें। उक्त के सम्बन्ध में अधिक जानकारी एवं प्रारूप वेबसाईट अथवा कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, विकास भवन, से प्राप्त की जा सकती है। उक्त जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने दी है।

गांव में पहुंचे जिलाधिकारी

गोरखपुर। डीएम के. विजयेंद्र पांडियन गुरुवार को चौरीचौरा क्षेत्र के बघाड़ गांव में अधिकारियों के साथ पहुंचे। उन्होंने बाहर के प्रदेश से आये होम क्वारन्टीन लोगो के घर जाकर उनसे बात किया। उन्होंने साफतौर पर कहा कि क्वारन्टीन लोग कत्तई गांव में न घूमे। वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सभी लोग घरों में ही रहें। उन्होंने कहा कि यहां पर सूचना मिली है कि क्वारन्टीन गांव में घूम रहे है। यदि ऐसा हुआ तो घूमने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एसडीएम अर्पित गुप्ता, तहसीलदार रत्नेश त्रिपाठी व सीओ रचना मिश्रा से गांव में दौरा करके लोगो को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसपी सिटी डॉ. कौस्तुभ, चिकित्सको की टीम व ब्लॉक के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

एसआई व कॉन्स्टेबल हुए होम क्वारंटीन

गोरखपुर। बीते बुद्धवार की सुबह दीपू पटेल पुत्र अमेरिका पटेल उम्र लगभग 25 वर्ष निवासी चौनपुर, छितौनी, सिवान बिहार का रहने वाले युवक ने नौसढ़ चौराहे के पास हाई वोल्टेज का ड्रामा कर रामचन्द्र गुप्ता के मकान की तीसरी मंजिल की छत की रेलिंग से गमछा बाधकर नीचे लटकर फाँसी लगाने का प्रयास किया था। नौसढ़ चौकी के एस आई भूपेन्द्र तिवारी और कॉन्स्टेबल वीरेन्द्र कुमार व रामजीत चौधरी ने अपनी सूझबूझ से दीपू पटेल की जान को बचाया था। प्रवासी मजदूर के सैम्पल लिये जाने और रिपोर्ट आने तक कोरोना वॉयरस की सुरक्षा के दृष्टिकोण से नौसढ़ चौकी के एस आई व दोनों कॉन्स्टेबल को होम क्वारंटीन कर दिया गया है।

अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए प्रशिक्षण

गोरखपुर। जनपद में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा अनु.जा./अनु.ज.जा. के बेरोजगार युवक एवं युवतियों हेतु 100 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण उद्यमिता विकास प्रशिक्षण दिया जाना है। उक्त प्रशिक्षण हेतु शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण एवं उम्र 18 वर्ष से कम न हो, पात्र होगें। प्रशिक्षण शुल्क रू. 300 निर्धारित है। प्रशिक्षण हेतु इच्छुक अभ्यर्थी अधिकतम जानकारी हेतु सहायक प्रभारी राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र, मो.न.-9198197356 से सम्पर्क कर सकते हैं। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र ने दी है।

क्षत्रिय महासभा ने एसएससी को सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर। खोराबार थाना अंतर्गत साहूकोल उर्फमिर्जापुर बाजार निवासी मनुरोजन यादव पुत्र केशव यादव सोशल मीडिया फेसबुक पर महाराणा प्रताप के ऊपर आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट करने के वजह से क्षत्रिय समाज ने विरोध दर्ज कराते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा महानगर अध्यक्ष ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मांग किया कि मनुरोजन यादव के ऊपर मुकदमा दर्ज कर अविलंब गिरफ्तारी किया जाए नहीं तो अखिल भारती क्षत्रिय महासभा उग्र प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

1200 श्रमिकों को लेकर पहुंची श्रमिक स्पेशल ट्रेन

अंबेडकरनगर। प्रवासी श्रमिको को ट्रेन से लाये जाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार की सुबह 1200 यात्रियों को लेकर अमृतसर से चलकर श्रमिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन प्रातः5:30 पर अकबरपुर, रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन के पहुंचने के पूर्व जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी, मुख्य विकास अधिकारी अनूप कुमार श्रीवास्तव के अलावा बड़ी संख्या में ड्यूटी पर लगाये गए प्रशासनिक टीम के सदस्य रेलवे स्टेशन पर उपस्थित रहे। अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने के उपरांत सभी यात्रियों को एक-एक करके ट्रेन से उतारा गया और सामाजिक दूरी के साथ उन्हें बसों में बिठा कर एकलव्य स्टेडियम लाया गया। सभी प्रवासी श्रमिको की थर्मल स्क्रीनिग की गई ।साथ ही साथ सभी को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया गया। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए पानी की बोतल, बिस्किट, बच्चों के लिए दूध आदि का बंदोबस्त किया गया था।

सांसद ने पत्नी के साथ राज्यपाल से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

सदर सांसद रवि किशन ने आज अपनी अर्धांगिनी प्रीति शुक्ला के साथ राजभवन जाकर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी से मुलाकात की और मुंबई से पलायन कर रहे मजदूरों को सुविधा मुहैया कराने हेतु एक ज्ञापन भी सौंपा। सांसद रवि किशन निरंतर मुंबई से पलायन कर रहे मजदूरों पर नजर बनाए हुए हैं उसी के मद्देनजर आज उनकी समस्याओं को लेकर वह राजभवन महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी से मुलाकात करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि मजदूरों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि लाक डाउन में वह अपने घर जाना चाहते हैं परंतु उनको महाराष्ट्र सरकार से पूर्ण सुविधा नहीं मिल पा रही है इस कारण वह परेशान हैं। उनको उचित सुविधाएं मुहैया कराकर उन्हें उनके घर तक पहुंचाया जाय। उत्तर प्रदेश, बिहार खासकर जो गोरखपुर रहने वाले मजदूर है या अन्य राज्यों के मजदूर जो वहां फंसे हुए हैं जब तक उनको घर भेजने के कोई व्यवस्था ना हो तब तक उन्हें राशन पानी मुहैया कराई जाए। रवि किशन ने रेल मंत्री को भी पत्र लिखकर गोरखपुर सहित उत्तर प्रदेश बिहार के लिए और अधिक ट्रेनें चलाने की मांग की। सदर सांसद ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा जिस तरह मजदूरों से ठगी हो रही है वह निंदनीय है।

मुंबई से घर आ रहे ट्रेन में ही दम तोड़ने वाला शख्स कोरोना पॉजिटिव

● परिजनों ने हिंदू रीति रिवाज से शख्स का किया था दाह संस्कार ●शख्स की पॉजीटिव रिपोर्ट के बाद प्रशासन में हड़कंप

गोशाईगंज, अयोध्या। प्रवासी मजदूरों की वापसी के लिए चलाए जा रहे हो मुहिम में मुंबई से ट्रेन द्वारा अपने घर तक का सफर तय करने के लिए निकले शख्स की बीच रास्ते में ही मौत हो गई। शख्स की लखनऊ में पोस्टमार्टम करने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया था। जिसके बाद परिजन हिंदू रीति.रिवाज से शख्स की अंतिम संस्कार कर दिया ।बुधवार को अंतिम संस्कार के बाद शख्स के कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद शख्स के गांवएपरिजनों व प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सूचना पर प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर शख्श के अंतिम संस्कार में शामिल सभी लोगों को होम क्वॉरेंटाइन करवा कर मृतक की पत्नी को संदिग्ध मानकर नमूना जांच के लिए लखनऊ भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोसाईगंज थाना क्षेत्र के मैनपुर निवासी विनोद उपाध्याय (46 वर्ष) मुंबई में रहकर अपने साले के साथ गेटवे ऑफ इंडिया पर

फोटोग्राफी कर परिवार का पेट पालता था। लॉक डाउन में काम बंद हो जाने के कारण वह परिवार सहित मुंबई से बस्ती जाने वाली ट्रेन पर सोमवार दोपहर लगभग 1:30 बजे सवार हुआ इटारसी के आसपास उसकी मौत हो गई थी।

परिवार वालों को झांसी के आस पास पता चला कि विनोद की मौत हो गई। लेकिन शव को रास्ते में कहीं नहीं उतारा। ट्रेन जब मंगलवार को दोपहर करीब 2:30 बजे लखनऊ आई तो जीआरपी ने उसके शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया जहां से शख्स की कोरोना की रिपोर्ट आए बगैर ही शव को उसके गृह जनपद अयोध्या के मैनपुर गांव भिजवा दिया। जहां पर उसका अंतिम संस्कार भी कोरोना प्रोटोकॉल के मुताबिक नहीं हुआ बाद में जब शख्स की रिपोर्ट बुधवार को कोरोना पॉजीटिव निकलीए तो रेलवे से लेकर स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन.फानन में पुलिस के आला अधिकारी सहित सीओसदर वीरेन्द्र विक्रमएएसडीएम सदर आयुष चौधरीए सहित गोसाईगंज थाना प्रभारी आशुतोष मिश्र एवं प्रशासनिक अमला मृतक शख्स के गांव पहुंचकर शख्स के अंतिम क्रिया में शामिल सभी को एहतियात के तौर पर होम क्वॉरेंटाइन करा दिया गया है। वहीं मृतक की पत्नी को संदिग्ध मानकर उसकी जांच नमूना लखनऊ भेज दिया गया है। वही सीओ सदर वीरेंद्र विक्रम ने जानकारी देते हुए बताया कि मेडिकल रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव आने के बाद प्रशासन ने एहतियात तौर पर जरूरी कदम उठाए हैंए मृतक की पत्नी को संदिग्ध मानकर उसकी नमूना जांच के लिए भेज दिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद एहतियात के तौर पर जरूरी कदम उठाए जाएंगे फिलहाल प्रशासन शख्स के अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों की जानकारी इकट्ठा कर रहा है। चिन्हित किए गए लोगों को होम क्वॉरेंटाइन करा दिया गया है व पूरे गांव को घेराबंदी कर सील कर दिया गया है और गांव वालों को घर से निकलने के लिए पूर्णता प्रतिबंधित कर दिया गया है।

एक किलोमीटर की परिधि में स्वास्थ्य विभाग करा रहा स्क्रीनिंग

अंबेडकरनगर। 11 मई को ग्राम धनुकारा में दो युवक के कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर जिला प्रशासन की निगरानी में स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस प्रशासन गांव को संक्रमित क्षेत्र घोषित करते हुए एक कि0मी0 की परिधि को सीलबंद करते हुए पुलिस बल तैनात कर निरोधात्मक कार्यवाही प्रारम्भ की गयी थी। ग्राम धनुकारा से सटे हुये तीन गांव नारायणपुर, गोसाईं का पूरा एवं सुल्तानपट्टी में भी निरोधात्मक कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। उक्त गांवो में दस टीमें लगाकर सैनेटाईजेशन, बाहर से आने वाले व्यक्तियों की सूचना प्राप्त किये जाने हेतु सर्वे कराया गया। ग्राम वासियों का थर्मल स्क्रीनिंग तथा कोरोना के बचाव हेतु जागरूक भी किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद स्तर पर बाहर से आने वाले व्यक्तियों का स्क्रीनिंग एकलब्य स्टेडियम, लोहिया भवन तथा जिला अस्पताल में किया जा रहा है, अब तक 5005 से अधिक लोगों का स्क्रीनिंग किया जा चुका है।

खजनी पुलिस ने हत्यारे को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

खजनी थाना अंतर्गत ईंट से प्रहार व गला रेत कर गुरौली बुजुर्ग गीडा थाना निवासी रामलौटन निषाद पुत्र स्व. धुरहु निषाद की 11 मई को हत्या कर दी गयी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. सुनील गुप्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी खजनी को जल्द से जल्द अभियुक्त को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। खजनी थाने की पुलिस टीम ने घटना का अनावरण करते हुए अभियुक्त मनीष साहनी पुत्र राधेश्याम साहनी निवासी ग्राम गुरौली बुजुर्ग थाना गीडा गोरखपुर को 48 घण्टे में गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक दक्षिणी व क्षेत्राधिकारी खजनी पुलिस ऑफिस कार्यालय में बताया कि 11 मई को धारदार हथियार व ईंट से प्रहार एवं गला रेतकर 48 वर्षीय गीडा थाना अंतर्गत गुरौली निवासी रामलौटन निषाद की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। सीओ खजनी के नेतृत्व में थाना प्रभारी खजनी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया जो खेत में मीट बना कर खाने को लेकर आठ-दस दिन पहले मृतक व अभियुक्त के बीच में विवाद हुआ था। अभियुक्त मनीष ने मृतक रामलौटन की हत्या कर दी। घटना के दिन लगभग दो बजे रात्रि में अभियुक्त अकेले सो रहे मृतक के पास गया और उसका गला रेतने के बाद ईंट से कूंच दिया। पुलिस ने आलाकत्ल चाकू व ईंट बरामद कर लिया है।

जिला अस्पताल में ड्यूटी कर रहे जवानों को नहीं दिए गए मास्क व सेनिटाइजर

अंबेडकरनगर। खाकी धारियों को कोरोना योद्धा कहकर सरकार व आमजनमानस के साथ ही अधिकारी भी महिमा मण्डित कर रहें हैं लेकिन क्या वास्तव में यही अधिकारी उनके स्वास्थ्य के प्रति गम्भीर हैं, इसे नही कहा जा सकता। खाकी धारियों की जान जोखिम में डालकर जिस प्रकार से उनसे ड्यूटी कराई जा रही है, वह बेहद ही निन्दनीय है। गुरूवार को जिला अस्पताल में स्क्रीनिंग कराने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। इन्हें नियंत्रित करने की जिम्मेदारी होमगार्ड के तीन जवानों को सौंपी गई थी। एक तरह से इन जवानों को कोरोना संदिग्धों के बीच भेज दिया गया था। थर्मल स्क्रीनिंग करने के लिए चिकित्साकर्मी व सम्बन्धित स्टाफ पूरे सुरक्षात्मक किट में बैठा हुआ था। वह अन्दर आ रहे प्रवासी श्रमिकों की दूर से ही स्क्रीनिंग कर रहे थे लेकिन वहीं पर यह खाकी धारी बेहद पुराना ऐसा सर्जिकल मास्क लगाकर अपना फर्ज

नये मास्क के साथ ड्यूटी पर तैनात होम गार्ड के जवान

निभा रहे थे जिसके प्रयोग की समयावधि ही महज आठ घंटे तक होती है। आठ घंटे लगाने के बाद इसे नष्ट कर देना होता है लेकिन जब इस मास्क के सम्बन्ध में ड्यूटी पर मौजूद होम गार्ड के जवानों से पूछा गया तो उनका जवाब सुनकर रोंगटे खड़े हो गये। उन्होंने बताया कि यह मास्क काफी पुराना है। वे सब एक मई से ड्यूटी कर रहे है लेकिन उन्हें आज तक कभी भी मास्क नही उपलब्ध कराया गया। सेनिटाइजर के बारे में पूछनें पर उन्होंने कहा कि वह तो कभी मिला ही नही है। उनकी यह बात सुनने के बाद इस मीडिया कर्मी ने उन्हें आधा दर्जन मास्क व सेनिटाइजर उपलब्ध कराया। साथ ही उनसे मास्क के बदले मुंह में गमछा बांधने की सलाह दी।

आंधी में टूटे पोल से सप्लाई बाधित

हैरिंग्टनगंज, अयोध्या। विद्युत सप्लाई उपखंड हैरिंग्टनगंज क्षेत्र में स्थित ग्राम जोहन बिगत पांच दिनों से अंधेरे में डूबा हुआ है। आंधी में टूटे पोल के कारण सप्लाई बाधित होने के बाद आज गुरुवार तक सप्लाई व्यवस्था सुचारू नही हुई। जेई रवि सिंह से बात करने पर बताया गया कि पोल सही करने की प्रक्रिया चल रही है। सम्भवत: दो घण्टे में सही हो जाएगी। परन्तु क्षेत्र के तमाम गांव के ग्रामीणों की फसल विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण सुख रही है। कोविड19 की महामारी की मार झेलता किसान हैरिंग्टनगंज विद्युत विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की उदासीनता का शिकार भी हो रहे हैं। उपखण्ड पर कार्यरत संविदा लाइनमैन दिनभर नशे में धुत लोगों से पैसे की डिमांड करते रहते हैं। पैसा न देने पर एक लाइन सही करके दूसरी खराब कर देते हैं। जिससे विद्युत आपूर्ति में आए दिन कुछ न कुछ खराबी बनी रहती है। बिशेष बात यह है कि उन लोगों के घरों की लाइन कभी खराब नही होती।

एनटीपीसी टांडा ने जिलाधिकारी को सौपें सेनेटाइजर एवं मास्क

अंबेडकरनगर। एनटीपीसी ने केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करते हुए देश में निर्बाध बिजली आपूर्ति को सुनिश्चित किया है। इसके साथ ही जिलें में भी इस वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु विविध प्रयास कर रहा है। एनटीपीसी टांडा इस महामारी से निपटने के लिए अनेक राहत कार्य कर रहा है। इसी क्रम में नैगमिक सामाजिक दायित्व के तहत एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख के.एस.राव ने 2500 अदद सेनेटाईजर, 25 लीटर का 01 गैलेन सेनेटाईजर रिफिल हेतु एवं 2500 फेस मास्क जिलाधिकारी, राकेश कुमार मिश्र को प्रदान किया। इस अवसर पर राकेश कुमार मिश्र, जिलाधिकारी, अम्बेडकरनगर ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा इस संकट की घड़ी में इस तरह के पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अम्बेडकरनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डा. पंकज कुमार वर्मा, एनटीपीसी टांडा के अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस.एन.पाणिग्राही, उप महाप्रबंधक (मा.संसा.) परवेज खान, उप महाप्रबंधक (मा.संसा.) मृणालिनी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने रेडियोलॉजिस्ट, पैथालॉजिस्ट, जनरल सर्जन चिकित्सकों के साथ की बैठक

अयोध्या। सरकार की मंशानुरूप जनता को पूर्व की भांति स्वास्थ्य से संबंधित आपातकालीन सेवायें उपलब्ध कराने के दृष्टिगत डीएम अनुज कुमार झा ने कलेक्ट्रेट सभागार में रेडियोलॉजिस्ट, पैथालाजिस्ट, डेंटिस्ट व जनरल सर्जन से संबंधित चिकित्सकों के साथ बैठक की। जनपद के निजी चिकित्सालयों को कोविड-19 से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा.निर्देशों का अनुपालन कराते हुए इमरजेंसी सेवाएं प्रदान करने की अनुमति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी अस्पताल या डॉक्टर को नॉर्मल ओपीडी चलाने की अनुमति प्रदान नहीं की गई है। यथासंभव टेलीफोन पर ही मरीजों को उपचार से संबंधित सुझाव एवं दवाइयां की जानकारी प्रदान करें जिसको देखना आवश्यक हो उसी को अस्पताल में देखें और जरूरी होने पर ही मरीज को अस्पताल में एडमिट करें अन्यथा उसे पुनः घर पर भेज दे। सभी चिकित्सकों व अस्पताल के प्रबंधकों से मरीज व उसके तामीर को अस्पताल आने वालों के प्रवेश

द्वार पर ही साबुन से हाथ धुलवाएं या सैनिटाइजर से हाथ को डिसइनफेक्ट करायेंए एक उनके पास मास्क न उपलब्ध हो तो उन्हें मास्क उपलब्ध कराने के बाद अस्पताल के अंदर प्रवेश लें। मरीज व उसके तामीर के अंदर आने के बाद वेटिंग एरिया में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए उसे कम से कम 1 मीटर की दूरी पर बैठाएं। जिलाधिकारी ने मरीजों के उठने व जाने के तुरंत बाद उनके बैठने वाले स्थान हुआ उसके सभी टचपॉइंट्स को तुरंत सोडियम आइसो क्लोराइड से डिसइनफेक्ट कराएं इसके लिए एक प्रशिक्षित व्यक्ति को उसके स्वयं के भी बचाव के सभी उपकरणों के साथ हमेशा तैयार रखें तथा इसकी स्वयं भी समय.समय पर मानिटरिंग करें। उन्होंने सभी डॉक्टरों एवं उनके स्टाफ को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए ही स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। आने वाले सभी मरीजों के ट्रैवल रिकॉर्ड सहित उसका पूरा पता रजिस्टर में अवश्य नोट करें तथा ट्रायज रूम में पूछताछ के दौरान मरीज में कोरोना के सिम्टम्स पाए जाने पर इसकी सूचना सीएमओ को दें तथा उसका कोरोना टेस्ट अवश्य कराएं तब तक मरीज को अलग विशेष कमरे में रखें।

विवि में कैरियर इन मैकेनिकल डिजाइन पर कार्यशाला हुई

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में प्लेसमेंट एंड सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट सेल की तरफ से कैरियर इन मैकेनिकल डिजाइन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बीटेक और एमटेक के लगभग डेढ़ सौ छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ0 गीतिका श्रीवास्तवए डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल ने किया। उन्होंने बताया कि मैकेनिकल में आने वाला भविष्य बिल्कुल सुरक्षित है और नई टेक्नोलॉजी को इस समय सीखने का समय है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने प्लेसमेंट और सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट सेल को इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए बधाई दी। इस कार्यशाला में डॉ रवि सिंह डिप्टी डायरेक्टर लेबर डिपार्टमेंट एपंकज रावत फील्ड ऑफिसर स्पोकन ट्यूटोरियल आईआईटीए बॉम्बेए स्तुति शर्मा सीनियर डिजाइन मैकेनिकल डिवीजन और एआरबी कंपनी के प्रबंधक अवधेश कुमार ने अपने अपने विचारों से मैकेनिकल में कैरियर और नई टेक्नोलॉजी के बारे में व्याख्यान दिया। अनुराग सिंहए डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेटर ने छात्र छात्राओं को इस कार्यशाला के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया। प्रति कुलपति प्रो एसएन शुक्ला ने नई नई टेक्नोलॉजी और उसका प्रैक्टिकल इंप्लीमेंटेशन करने पर जोर दिया। डायरेक्टर आइक्यूएसी प्रोअशोक शुक्ला ने प्लेसमेंट सेल और मैकेनिकल विभाग को इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए बधाई दी। इस कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर राजीव कुमार ने किया। इंजीनियरिंग संस्थान के डायरेक्टर प्रो रमापति मिश्रा ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने का बहुत ही उचित प्रयास है। मैकेनिकल विभाग के ई उमेश वर्मा, नितेश दीक्षित, कृति, श्वेता मिश्र, मनोज, अतुल, दीपक, सुनील सहाय, सुनील प्रभाकर, दिब्या, अखिल, आशुतोष आदि इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अराजक तत्वों ने डायल 112 की गाड़ी में की तोड़फोड़

● जान बचाकर भागे पुलिस कर्मी कई लोग हिरासत में

अंबेडकरनगर। बीती रात दो पक्षों में हुए विवाद की सूचना पर पहुंची डायल 112 पर गांव के अराजक तत्वों ने पथराव कर दिया। पथराव के बाद पुलिस अपनी जान बचाते हुये भाग खडी हुई। अराजकतत्वो ने गाडी के शीशे को चकनाचूर कर दिया। घटना मालीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जगतू पुर बिल्टई की है। बुधवार देर शाम जब गांव के बगल के ही कुछ लोग जगतू पुर से किसी के यहां से खाना खाकर जा रहे थे तभी रास्ते में जगतूपुर के कुछ अराजक तत्वों ने उन लोगों पर प्राणघातक हमला कर दिया और उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दिया। में लोगों को गंभीर चोटे आयी। इसकी सूचना 112 नंबर पर दी गयी। सूचना पर पहुंची 112 नंबर पुलिस जांच पड़ताल कर ही रही थी कि उन अराजक तत्वों ने पुलिस पर भी हमला बोल दिया जिसमें पुलिस अपना जान बचाकर भाग खड़ी हुई। इन तत्वो ने 112 नंबर गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना पर कई थाना क्षेत्र की गाड़ियां गांव में पहुंच गई जिसमें पुलिस ने अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए छापेमारी किया जिसमें आधा दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया गया तथा कई अन्य फरार हो गये। पुलिस ने 112 डायल के दीवान लाल साहब व श्रीष सिंह की तहरीर पर कुल 10 ज्ञात व 10अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव निवासी विनोद सिंह अपने दोस्तों के साथ बुधवार शाम को अपने ससुराल गए थे । रात मे आते वक्त गांव के कुछ लोगों ने हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसी सुचना पर 112 डायल वँहा पहुंची थी। डायल 112 के सिपाही लाल सिंह व श्रीष सिंह के तहरीर पर पुलिस ने जगदंबा सिंह सूर्य नारायण सिंह रिंकू अग्रहरी दीपक रामसागर राजभर गौरव सिंह समेत कुल 10 ज्ञात वा 10 अज्ञात के विरुद्ध लाक डाउन का उल्लंघन लोक संपत्ति की धारा, सरकारी काम में बाधा आतंक पैदा करना व क्रिमिनल अमेंडमेंट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है ।थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि मौके पर मिले कुल 5 लोगों को जेल भेज दिया गया है अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

कांग्रेस नीरव मोदी को बचाने का हर प्रकार से प्रयास कर रही है : भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी को बचाने की हर प्रकार से कोशिश करने का आरोप लगाया जिसके खिलाफ लंदन की एक अदालत में प्रत्यर्पण को लेकर सुनवाई चल रही है।

केंद्र में सत्तारूढ पार्टी ने गिरफ्तार हीरा कारोबारी के बचाव में उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश और वर्तमान में कांग्रेस के सदस्य के बयान का उल्लेख करते हुए विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बंबई और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत जज अभय थिप्से, नीरव मोदी के बचाव में गवाह बने और दावा किया कि नीरव मोदी के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षडयंत्र का कोई मामला कानून के समक्ष टिक नहीं पाएगा। उनको बचाने की पूरी कोशिश की गई है।

प्रसाद ने कहा, भगोड़े नीरव मोदी के पक्ष में कांग्रेस पार्टी के नेता अभय थिप्से की लंदन के वेस्टमिंस्टर कोर्ट में गवाही से कांग्रेस का असली चेहरा बेनकाब हो गया है। भाजपा इस पूरे प्रकरण की कड़ी भर्त्सना करती है। प्रसाद ने कहा कि थिप्से 2018 में कांग्रेस में शामिल हुए और कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी, अशोक गहलोत और अशोक चव्हाण से मुलाकात भी की। केंद्रीय विधि मंत्री ने आरोप लगाया कि थिप्से व्यक्तिगत हैसियत से नहीं बल्कि कांग्रेस की तरफ से काम कर रहे हैं। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि एक तरफ राहुल भारत में नीरव मोदी को लेकर सवाल पूछते हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस के नेता अभय थिप्से अदालत में नीरव के लिए गवाही देते हैं... ऐसे में राहुल गांधी और कांग्रेस बताएं कि आखिर वे क्या चाहते हैं। प्रसाद ने आरोप लगाया, ऐसी ठोस संदिग्ध परिस्थितियां मौजूद है कि हम यह कह सकते हैं कि कांग्रेस नीरव मोदी को बचाने का पूरा प्रयास कर रही है। केंद्रीय विधि मंत्री ने दावा किया कि इस घटनाक्रम से विपक्षी पार्टी का चेहरा बेनकाब हो गया है जो हमेशा भगोड़े नीरव मोदी और उसके रिश्तेदार मेहुल चोकसी को बचाने का प्रयास कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय जांच एजेंसियां थिप्से के बयान का प्रभावी जवाब देंगी। उन्होंने दावा किया कि नीरव मोदी से संबंधित मामले कांग्रेस के शासन के हैं ओर संप्रग। और संप्रग 2 के समय गैर कानून तरीके से नीरव मोदी और मेहुल चोकसी को फायदा पहुंचाया गया।

देशभर में लॉकडाउन के बीच अहमदाबाद में रेलवे स्टेशन जाने के लिए कतारबद्ध बैठकर वाहन का इंतजार करते हुए यात्री

क्विक न्यूज

ओडिशा में जोड़े ने सादे समारोह में की शादी, बचे हुए पैसे का एक हिस्सा मुख्यमंत्री कोष में दान किया

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले मे एक जोड़े ने सादे समारोह में शादी की और इसके आयोजन के लिए रखे हुए धन का एक हिस्सा कोविड-19 से निपटने में राज्य की सहायता के लिए दान कर दिया। दूल्हा ज्योति रंजन स्वैन ने कहा कि दोनों परिवारों ने शादी के लिए व्यापक योजना बनाई थी। लेकिन जोड़े ने सादे ढंग से शादी करने का फैसला किया और मुख्यमंत्री राहत कोष में 10,000 रुपए का दान दिया। जिले के इरासामा प्रखंड के रहने वाले स्वैन ने कहा, हमने पहले एक भव्य समारोह की व्यवस्था की थी। लेकिन लॉकडाउन की वजह से योजना बाधित हो गई। इसलिए हमने शादी के लिए बचाए गए धन का एक हिस्सा महामारी से निपटने के लिए राज्य के कोष में दान करने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व आठ अन्य निर्विरोध निर्वाचित

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और आठ अन्य उम्मीदवारों को बृहस्पतिवार को राज्य विधान परिषद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। उद्धव ठाकरे के अलावा विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरे (शिवसेना), रणजीत सिंह मोहिते पाटिल, गोपीचंद पाडलकर, प्रवीण दटके और रमेश कराड (सभी भाजपा) को भी निर्वाचित घोषित किया गया है। निर्वाचित होने वाले उम्मीदवारों में राकांपा के शशिकांत शिंदे और अमोल मितकरी तथा कांग्रेस के राजेश राठौड़ शामिल है। ए सभी उम्मीदवार विधान परिषद की उन नौ सीटों के लिए मैदान में थे जो 24 अप्रैल को खाली हुई थी। एक अधिकारी ने कहा,"वे सभी निर्विरोध चुने गए। उन्होंने बताया कि नामांकन वापस लेने की समय सीमा दोपहर तीन बजे समाप्त हो जाने के बाद परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित किए गए। इस चुनाव के साथ 59 वर्षीय ठाकरे पहली बार विधायक बने है। वह शिवसेना के अध्यक्ष भी है। उन्होंने पिछले साल 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और उन्हे 27 मई से पहले विधानमंडल के दोनों सदनों में से किसी एक का सदस्य बनना जरूरी था।

बंगाल के तेलिनीपाड़ा में हुई हिंसा के संबंध में 129 गिरफ्तार

कोलकाता, हुगली। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तेलिनीपाड़ा में दो समुदायो के बीच हुई हिंसक झड़प में शामिल होने के आरोप में अब तक कुल 129 व्यक्तियो को गिरफ्तार किया जा चुका है। राज्य के गृह विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विभाग की ओर से यह भी कहा गया कि कुछ लोग अपने राजनीतिक हित साधने के लिए सांप्रदायिक विषाणु फैलाने की कोशिश कर रहे है। गृह विभाग ने ट्वीट किया, तेलिनीपाड़ा, हुगली में अशांति फैलाने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्वाई की गई है। अभी तक 129 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। बड़ी संख्या में बल के साथ वरिष्ठ अधिकारी चौबीस घंटे क्षेत्र में गश्त लगा रहे है। विभाग ने कहा कि प्रशासन शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और कुछ लोग अपने राजनीतिक हित साधने के लिए सांप्रदायिक विषाणु फैलाने की कोशिश कर रहे है। ऐसे लोगों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्वाई की जा रही है। रविवार को तेलिनीपाड़ा में एक समुदाय के कुछ लोगो ने कथित तौर पर दूसरे समुदाय को कोरोना कहा जिससे उपजे विवाद ने हिंसक झड़प का रूप ले लिया था। रविवार रात को तेलिनीपाड़ा में स्थित विक्टोरिया जूट मिल क्षेत्र में दो समुदायो के लोगो के बीच हुई हिंसक झड़प में कई दुकानो में तोड़फोड़ की गई।

शिवसेना ने आर्थिक पैकेज पर पूछा क्या भारत अभी आत्मनिर्भर नहीं है?

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज पर सवाल खड़े करते हुए पूछा कि क्या भारत अभी आत्मनिर्भर नहीं है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में पूछा गया है कि 20 लाख करोड़ रुपए का प्रबंध कैसे किया जाएगा। पार्टी ने अपने मुखपत्र में कहा कि एक ऐसा माहौल तैयार करने की जरूरत है जहां उद्योगपतियों, कारोबारियों और बिजनेस क्षेत्रों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

सामना में कहा गया कि आत्मनिर्भरता के इस नए रास्ते पर भारत उद्योगपतियों के देश से बाहर चले जाना वहन नहीं कर सकता है और इसके लिए कुछ समय तक प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी राजनीतिक संस्थाओं पर विराम लगाया जाना चाहिए। शिवसेना ने कहा कि देश को बताया जा रहा है कि यह पैकेज लघु, छोटे और मध्यम प्रतिष्ठानों, गरीब श्रमिकों, किसानों और आयकर देने वाले मध्य वर्ग को फायदा पहुंचाएगा। मराठी भाषा में प्रकाशित होने वाले सामना में कहा गया है, केंद्र सरकार के अनुसार यह पैकेज 130 करोड़ भारतीय लोगों तक पहुंचेगा और देश आत्मनिर्भर बनेगा। क्या इसका मतलब यह है कि भारत मौजूदा समय में आत्मनिर्भर नहीं है? सामना में कहा गया कि यह अच्छा है कि भारत में पीपीई और एन-95 मास्क का उत्पादन हो रहा है। सामना में कहा गया, कोई भी देश संकट और संघर्षों से सीखने के बाद आगे बढ़ता है। आजादी से पहले भारत में एक सूई का भी उत्पादन नहीं होता था लेकिन 60 वर्षों में भारत विज्ञान, तकनीक, कृषि, कारोबार, रक्षा, उत्पादन और परमाणु विज्ञान क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना। सामना में कहा गया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) जैसे संस्थान पीपीई किट के निर्माण में मदद कर रहे हैं जो कि आत्मनिर्भर भारत का हिस्सा है। शिवसेना ने इस पर भी सवाल पूछे हैं कि 20 लाख करोड़ रुपए वाले पैकेज के लिए धन कैसे जुटाए जाएंगे। शिवसेना ने कहा, ऐसा माहौल तैयार करने की जरूरत है जहां उद्योगपतियों, कारोबार और बिजनेस क्षेत्र को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सामना में कहा गया, आत्मनिर्भरता के रास्ते में भारत उद्योगपतियों का देश छोड़कर जाना वहन नहीं कर सकता है और इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी संस्थाओं को कुछ समय के लिए लॉकडाउन करने की जरूरत है। सामना में पूछा गया कि लॉकडाउन-4 और आर्थिक पैकेज की घोषणा के बाद भी इसका असर शेयर बाजार में क्यों नहीं दिखा? मुखपत्र में कहा गया, निवेशक दुविधा में हैं।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को भरोसा और समर्थन जरूर दिखाना चाहिए। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा, पहले पंडित नेहरू थे और अब मोदी हैं। अगर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने डिजिटल इंडिया की नींव नहीं डाली होती तो कोरोना वायरस के समय में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों तथा नौकरशाहों का वीडियो कॉन्फ्रेंस कॉल कैसे होता। शिवसेना ने प्रधानमंत्री मोदी से सहमति दिखाते हुए कहा कि कोरोना वायरस लंबे समय तक रहेगा लेकिन जीवन को इसके आस-पास ही घूमते नहीं रहना है। शिवसेना ने कहा, हमें अपने पैरों पर फिर से खड़े होना होगा।

भाजपा नेता राम शिंदे ने विधान परिषद चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर असंतोष जताया

भाषा। मुंबई

भाजपा के वरिष्ठ नेता एकनाथ खड़से के बाद पार्टी के एक और नेता तथा महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री राम शिंदे ने 21 मई को होने वाले विधान परिषद चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर असंतोष जताया है। भाजपा ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव की चार सीटों के लिए रमेश कराड, गोपीचंद पाडलकर, प्रवीण दतके और रंजीतसिंह मोहिते को उम्मीदवार बनाया है। नौ सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए नौ ही उम्मीदवार बचे हैं, लिहाजा उनका निर्वाचन महज औपचारिकता बची है। राम शिंदे को पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करजात-जामखेड़ सीट से राकांपा उम्मीदवार रोहित पवार के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था। हाल ही में उन्होंने विधान परिषद चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की इच्छा जताई थी, लेकिन अंतिम सूची में उनका नाम नहीं आया। मंगलवार को अंतिम समय पर हुए नाटकीय घटनाक्रम में भाजपा ने डॉक्टर अजित गोपछड़े से लातूर से आने वाले रमेश कराड के लिए नामांकन वापस लेने के लिए कहा था। कराड पहले ही नामांकन पत्र दाखिल कर चुके थे। करोड़ को भाजपा की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे का करीबी माना जाता है। पंकजा को पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में पर्ली सीट से हार का सामना करना पड़ा था। राम शिंदे ने बुधवार को अपने फेसबुक पोस्ट में कहा, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा था कि जिन लोगों को विधान परिषद चुनाव के लिए टिकट नहीं मिला है, उन्हें इस फैसले को समझना और इससे सीखना चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे लगता है कि पंकजाताई मुंडे ने अपना गुणा-भाग सही ढंग से किया और रमेश कराड अंतिम चार उम्मीवारों में जगह बनाने में कामयाब रहे। मैं और कुछ अन्य लोग अपने पत्ते उस तरह से नहीं खेल सके। इससे पहले भाजपा के ही एक वरिष्ठ नेता एकनाथ खड़से ने भी विधान परिषद चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी।

'चीन के साथ सीमा पर भारतीय सैनिक अपनी स्थिति पर कायम'

भाषा। नई दिल्ली

थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन के साथ सीमा पर भारतीय सैनिक अपनी स्थिति पर कायम हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास का काम चल रहा है। उनका यह बयान दोनों देशों के जवानों के बीच हिंसक झड़पों की दो अलग अलग घटनाओं के कुछ दिन बाद आया है।

उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख और उत्तरी सिक्किम में हुई घटनाओं में चीनी और भारतीय सैनिकों का व्यवहार आक्रामक था और इस वजह से दोनों पक्षों के जवानों को मामूली चोटें आईं। थल सेना प्रमुख ने कहा कि स्थानीय स्तर पर बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझा लिया गया। उन्होंने कहा कि यह दोहराया गया है कि इन दोनों घटनाओं का न तो आपस में कोई संबंध था और न ही उनका किसी अन्य वैश्विक या स्थानीय गतिविधियों से कोई संबंध था। वह गतिरोध के संबंध में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। जनरल नरवणे ने कहा,"ऐसी सभी घटनाओं के हल के लिए पहले से ही स्थापित तंत्र हैं जिनमें जहां दोनों ओर से स्थानीय अधिकारी परस्पर स्थापित प्रोटोकॉल और वुहान तथा मामल्लापुरम बैठकों के बाद प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए रणनीतिक दिशानिर्देशों के अनुसार मुद्दों का समाधान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक हमेशा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा,"मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हमारी उत्तरी सीमाओं पर बुनियादी क्षमताओं का विकास पटरी पर है। कोविड-19 महामारी के कारण हमारे बलों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं होगा। समझा जाता है कि हिंसक झड़प के नौ दिन बाद भी पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों देशों के सैनिक एक दूसरे पर नजर रख रहे हैं।

दूसरे राज्यों से मणिपुर लौटने वालों से सीएम बीरेन सिंह ने कहा, यात्रा इतिहास न छिपाएं

इम्फाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों से प्रदेश में लौटने वाले लोगो से कहा है कि वह अपने यात्रा इतिहास समेत कोई भी प्रासंगिक जानकारी नही छिपाएं। कोरोना वायरस महामारी के चलते जारी लॉकडाउन के कारण चेन्नई से मणिपुर के रहने वाले करीब 1440 लोग बुधवार को विशेष ट्रेन से यहां आए और उन सबको 14 दिन के पृथकवास में रखा गया है। सिंह ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा, यात्रा इतिहास को छिपाना विनाशकारी साबित हो सकता है और यह सभी के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण फंसे 1100 से अधिक लोगों के वापस आने से कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ प्रशासन के संघर्ष मे एक नए चरण की शुरूआत हुई है।

पेज एक का शेष

सरकार देगी...

मजदूरों के लिए मुफ्त राशन की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 3 हजार, 500 करोड़ रुपए का प्रावधान कर रहे हैं। प्रति व्यक्ति 5-5 किलो गेहूं या चावल और एक किलो चना प्रति परिवार दिया जाएगा। राज्य सरकारों पर इसे लागू करने की जिम्मेदारी होगी। प्रवासी किसी भी राशन कार्ड कार्ड से किसी भी राज्य की किसी भी दुकान से खाद्य सामग्री ले सकेंगे। वन नेशन वन राशन कार्ड अगस्त से लागू किया जाएगा। मार्च 2021 तक यह योजना पूरी तरह लागू हो जाएगी। इसके अलावा प्रवासी मजदूरों और शहरी गरीबों को सस्ते किराए पर मकान दिलवाने की योजना को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शामिल किया जाएगा। उद्योगपति अपनी जमीन पर ऐसे घर बनाते हैं तो उन्हें रियायत दी जाएगी। राज्य सरकारों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे। वित्त मंत्री के मुताबिक रेहड़ी पटरी वालों को 5000 करोड़ रुपए की विशेष ऋण सुविधा मिलेगी। एक महीने में सरकार योजना लागू करेगी। इससे 50 लाख रेहड़ी पटरी वालों को फायदा होगा। इस योजना के तहत रेहड़ी पटरी को 10,000 रुपए का फायदा मिलेगा। डिजिटल पेमेंट अपनाने पर उन्हें इनाम दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुद्रा शिशु लोन के तहत 50 हजार तक के लोन पर 2 फीसदी ब्याज योजना का लाभ 12 महीने दिया जाएगा। 3 करोड़ लोगों को इसका फायदा मिलेगा। इसके अलावा मध्यम आय वर्ग जिनकी सालाना आय 6 लाख से 18 लाख तक है। उनके लिए सस्ते आवास योजना के तहत क्रेडिट लिंक सब्सिडी स्कीम मार्च 2021 तक बढ़ाई जा रही है। इससे 2.5 लाख लोगों को फायदा होगा। आदिवासी इलाकों, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़े, इसके लिए 6000 करोड़ के कैम्पा फंड का इस्तेमाल किया जाएगा।

बेसहारा निकले...

सुधीर (22), दिनेश पाल (42) और गंगा पाल (45) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि घायलों का गुना के अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से घायल नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया बस चालक की लापरवाही सामने आई है। बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आगे कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि बाईपास पर बस चालक खाली बस चलाते हुए रांग साइड से आ रहा था जबकि मजदूर ट्रक में सवार थे। पुलिस के अनुसार गुना में मारे गये श्रमिक उत्तर प्रदेश के उन्नाव और रायबरेली जिले के निवासी थे और ट्रक प्रवासी मजदूरों को उन्नाव लेकर जा रहा था। जिलाधिकारी एस विश्वनाथन ने बताया कि घायलों को शाम तक अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। इसके बाद प्रशासन द्वारा इन सभी को सुरक्षित घर भेजने की व्यवस्था की जाएगी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुना हादसे में श्रमिकों के बचाव में लगे पुलिसकर्मियों को कोविड-19 के एहतियात के तौर पर पृथक किया गया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रवासी मजदूरों की मौत पर शोक व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज कराने के निर्देश दिये हैं। लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुना सड़क दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के प्रवासी कामगारों/श्रमिकों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। योगी ने अधिकारियों को मध्य प्रदेश सरकार से समन्वय कर सभी घायलों का समुचित उपचार कराने तथा मृतकों के पार्थिव शरीर उनके परिजनों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली-सहारानपुर रोड पर उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर में रोडवेज की एक बस ने पंजाब से बिहार अपने घर पैदल लौट रहे प्रवासी श्रमिकों को रौंद दिया। इस हादसे में छह श्रमिकों की मौत हो गयी और छह गंभीर रुप से घायल हो गये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने बताया कि हादसा मुजफ़्फ़रनगर से करीब 20 किलोमीटर दूर घलौली चेक पोस्ट और रोहाना टोल प्लाज के बीच में बुधवार और गुरुवार की रात को हुआ। उन्होंने बताया कि बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मेडिकल जांच में पुष्टि हुई है कि बस चालक राजबीर शराब की नशे में था। प्रवासी श्रमिकों को उनके घर छोड़ने के बाद उत्तर प्रदेश रोजवेज की बस सहारनपुर से आगरा वापस जा रही थी। लखनऊ में सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सहारनपुर आयुक्त से घटना की जांच करने के आदेश दिये हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घायलों की समुचित उपचार और मृतकों के शवों को बिहार में उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिये हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे में मारे गये मृतकों की पहचान भोजपुर का गुड्डू (18), पटना का निवासी, तथा गोपालगंज के रहने वाले वीरेन्द्र सिंह (28), हरेक सिंह (52) और उनका पुत्र विकास (22), वासुदेव (22),और हरीश साहनी (42) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। ये सड़क हादसे औरंगाबाद ट्रेन हादसे के कुछ दिन बाद हुए हैं। महाराष्ट्र में औरंगाबाद के पास 8 मई को पटरियों पर सो रहे मध्यप्रदेश के 16 प्रवासी श्रमिकों की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गयी थी।

सोशल डिस्टेंसिंग...

पहचान वर्गीकृत अथवा गोपनीय के तौर पर की गई है उन्हें वर्क फ्रॉम होम के दौरान तब तक प्रोसेस में नहीं डाला जाए जब तक गृह मंत्रालय के परामर्श से राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआईसी) द्वारा मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकोल को अभेद्य बनाने के लिए दिशा निर्देश और ई-ऑफिस से इन पर काम करने संबंधी एसओपी नहीं बना ली जाती। कोविड 19 की महामारी को रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान घर से काम करने वाले अधिकारियों और स्टाफ को वीडियो कॉंफ्रेंसिग के दौरान न सिर्फ ऑफिस के उपयुक्त वेशभूषा में रहना पड़ेगा बल्कि कार्यालय अनुकूल परिवेश भी बनाए रखना जरूरी होगा। केंद्रीय कर्मचारियों की कुल संख्या 48.34 लाख है। कोरोना संग जिंदगी की तैयारी में जुटे कार्मिक मंत्रालय का कहना है कि यह पहल इसलिए की जा रही है क्योंकि वायरस ने अनेक मंत्रालयों को सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए घर से काम करने का तरीका अपनाने पर बाध्य कर दिया है। इस बात की भी संभावना है कि आने वाले दिनों में केंद्रीय सचिवालय निर्धारित संख्या में कम उपस्थिति और अलग अलग घंटों में काम करना जारी रखे ताकि सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे। महामारी से मुकाबले की नीति के तहत अनेक मंत्रालयों और विभागों ने नेशलन इनफॉरमेटिक्स सेंटर (एनआईसी) द्वारा मुहैया कराई गई ई ऑफिस और वीडियो कॉंफ्रेंसिग जैसी सुविधाएं अपनाकर शानदार नतीजे दिए हैं। भारत सरकार में ऐसा अनुभव पहली बार हुआ है।

भगोड़े माल्या...

माल्या की अपील खारिज कर दी थी। ताजा फैसले को प्रनाउन्समेंट (घोषणा) कहा गया है यानी भारत-ब्रिटेन प्रत्यर्पण संधि के तहत ब्रिटेन का गृह कार्यालय अब माल्या को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के अदालत के आदेश को 28 दिन के भीतर औपचारिक रूप से प्रमाणित कर सकता है। लंदन की रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस में लॉर्ड जस्टिस स्टीफन इरविन और जस्टिस एलिजाबेथ लाइंग की दो सदस्ईय पीठ ने फैसले में कहा, अदालत ने सुप्रीम कोर्ट में अपील के मद्देनजर आम सार्वजनिक महत्व के विधि के प्रश्न को प्रमाणित नहीं करने के अपने इरादे को प्रकट कर दिया है। अदालत ने ब्रिटेन के प्रत्यर्पण कानून 2003 की धारा 36 और धारा 118 के तहत 28 दिन की जरूरी अवधि तय की है जिसके भीतर प्रत्यर्पण प्रक्रिया होनी चाहिए। ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने कहा कि माल्या की विधि के प्रश्न (प्वाइंट ऑफ लॉ) को प्रमाणित करने की अपील सभी तीनों आधारों पर खारिज हो गई, जिनमें मौखिक दलीलों पर सुनवाई, तैयार किए गए सवालों पर प्रमाणपत्र देना और सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए अनुमति देना शामिल हैं। इससे पहले माल्या ने बृहस्पतिवार को ट्वीट कर भारत सरकार द्वारा उस पर बकाया देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पैसा लेने की अपील दोहराई। माल्या ने कहा, बिना शर्त मेरा धन ले लीजिए और मामले को बंद कीजिए। सैद्धांतिक रूप से अगले कदम के तौर पर माल्या अपने प्रत्यर्पण को इस आधार पर रोकने के लिए यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स (ईसीएचआर) में आवेदन कर सकता है कि उसे निष्पक्ष सुनवाई का मौका नहीं मिलेगा और उसे हिरासत में लिया जाएगा जो यूरोपियन कन्वेंशन ऑन ह्यूमन राइट्स के अनुच्छेद 3 की शर्तों का उल्लंघन होगा। इस समझौते में ब्रिटेन भी एक पक्ष है।

आयुर्वेद में...

और औद्योगिक अनुसंधान संगठनों में से एक है, जबकि आयुष मंत्रालय योग, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए काम करता है। इस बीच, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने गिवेड की एंटीवायरल ड्रग रिमेडीसिविर को मई में कोविड-19 रोगियों पर इमरजेंसी में उपयोग की इजाजत दे दी है।

रेल यात्रियों...

बुक कराए थे। उस समय सभी ट्रेनें चल रही थीं और जून या उससे आगे के रिजर्वेशन हो रहे थे। रेलवे के बयान में यह भी कहा गया है कि प्रवासियों को घर तक पहुंचाने के लिए चलाई गईं श्रमिक और दिल्ली से विभिन्न 15 शहरों के लिए शुरू हुईं स्पेशल यात्री ट्रेनें भी चलती रहेंगी। पिछले महीने रेलवे ने लॉकडाउन से पहले बुक किए गए 94 लाख टिकट रद्द किए थे और इनके बदले यात्रियों को 1,490 करोड़ रुपये लौटाए थे। लॉकडाउन के पहले चरण में 22 मार्च से 14 अप्रैल के बीच जिन लोगों ने अपनी रेल यात्रा की योजना बनाई थी, उनके टिकट भी रद्द हो गए थे और उनहें 830 करोड़ रुपये लौटाए गए। मालूम हो कि कोरोना वायरस के प्रसार के साथ ही बीते 22 मार्च से जरूरी सामान ढोने वाली ट्रेनों को छोड़ सभी यात्री ट्रेनों के पहिए थम गए थे। आगामी 17 तक लॉकडाउन का तीसरा चरण और प्रधानमंत्री मोदी चौथे चरण में भी लॉकडाउन को बढ़ाने का ऐलान कर चुके हैं। फ्लिहाल 17 मई तक रेल टिकटों की बुकिंग नहीं होगी।

देश में...

दीव, सिक्किम, नगालैंड तथा लक्षद्वीप से भी अब तक कोई मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के बयान में हर्षवर्धन के हवाले से कहा गया, यह खुशी की बात है कि पिछले तीन दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की दोगुने होने की दर सुधरकर 13.9 दिन हो गई है जो पिछले 14 दिन में 11.1 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटे में कोविड-19 से मौत के 134 मामले आए हैं और संक्रमण के 3,722 नए मामले सामने आए हैं। हर्षवर्धन ने कहा कि अब तक 26,235 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं और बुधवार को लोगों के स्वस्थ होने की दर 32.83 प्रतिशत से सुधरकर 33.6 प्रतिशत हो गई है वहीं मृत्यु दर 3.2 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि बुधवार को आईसीयू में कोविड-19 के तीन प्रतिशत मरीज थे, वेंटिलेटरों पर 0.39 फीसदी रोगी थे वहीं ऑक्सीजन पर 2.7 प्रतिशत रोगी थे। हर्षवर्धन ने इस मौके पर कोबास 6800 जांच मशीन देश को समर्पित की। जांच क्षमता बढ़ाने के संदर्भ में मंत्री ने कहा, हमने अब प्रति दिन एक लाख नमूनों की जांच की क्षमता विकसित कर ली है। आज एक महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि हमने अब तक देश में 500 से ज्यादा प्रयोगशालाओं (359 सरकारी और 145 निजी) में कोविड-19 के करीब 20 लाख नमूनों की जांच कर ली है। उन्होंने बताया कि कोबास 6800 मशीन पहली पूरी तरह स्वचालित अत्याधुनिक मशीन है जिससे कोविड-19 की पीसीआर जांच का परिणाम उसी समय मिल जाता है। सरकार ने इस मशीन को खरीदा है और एनसीडीसी में इसे लगाया गया है। हर्षवर्धन ने कहा, कोबास 6800 से 24 घंटे में 1200 नमूनों की जांच की रफ्तार से गुणवत्ता पूर्ण परिणाम प्राप्त किए जा सकेंगे। इससे जांच क्षमता बढ़ेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मशीन की अन्य विशेषताओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह रोबोटिक आधारित है जिससे स्वास्थ्यकर्मियों में संक्रमण और प्रदूषण की आशंका बहुत कम होगी क्योंकि इसे दूर से संचालित किया जा सकेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस मशीन को किसी भी केंद्र में नहीं रखा जा सकता। यह वायरस हेपेटाइटिस बी और सी तथा एचआईवी आदि की भी जांच कर सकती है। हर्षवर्धन ने नियंत्रण कक्ष और जांच प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया तथा एनसीडीसी के निदेशक डॉ एस के सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जांच की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की।

कोरोना से...

'तेजी से बाल अधिकार संकट बनता जा रहा है और तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो पांच साल से कम उम्र के और 6,000 बच्चों की रोजाना मौत हो सकती है।' यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक हेनरीटा फोरे ने मंगलवार को कहा, 'स्कूल बंद हैं, अभिभावकों के पास काम नहीं है और परिवार चिंतित हैं।' उन्होंने कहा, 'जब हम कोविड-19 के बाद की दुनिया की कल्पना कर रहे हैं, ऐसे में ये फंड संकट से निपटने और इसके प्रभाव से बच्चों की रक्षा करने में हमारी मदद करेंगे।' रोके जा सकने वाले कारणों से आगामी छह महीने में 6,000 और बच्चों की मौत का अनुमान अमेरिका स्थित 'जॉन्स हॉपिकन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' के अनुसंधानकर्ताओं के विश्लेषण पर आधारित है। यह विश्लेषण बुधवार को 'लांसेट ग्लोबल हेल्थ' पत्रिका में प्रकाशित हुआ। फोरे ने कहा कि सबसे खराब बात यह है कि पांचवें जन्मदिन से पहले मारे जाने वाले बच्चों की संख्या 'दशकों में पहली बार' बढ़ सकती। इसके अलावा छह महीनों में करीब 56,700 और मांओं की मौत हो सकती है।

जोर की...

से काफी राहत दी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में आंधी और बारिश होने की संभावना जताई है। हालांकि दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार के बाद मौसम साफ होने लगेगा और तेज गर्मी लौटेगी। तापमान 40 डिग्री के आसपास रहेगा।

बलबीर सिंह सीनियर की हालत स्थिर, अब भी वेंटीलेटर पर

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी और तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदकविजेता बलबीर सिंह सीनियर की स्थिति स्थिर बनी हुई है और उन्हें अब भी जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। इस 96 वर्षीय दिग्गज को निमोनिया के कारण शुक्रवार को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें बृहस्पतिवार की सुबह भी दो बार दिल का दौरा पड़ा और तब से उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। बलबीर सीनियर के नाती कबीर ने भाषा को बताया, नानाजी को कल (बुधवार) सुबह दो बार दिल का दौरा पड़ा लेकिन उसके बाद उनकी हालत नहीं बिगड़ी।

रोनाल्डिन्हो के 70 दिन तक हिरासत में रहने के बाद स्वदेश लौटने की संभावना

आसुनसियोन। ब्राजील के दिग्गज रोनाल्डिन्हो के वकील को उम्मीद है कि इस पूर्व फुटबालर को जाली पासपोर्ट के कारण पराग्वे में दो महीने से भी अधिक समय हिरासत में बिताने के बाद स्वदेश लौटने की अनुमति मिल जाएगी। बचाव पक्ष के वकील ने एएफपी से कहा, हम रोनाल्डिन्हो और उनके भाई को स्वदेश लौटने की अनुमति देने के लिए अभियोजन पक्ष को समझाने की उम्मीद कर रहे हैं।

बेसिकटास क्लब के स्टाफ में आठ कोविड–19 पॉजिटिव

इस्तांबुल। इस्तांबुल फुटबाल क्लब बेसिकटास ने गुरूवार को कहा कि खिलाड़ियों और कर्मचारियों की चिकित्सीय जांच में आठ लोग कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए गए। एक महीने बाद फुटबाल मैच शुरू होने है। बेसिकटास ने बयान जारी करते हुए कहा कि परीक्षण फुटबालरों, तकनीकी समिति के सदस्यों और स्टाफ के कराए गए थे जिसमें कोई जानकारी नहीं दी गई कि कौन वायरस पॉजिटिव पाया गया है।

तुर्की के फुटबॉलर ने कोरोना संक्रमण के शिकार बेटे की हत्या की

अंकारा। तुर्की के अधिकारियों ने पूर्व शीर्ष फुटबॉलर को गिरफ्तार किया है जिसने कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज करा रहे अपने पांच वर्षीय बेटे की हत्या की बात स्वीकार की। केवेहर टोकटास ने खुद को पुलिस के हवाले किया। उसने कबूल किया कि उसने चार मई को अपने बेटे की गला घोटकर हत्या कर दी थी।

फेरारी में वेटल की जगह लेंगे सेंज

पेरिस। स्पेनिश ड्राइवर कार्लोस सेंज फार्मूला वन के अगले सत्र में फेरारी टीम में चार बार के विश्व चैंपियन सेबेस्टियन वेटल की जगह लेंगे। इतालवी टीम ने गुरुवार को यह घोषणा की। स्कूडेरिया फेरारी को यह घोषणा करते है।

धोनी परंपरा से हटकर, बेहतरीन कप्तान : डुप्लेसिस

● बेहतरीन कप्तान, लेकिन अंदर से स्थिति भांपना उनकी सबसे बड़ी ताकत

भाषा। नई दिल्ली

चेन्नई सुपरकिंग्स के सदस्य फाफ डु प्लेसिस का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी परंपरा से हटकर और बेहतरीन नेतृत्वकर्ता हैं जिनकी सबसे बड़ी ताकत है मैदान पर स्थिति को बेहतरीन ढंग से भांपना है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान 2011 में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े थे जिसके बाद उन्होंने धोनी के साथ काफी समय बिताया है और वह टीम की सफल यात्रा का अहम हिस्सा रहे हैं। डुप्लेसिस ने बांग्लादेश के वनडे कप्तान तमीम इकबाल के साथ फेसबुक लाइव सत्र में कहा, वह दूसरे खिलाड़ियों को बखूबी समझ लेता है और वह इसका इस्तेमाल मैदान पर तुरंत फैसले लेने में करता है। उसे खेल पर काफी अच्छा अनुभव है जिससे वह स्थितियों को भांप लेता है और यह उसकी सबसे बड़ी ताकत है। पैंतीस साल के खिलाड़ी ने कहा कि धोनी ने उस धारणा को बदल दिया है कि कप्तान कैसा होना चाहिए। मेरे लिए यह काफी शानदार था कि एम एस बतौर कप्तान कितना अलग है। मुझे लगता था कि कप्तान को टीम बैठकों में पूरे समय बोलते रहना चाहिए आदि लेकिन एम एस पूरी तरह अलग था। वह काफी टीम बैठकों में विश्वास नहीं करता। वह काफी नैसर्गिक कप्तान है, उसे क्रिकेट की इतनी अच्छी समझ है कि वह मैदान पर सही फैसले करने में इन पर निर्भर रहता है। धोनी ने भारत के लिए अंतिम मैच पिछले साल विश्व कप सेमीफाइनल में खेला था और उनके इंडियन प्रीमियर लीग से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की उम्मीद थी जिसे स्थगित कर दिया गया। वह अभी तक जिनके साथ खेले हैं, उनमें धोनी सर्वश्रेष्ठ फिनिशर हैं और कोई भी उनका अनुकरण नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, वह बहुत ही शांत है। मैं उनसे बेहतर फिनिशर के साथ नहीं खेला हूं। मैदान में उन्हें देखना शानदार है। अगर कोई उनके जैसा बनने की कोशिश करता है तो वह ऐसा नहीं कर पाएगा। वह काफी अलग है जैसे वह गेंद को इतनी देर से हिट करता है, जो उनकी शांत प्रवृति को दिखाता है। वह अपने खेल को जानता है और वह गेंदबाज को मर्जी से हिट करता है।

टी20 विश्व कप से पहले और बाद में दो हफ्ते खिलाड़ियों को पृथक रखने का सुझाव दिया

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज फाफ डुप्लेसिस ने टी20 विश्व कप का आयोजन इस साल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराने के लिए सुझाव दिया है कि टूर्नामेंट से पहले और बाद में खिलाड़ियों को दो हफ्ते तक पृथक रखा जा सकता है। अन्य खेलों की तरह कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर मे क्रिकेट गतिविधियां भी ठप्प पड़ी है। आस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप का भविष्य भी अनिश्चित है। बांग्लादेश के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान तमीम इकबाल से बात करते हुए डुप्लेसिस ने कहा कि आस्ट्रेलिया में इस घातक बीमारी का अधिक असर नही होने के बावजूद यात्रा करना समस्या होगी। मुझे नही पता... पढ़ रहा हूं कि यात्रा करना कई देशों के लिए समस्या हो सकती है और वे दिसंबर या जनवरी की बात कर रहे है। आस्ट्रेलिया अन्य देशों जितना प्रभावित नही है फिर भी बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका या भारत से लोगों को लाना जहां अधिक खतरा है, बेशक ए उनके स्वास्थ्य को लेकर खतरा है। लेकिन आप टूर्नामेंट से दो हफ्ते पहले पृथक रह सकते हो और फिर टूर्नामेंट में खेल सकते हो और फिर दो हफ्ते पृथक रहो। दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और भारत सहित दुनिया भर के कई देशों से यात्रा संबंधित पाबंदियां लगाई है और डुप्लेसिस ने मजाकिया लहजे में कहा कि पुराने दिनों की तरह नाव से यात्रा करना विकल्प नही है।

हॉकी खिलाड़ियों ने रीजीजू से ट्रेनिंग शुरू करने का अनुरोध किया, मंत्री ने आश्वासन दिया

नई दिल्ली। भारत के हॉकी खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग नहीं होना निश्चित रूप से चिंता का विषय है लेकिन उन्हें घर की कमी महसूस हो रही है और यह बात उन्होंने गुरूवार को खेल मंत्री किरेन रीजीजू को ऑनलाइन बातचीत में बताई जिन्होंने उन्हें जल्द ही नियंत्रित अभ्यास शुरू करने का आश्वासन दिया। रीजीजू ने दोहराया कि मैदानी ट्रेनिंग तभी शुरू होगी जब भारतीय खेल प्राधिकरण की छह सदस्ईय समिति द्वारा मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) बना दी जाएगी। खेल मंत्री ने 34 पुरूष और 24 महिला खिलाड़ियों के साथ इस ऑनलाइन बैठक में शांति से उन्हें सुना और फीडबैक लिया। एसओपी बनाई जा रही है और हमारे पास कोचों और हाकी खिलाड़ियों की राय भी है। हम जल्द ही अभ्यास शुरू करेंगे लेकिन नियंत्रित तरीके से। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें कोरोना वायरस के कारण 25 मार्च से लगे लॉकडाउन के शुरू से ही बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में हैं। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि हम मैदान पर ट्रेनिंग के लिए अपने खिलाड़ियों को पूरा सहयोग देंगे लेकिन हमें सतर्क रहना होगा।

लंबी अवधि के लक्ष्य तनाव पैदा करते हैं, मुझे छोटे लक्ष्य पसंद हैं : रोहित

मुंबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि लंबी अवधि के लक्ष्य खिलाड़ी पर तनाव और दबाव डाल सकते है और इसलिए उन्हें छोटी अवधि के लिए लक्ष्य निर्धारित करना पसंद है और वह भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे। अब तक 32 टेस्ट और 224 वनडे खेलने वाले रोहित ने कहा कि वह श्रृंखला शुरू होने से पहले अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करते है। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड मे कहा, इन वर्षो मे मुझे अहसास हुआ कि लंबी अवधि के लक्ष्य आपकी किसी तरह से मदद नही करेंगे। मै हमेशा छोटी अवधि के लक्ष्यो पर ध्यान देता हूं जो कि अगले कुछ मैचों या दो-तीन महीनों के लिए होते है। प्रत्एक श्रृंखला या टूर्नामेंट के लिए लक्ष्य निर्धारित करने से मुझे काफी मदद मिलती है और मै भविष्य मे भी इस पर कायम रहूंगा। मुझे उम्मीद है कि हमे क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा लेकिन हम नही जानते कि हम फिर से कब खेलेंगे।

ऐसा नहीं है कि मैं तेज गेंदबाजों का सामना नहीं करना चाहता : धवन

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा कि वह तेज गेंदबाजों का सामना अच्छी तरह से कर सकते है लेकिन इसके साथ ही स्वीकार किया कि जब भी तेज गेंदबाज गेंदबाजी का आगाज करता है तब वह पारी की पहली गेंद का सामना नही करना चाहते है। धवन अपने सलामी जोड़ीदार रोहित शर्मा और सनराइजर्स हैदराबाद के अपने पूर्व साथी डेविड वार्नर की हाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया कर रहे थे। धवन ने पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफान पठान के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत मे कहा, नही, नही, मै इससे असहमत हूं। ऐसा नही है कि मै तेज गेंदबाजो का सामना नही करना चाहता हूं। हर किसी की अपनी राय होती है। मै सलामी बल्लेबाज हूं। मै पिछले आठ साल से भारत के लिए यह भूमिका निभा रहा हूं इसलिए मुझे निश्चित तौर पर तेज गेंदबाजो का सामना करना होता है। अगर मै पहले ओवर मे उनका सामना नही करता हूं तो मुझे दूसरे ओवर मे तो उनका सामना करना ही होगा। धवन ने अपने पदार्पण के बाद कई अच्छी पारियां खेली है लेकिन वह उनके सलामी जोड़ीदार रोहित शर्मा है जो कप्तान विराट कोहली के साथ टीम की बल्लेबाजी के मुख्य कर्णधार के रूप मे उभरे है। पहले स्ट्राइक नही लेने को लेकर उनकी राय स्पष्ट है लेकिन उन्होंने इसे मानसिकता से जुड़ा मसला बताया। हां, मै मैच की पहली गेंद पर स्ट्राइक लेना पसंद नही करता और इसको लेकर मै पूरी तरह से ईमानदार हूं लेकिन जब पृथ्वी सॉव जैसा कोई युवा टीम मे आता है और वह पहली गेंद खेलने को लेकर असहज रहता है तो निश्चित तौर पर मै स्ट्राइक लूंगा। लेकिन रोहित के साथ इसकी शुरूआत चैंपियन्स ट्राफी से हुई जहां मैने उससे स्ट्राइक लेने को कहा और यह आगे भी जारी रहा क्योंकि मै चीजो मे बहुत बदलाव पसंद नही करता। दिल्ली के इस खिलाड़ी ने कहा कि तेज गेंदबाजो के लिए अनुकूल परिस्थितियों मे तेज गेंदबाज का सामना करना किसी भी सलामी बल्लेबाज के लिए चुनौती होती है। बेशक अगर हम इंग्लैड में तेज गेंदबाजो के लिए अनुकूल परिस्थितियों में खेल रहे हो तो यह हर किसी के लिए चुनौतीपूर्ण होता है।

शताब्दी की गेंद के बाद मिली सफलता ने मेरी शख्सियत को दो हिस्सों में बांट दिया : वार्न

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वार्न ने कहा कि 1993 में शताब्दी की गेद फेंकने के साथ मिली सफलता ने उन्हे दो हिस्सो मे बांट दिया और परिणामो की परवाह किए बिना वर्तमान में जीने की उनकी आदत ने अक्सर उन्हे मुसीबत में डाला। वार्न ने अपने कैरियर मे कामयाबी और विवादो का समान रूप से सामना किया है। उन पर 2003 मे डोपिंग के कारण 12 महीने का प्रतिबंध लगा और वह विश्व कप नही खेल सके थे। 1993 मे शताब्दी की गेद डालने के बाद मिली सफलता ने उनके जीवन पर काफी असर डाला। उस गेंद पर उन्होने माइक गेटिंग को बोल्ड किया था। मै उस समय सिर्फ 23 साल का था। मुझे याद है कि लंदन मे विडमिल पब मे जाता था। मै मर्व ह्यूज के साथ जाता था और बाहर आने के बाद 25 . 30 फोटोग्राफर तस्वीरें लेने के लिए खड़े रहते थे। मेरे बारे मे हर बात छप जाती थी।

तेंदुलकर का कानूनी विवाद सुलझा, कंपनी ने माफी मांगी

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर ने बल्ला बनाने वाली कंपनी स्पार्टन के साथ आस्ट्रेलियाई फेडरल अदालत मे कानूनी लड़ाई खत्म करने का फैसला किया है चूंकि कंपनी ने अनुबंध के उल्लंघन के लिए माफी मांग ली है। तेदुलकर ने 2016 मे स्पार्टन के साथ विशेष प्रायोजन करार किया था। तेदुलकर का आरोप है कि स्पार्टन ने करार के तहत उन्हें रॉयल्टी और विज्ञापन फीस नही दी। स्पार्टन के सीओओ ने कहा कि स्पार्टन तेदुलकर से माफी मांगता है कि उनके प्रायोजन करार का उल्लंघन हुआ। हम इस विवाद को निपटाने मे तेंदुलकर के संयम की सराहना करते है।

सरकार पाबंदियों में ढील दे : धूमल

● खिलाड़ी 18 मई के बाद कौशल आधारित ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने खेल को दोबारा शुरू करने के खाके पर गुरूवार को कहा कि अगर चौथे चरण के राष्ट्रीय लॉकडाउन में पाबंदियों में ढील दी गई तो शीर्ष क्रिकेटर 18 मई के बाद कौशल आधारित आउटडोर ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं। कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देश भर में जारी लॉकडाउन के कारण सभी शीर्ष खिलाड़ी अपने घरों पर हैं और खुद को फिट रखने के लिए कुछ एक्सरसाइज कर रहे हैं। हां, बीसीसीआई विकल्पों पर विचार कर रहा है कि खिलाड़ी कैसे अपनी कौशल आधारित आउटडोर ट्रेनिंग शुरू करें लेकिन इसके बाद केंद्र सरकार से 18 मई के बाद अनुकूल दिशानिर्देश मिलने जरूरी हैं। विस्तार से पूछने जाने पर उन्होंने कहा, खिलाड़ी यात्रा नहीं कर सकते इसलिए हम विकल्पों पर विचार कर रहे हैं कि क्या वे अपने घरों के पास मैदान में कौशल ट्रेनिंग (नेट सत्र) शुरू कर सकते हैं। लॉकडाउन के बाद के चरण के लिए हमने खिलाड़ियों के लिए खाका तैयार किया है। उम्मीद है कि अगर खिलाड़ी स्थानीय मैदानों पर भी ट्रेनिंग करते हैं तो बल्लेबाज के लिए नेट सत्र में खिलाड़ी और तीन नेट गेंदबाज शामिल हो सकते हैं। फिलहाल सभी भारतीय खिलाड़ी वे फिटनेस ड्रिल कर रहे हैं जो उनके लिए उनके ट्रेनर निक वेब ने तैयार की है।

मोदगिल को खेल रत्न देने के लिए नामित किया

● जसपाल को द्रोणाचार्य पुरस्कार देने की सिफारिश

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने दिग्गज राइफल निशानेबाज अंजुम मोदगिल को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न जबकि कोच जसपाल राणा तो लगातार दूसरे साल द्रोणाचार्य पुरस्कारों के लिए नामित किया है। महासंघ के सूत्रों के अनुसार एनआरएआई ने प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कारों के लिए चैंपियन पिस्टल निशानेबाजों सौरभ चौधरी, अभिषेक वर्मा, मनु भाकर और राइफल निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान का नाम भेजा है। मनु और वलारिवान के नाम गुरुवार को सूची में जोड़े गए। एनआरएआई के अध्यक्ष रानिंदर सिंह ने बयान में कहा, हमारे निशानेबाजों के लिए पिछला सत्र शानदार रहा और इस बार चयन करना काफी मुश्किल था। जिन्हें भी चुना गया है मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि जो इस साल इस सूची में जगह नहीं बना पाए वे अपने प्रदर्शन से अगले साल हमें उन्हें इस सूची में जगह देने के लिए बाध्य करेंगे। मुझे लगता है कि सभी बराबर प्रतिभावान हैं और अपना इस तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो भविष्य में निश्चित तौर पर कई पुरस्कार हासिल करेंगे। महासंघ के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, अंजुम मोदगिल को खेल रत्न के लिए नामित किया गया है जबकि एनआरएआई ने एक बार फिर द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए जसपाल का नाम भेजा है। उनका हमेशा से मानना है कि वह इसका हकदार है और उम्मीद है कि उसे इस बार यह पुरस्कार मिलेगा। सौरभ चौधरी, मनु भाकर, इलावेनिल और अभिषेक वर्मा के नाम की सिफारिश अर्जुन पुरस्कार के लिए की गई है। छब्बीस साल की अंजुम ने 2008 में निशानेबाजी शुरू की और वह तोक्यो ओलंपिक के लिए निशानेबाजी में कोटा हासिल करने वाली पहली दो भारतीय निशानेबाजों में शामिल थी। चंडीगढ़ की इस निशानेबाज ने कोरिया में आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक के साथ ओलंपिक कोटा हासिल किया। पिछले साल अंजुम और दिव्यांश सिंह पंवार की जोड़ी ने म्यूनिख और बीजिंग में आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। वह म्यूनिख और रियो डि जिनेरियो में भी आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंची। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार में खिलाड़ी को पदक, प्रमाण पत्र और सात लाख 50 हजार रुपए की इनामी राशि मिलती है।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Kunal Taldar s/o Late Dinesh Taldar residing at D-14/123-124 Sector-3 Rohini -110085 declare that name of my Mother has been wrongly written as Arti Taldar in my educational and birth certificates. The actual name of my Mother is Vandana Taldar respectively which may be amended accordingly.

लॉकडाउन का असर: अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति के कुछ समूहों के आंकड़े ही जारी हो पाए

नई दिल्ली। सरकार ने अप्रैल के थोक मूल्य-आधारित मुद्रास्फीति के आधे- अधूरे आंकड़े बृहस्पतिवार को जारी किए। सरकार का कहना है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन की वजह से अप्रैल महीने में उत्पादो का लेन-देन काफी सीमित रहा। इसके कारण कुछ सीमित समूहों के आंकड़े ही जारी किए गए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ो के अनुसार, अप्रैल मे प्राथमिक वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मे 0.79 प्रतिशत की अपस्फीति रही। हालांकि, मार्च मे इस समूह की मुद्रास्फीति 3.72 प्रतिशत रही थी। अप्रैल महीने के दौरान ईंधन और बिजली समूह मे 10.12 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई वही मार्च मे भी इस समूह मे 1.76 प्रतिशत की अपस्फीति रही थी।

निवेशकों की 1.99 लाख करोड़ रुपए की पूंजी डूबी

नई दिल्ली। शेयर बाजारों मे आई गिरावट के बीच बृहस्पतिवार को निवेशको की 1.99 लाख करोड़ रुपए की पूंजी डूब गई। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स मे 886 अंक की जोरदार गिरावट आई। प्रोत्साहन पैकेज को लेकर उत्साह ठंडा होने तथा वैश्विक बाजारो मे गिरावट के बीच बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 885.72 अंक या 2.77 प्रतिशत के नुकसान से 31,122.89 अंक पर बंद हुआ। इससे बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियो का बाजार पूंजीकरण1,99,619.9 करोड़ रुपए घटकर1,22,68,099.91 करोड़ रुपए रह गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, कोविड-19 के मामलों मे बढ़ोतरी तथा प्रोत्साहन पैकेज को लेकर चीजे स्पष्ट नही होने से निवेशको की धारणा प्रभावित हुई। वैश्विक बाजारो में कमजोरी के रुख से बाजार प्रभावित हुआ।

हैंड सैनिटाइजर के निर्यात की संभावना तलाशने को केंद्र ने राज्यों से उत्पादन क्षमता का ब्योरा मांगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइजर का निर्यात फिर शुरू करने की संभावना का पता लगा रही है। केंद्रीय दवा नियंत्रक ने राज्यो और संघ शासित प्रदेशो से अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइजर के विनिर्माताओ तथा उनकी उत्पादन क्षमता का ब्योरा मांगा है। नियामक ने उनसे यह ब्योरा शुक्रवार दोपहर तक देने को कहा है, जिससे यह पता चल सके कि वे घरेलू मांग को पूरा करने की स्थिति मे है या नही। देश मे कोरोना वायरस के मामलो मे तेजी से बढ़ोतरी के बीच सरकार ने छह मई को अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइजर के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था जिससे घरेलू बाजार में इनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

यस बैंक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने वाधवान बंधुओं को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डीएचएफएल के प्रवर्तक कपिल और धीरज वाधवान को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। वाधवान बंधुओं की यह गिरफ्तारी यस बैंक के संस्थापक और अन्य के खिलाफ मनी लॉनड्रिंग जांच के मामले में हुई है। अधिकारियो ने बताया कि मुंबई की विशेष अदालत ने दोनो को 10 दिन के लिए ईडी की हिरासत मे भेज दिया है। वाधवान बंधु फिलहाल जेल में है। उन्हे इसी मामले मे सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रही है।

जियोफोन के लिए पेश किया गया आरोग्य सेतु का नया संस्करण

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के संपर्क मे आने वाले लोगों का पता लगाने वाली आरोग्य सेतु एप का एक संस्करण अब जियोफोन के एक मॉडल पर उपलब्ध हो गया है। एक सरकारी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसे अब जियोफोन करीब पचास लाख उपयोगकर्ता डाउनलोड कर सकते हैं। अगले कुछ दिनों में इसे जियोफोन के अन्य मॉडल पर भी उपलब्ध करा दिया जाएगा।

अवैध तरीके से विदेश भेजे जा रहे मास्क, पीपीई किट, सैनिटाइजर जब्त

नई दिल्ली। सीमाशुल्क अधिकारियो ने यहां मालवहन टर्मिनल पर सैनिटाइजर, निजी सुरक्षा किट (पीपीई), मास्क और इसके कच्चे माल की बड़ी खेप जब्त की है। इन्हे अवैध तरीके से विदेश भेजा जा रहा था। कोविड-19 संकट को देखते हुए सरकार ने इनके निर्यात पर पाबंदी लगाई है। वही कई देशों ने ऐसे उत्पादो का घरेलू उत्पादन बढ़ाया है क्योंकि उन्हे इसकी संभावित कमी को लेकर डर है।

राजकोषीय घाटा बढ़कर 7.9 प्रतिशत रहने का अनुमान : रिपोर्ट

● एसबीआई ने वित्त वर्ष 2020-21 पर किया शोध

भाषा। मुंबई

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के 20 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज के साथ ही चालू वित्त वर्ष के दौरान देश का राजकोषीय घाटा दोगुने से अधिक बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो सकता है।

रिपोर्ट में इससे पहले चालू वित्त वर्ष में जीडीपी के मुकाबले 3.5 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का अनुमान जताया गया था। सरकार ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को राहत देने के लिए कुल मिलाकर 20 लाख करोड़ रुपए के राजकोषीय राहत पैकेज की घोषणा है, जो जीडीपी का करीब 10 प्रतिशत है। एसबीआई की शोध रिपोर्ट इकोरैप में कहा गया, इन उपायों के चलते होने वाले नकदी व्यय के साथ ही पिछली और हालिया उत्पाद शुल्क वृद्धि और महंगाई भत्ते की वृद्धि पर रोक (जीडीपी का लगभग 0.8 प्रतिशत) को ध्यान में रखने पर, हमने अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य (अतिरिक्त बजटीय संसाधनों को छोड़कर) को वित्त वर्ष 2020–21 की संशोधित जीडीपी के मुकाबले 3.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.9 प्रतिशत कर दिया है। ऐसा कोविड–19 महामारी के चलते कम राजस्व और अधिक व्यय के मद्देनजर किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि सीएसओ के जीडीपी के पिछले अनुमानों पर आधारित मूल राजकोषीय घाटा करीब 7.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया, हमारा अनुमान है कि राजस्व में कमी या स्वचालित राजकोषीय स्थिरता के कारण राजकोषीय घाटे पर 4.5 प्रतिशत का सीधा असर पड़ेगा और जीडीपी में परिवर्तन के कारण 0.9 प्रतिशत का अप्रत्यक्ष असर होगा। सरकार के 20 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज में पहले चरण में घोषित 1.7 लाख करोड़ रुपए के राजकोषीय प्रोत्साहन, विभिन्न मौद्रिक नीतिगत उपायो के जरिए दी गई 5.6 लाख करोड़ रुपए की राहत और दूसरे चरण में बुधवार तक घोषित 6.70 लाख करोड़ रुपए की राहत शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है संचई वास्तविक राजकोषीय प्रभाव लगभग 1.14 लाख करोड़ रुपए या जीडीपी का 0.6 प्रतिशत है। सरकार ने लगभग 4.2 लाख करोड़ रुपए (जीडीपी का 2.1 प्रतिशत) के अतिरिक्त उधार की घोषणा की है।

उद्योग जगत ने कहा, प्रोत्साहन पैकेज से अर्थव्यवस्था को कोरोना संकट से पार पाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने बुधवार को वित्त मंत्री के एमएसएमई, वितरण कंपनियो और रीयल एस्टेट क्षेत्र को ध्यान मे रखकर लाए गए प्रोत्साहन पैकेज की सराहना की। उन्होने कहा कि इससे कंपनियो और अर्थव्यवस्था को कोरोना वायरस संकट के प्रभाव से निपटने मे मदद मिलेगी। उद्योग मंडलो ने कहा कि इन उपायो से बाजार मे नकदी बढ़ेगी और संकट मे फंसे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमो (एमएसएमई) को नया जीवन मिलेगा। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने और उसे पटरी पर लाने के लिए बुधवार को करीब 6 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की। इसमे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमो समेत छोटे कारोबारियो को 3 लाख करोड़ रुपए का बिना गारंटी वाला कर्ज उपलब्ध कराने और गैर-बैंकिग वित्तीय कंपनियो (एनबीएफसी) तथा आवास वित्त कंपनियो को 30,000 करोड़ रुपए की नकदी सुविधा उपलब्ध कराना शामिल है। यह पैकेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 20 लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा का हिस्सा है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि आज की घोषणा की सबसे महत्वपूर्ण बात एमएसएमई की परिभाषा मे बदलाव है। इसका दीर्घकालीन और व्यापक प्रभाव पड़ेगा। एमएसएमई विकास कानून, 2006 के बाद से इसमे बदलाव नही किया गया था और इसकी लंबे समय से मांग की जा रही थी।

सार्वजनिक सूचना
एतद्वारा यह सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान का व्यवसाय करने के लिए गिरधारी फ़िनलीज प्राइवेट लिमिटेड (अब जो कि वर्तमान में आर ऐस फ़िनलीज प्राइवेट लिमिटेड है) जिसका CIN नम्बर : U65921DL1996PTC078546 भारतीय रिज़र्व बैंक में (कैटीगरी बी) गैर- बैंकिंग वित्तीय कम्पनी के रुप में पंजीकृत , के पक्ष में भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम ,1934 की धारा 45 आइऐ के अंतर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 12 सितम्बर 2000 को जारी मूल पंजीकरण परमाणपत्र जिसका पंजीकरण संख्या नम्बर - B-14.01857 है, कही गुम हो गया है तथा उसके पंजीकृत कार्यालय फ़्लैट नम्बर 396, भूतल, पॉकेट- 6, सनराइज़ अपार्टमेंट, नसीरपुर द्वारका, नई दिल्ली-110045 से 07 जून 2019 से नहीं मिल रहा है। यदि किसी को मिले तो उनसे आग्रह है कि उसके पंजीकृत कार्यालय में कम्पनी को वापस लोटा दे। सभी व्यक्तियों एतद्वारा सूचित किया जाता है कि अवांछित तत्वों द्वारा पंजीकरण परमाणपत्र का दुरुपयोग नहीं करे तथा अवांछित तत्वों द्वारा पंजीकरण परमाणपत्र के दुरुपयोग के लिए कम्पनी उत्तरदायी नहीं होगी तथा कम्पनी यह वचन देती है कि यदि यह बाद में मिलता है तो पंजीकरण प्रमाणपत्र को भारतीय रिज़र्व बैंक नई दिल्ली , के अचल कार्यालय में वापस लोटा दिया जाएगा।
बोर्ड के आदेश से
गिरधारी फ़िनलीज प्राइवेट लिमिटेड
(वर्तमान में आर ऐस फ़िनलीज प्राइवेट लिमिटेड है)
दुरभाप नम्बर :- 9811289545

सेंसेक्स 886 अंक गिरा

● निफ्टी 9,200 अंक से नीचे आया

भाषा। मुंबई

प्रोत्साहन पैकेज के उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने और इसको लेकर उत्साह ठंडा रहने के साथ ही कमजोर वैश्विक रुख के बीच निवेशकों का भरोसा डगमगाने से बृहस्पतिवार को सेंसेक्स में 886 अंक की बड़ी गिरावट आ गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स एक समय दिन में कारोबार के दौरान 955 अंक तक नीचे चला गया था। हालांकि, बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और अंत में यह 885.72 अंक या 2.77 प्रतिशत के नुकसान से 31,122.89 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 240.80 अंक या 2.57 प्रतिशत के नुकसान से 9,142.75 अंक पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज से भी खुश नहीं है। उनका मानना है कि इस पैकेज से तत्काल सीमित राशि ही खर्च की जानी है जो कि कुल पैकेज के आकार का काफी कम है। इससे अर्थव्यवस्था में तत्काल पुनरोद्धार की गुंजाइश कम है। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आगाह किया है कि शायद कोरोना वायरस कभी समाप्त नहीं होगा। इससे दुनियाभर के शेयर बाजार टूट गए। इसका असर स्थानीय बाजारों पर भी पड़ा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा में सबसे अधिक 5.24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। इन्फोसिस, एचडीएफसी, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी के शेयरों में भी गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर हीरो मोटोकॉर्प, एलएंडटी, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट और सनफार्मा के शेयरों 2.28 प्रतिशत तक चढ़ गए। इस बीच,सरकार ने अप्रैल की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के खंडित आंकड़े जारी किए हैं। इसके अनुसार अप्रैल में प्राथमिक उत्पादों में 0.79 प्रतिशत की अपस्फीति रही। वहीं ईंधन और बिजली खंड में 10.12 प्रतिशत की अपस्फीति रही। देश में लागू राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की वजह से ऐसी स्थिति बनी है।

एमएसएमई को दिया गया आर्थिक पैकेज स्थानीय उद्योग को देगा नई ऊर्जाः गडकरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए घोषित आर्थिक पैकेज का बुधवार को स्वागत करते हुए कहा कि इस पैकेज से घरेलू उद्योगों को नई ऊ र्जा मिलेगी। नागपुर से भेजे गए वीडियो संदेश में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के कुटीर उद्योग का कारोबार इस समय 88,000 करोड़ रुपए का है जिसे सरकार अगले दो साल के दौरान पांच लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाना चाहती है। गडकरी ने कहा कि सरकार के प्रोत्साहन पैकेज से इस लक्ष्य को हासिल करने में काफी मदद मिलेगी।

गाजियाबाद नगर निगम
निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा नोटिस सं0: 256/प्र0नि0सू0/2020 दिनांकः 12.05.2020
नगर निगम गाजियाबाद द्वारा हिण्डन नदी मोक्ष धाम स्थित विद्युत शवदाह गृह के वार्षिक संचालन के कार्य हेतु अनुभवी फर्मो से प्रस्ताव, उत्तर प्रदेश की ई0–निविदा की वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 29/05/2020 को सायं 3:00 बजे तक आमंत्रित है। उक्त निविदाये दिनांक 29/05/2020 को सायं 04:00 बजे खोली जायेगी। उक्त कार्यो हेतु नियम व शर्ते एवं अन्य जानकारी उक्त वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है।
हस्ता/–
अधिशासी अभियन्ता (वि0/यॉ0)
नगर निगम गाजियाबाद

लासएंजिलस के वीनस तट पर लाकडाउन में ढील के बाद स्केटिंग करतीं केल्स व ट्रिकिया

ट्रम्प ने स्कूलों को फिर से खोलने पर दिया जोर, फॉसी पर साधा निशाना

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देशभर के गवर्नरों से अपने-अपने राज्यों में स्कूलों को फिर से खोलने की दिशा काम करने के लिए कहा और साथ ही उन्होंने डॉ. एंथनी फॉसी पर निशाना साधा जिन्होंने छात्रों को स्कूल भेजने में जल्दबाजी करने के खिलाफ आगाह किया है।

राष्ट्रपति ने फॉसी पर दोतरफा बातें करने का आरोप लगाया। उनकी इस टिप्पणी से संकेत मिलता है कि वह देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ से नाखुश हैं। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में बुधवार को पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर उन्हें स्कूलों को खोलना चाहिए। मुझे लगता है कि उन्हें यह करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे देश को वापसी करनी है और जल्द से जल्द वापसी करनी है। और अगर स्कूल बंद रहते हैं तो मुझे नहीं लगता कि हमारा देश वापसी कर रहा है। फॉसी ने मंगलवार को सीनेट की एक समिति से कहा था कि उनका मानना है कि फिर से खोलने का फैसला हर क्षेत्र के हिसाब से लिया जाना चाहिए।उन्होंने समिति से कहा, हम इस वायरस के बारे में सबकुछ नहीं जानते और हमें सावधान रहना होगा खासतौर से जब बच्चों की बात आती है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनका मतलब यह नहीं है कि जब तक टीका विकसित नहीं हो जाता तब तक बच्चों को स्कूल से दूर रखा जाए।ट्रम्प ने कहा, मेरे लिए यह स्वीकार्य जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस का कम उम्र के लोगों पर बहुत कम असर पड़ा है। फॉसी पर बात करते हुए उन्होंने फॉक्स बिजनेस नेटवर्क के लिए मारिया बार्टिरोमो को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं स्कूलों संबंधी मामले पर उनसे बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं। अमेरिकी सरकार में कोरोना वायरस पर शीर्ष विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फॉसी ने मंगलवार को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि अगर शहर और राज्य घरों में रहने के आदेश तेजी से वापस लेते हैं तो वहां स्थिति बदल सकती है और कोविड-19 से अधिक लोगों की मौत तथा आर्थिक नुकसान देखने को मिल सकता है।

व्हाइट हाउस में कोरोना वायरस को लेकर एक बैठक करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

● फॉसी पर दोतरफा बातें करने का आरोप लगाया

फॉसी ने सीनेट की एक समिति और देश को आगाह किया, इसका सही में खतरा है और संक्रामक रोग का ऐसा दौर शुरू होगा कि आप उसे काबू नहीं कर पाएंगे।

चीन पर प्रतिबंध लगाने संबंधी विधेयक पर गौर करेंगे ट्रम्प

● कोरोना वायरस

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह सीनेट में पेश उस विधेयक पर गौर करेंगे, जिसमें कहा गया है कि यदि चीन कोरोना वायरस संक्रमण फैलने के पीछे की वजहों की पूरी जानकारी मुहैया नहीं कराता है और इसे काबू करने में सहयोग नहीं देता है, तो राष्ट्रपति को चीन पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति दी जानी चाहिए। ट्रम्प ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, मैं निश्चित ही इस पर (विधेयक) गौर करूंगा। इसमें चीन पर प्रतिबंध लगाने की बात की गई है, इसलिए मैं इसे निश्चित तौर पर पढ़ूंगा। मैंने अभी यह पढ़ा नहीं है। कोविड-19 जवाबदेही अधिनियम विधेयक को सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया है और आठ अन्य सांसदों ने इसमें उनका साथ दिया है। इस विधेयक को मंगलवार को सीनेट में पेश किया गया। इस विधेयक में कहा गया है कि राष्ट्रपति 60 दिन के भीतर कांग्रेस में यह प्रमाणित करेंगे कि चीन ने अमेरिका, उसके सहयोगियों या विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध संस्थाओं के नेतृत्व वाली कोविड-19 संबंधी जांच के लिए पूर्ण जानकारी मुहैया कराई है और उसने मांसाहारी वस्तुओं की बिक्री करने वाले उन सभी बाजारों को बंद कर दिया था, जिनसे जानवरों से मनुष्यों में कोई संक्रमण फैलने का खतरा पैदा होता है। इसमें कहा गया है, यदि राष्ट्रपति इसे प्रमाणित नहीं करते हैं तो उन्हें चीन की सम्पत्तियां सील करने, यात्रा संबंधी प्रतिबंध लगाने, वीजा रद्द करने, अमेरिकी वित्तीय संस्थाओं को चीनी कारोबार को ऋण देने से रोकने और चीनी कंपनियों को अमेरिकी शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने पर रोक लगाने जैसे प्रतिबंध लागू करने का अधिकार होगा। ग्राहम ने कहा, मुझे यकीन है कि चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी यदि चीजें नहीं छिपाती, तो वायरस अमेरिका में नहीं पहुंचता। उन्होंने कहा, चीन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जांच के लिए वुहान प्रयोगशाला में जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। मुझे लगता है कि यदि चीन पर दबाव नहीं बनाया गया, तो वह जांच में कभी सहयोग नहीं करेगा। इसके अलावा सीनेटरों जिम इनहोफे, रोजर विकर, स्टीव डाइन्स, थॉम टिलिस, टॉड यंग, सिंडी हाइडे स्मिथ, माइक ब्रौन और रिक स्काट ने भी इस महामारी के लिए चीन को जवाबदेह ठहराए जाने पर जोर दिया।सीनेट में यह विधेयक पेश होने के बाद प्रतिनिधि सभा के सदस्य डग कॉलिन्स ने बुधवार को कोविड-19 जवाबदेही कानून विधेयक पेश किया। इसमें 24 से अधिक सांसदों ने उनका साथ दिया। चीन ने कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी तथ्य छुपाने की बात से इनकार किया है और अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह वुहान प्रयोगशाला से वायरस पैदा होने की बात कहकर लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियांग ने पिछले महीने कहा था, चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को कोविड-19 की सबसे पहले जानकारी दी।

कोविड-19 के उपचार में मददगार हो सकने वाले दो एंटीबॉडी की पहचान की गई

बीजिंग। वैज्ञानिकों ने कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हुए एक मरीज से प्राप्त ऐसे दो एंटीबॉडी की पहचान की है, जो कोरोना वायरस के उपचार में मददगार हो सकते हैं और इससे लड़ने के लिए एंटीवायरल (वायरस से लड़ने वाली दवाएं) और टीके बनाने में सहायक हो सकते हैं।अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि बी38 और एच4 नामक दो एंटीबॉडी के संबंध में चूहे पर की गई प्रारंभिक जांच के परिणाम में वायरस के असर में कमी देखने को मिली। इन अनुसंधानकर्ताओं में चाइनीज अकेडमी ऑफ साइंस के अनुसंधानकर्ता भी शामिल हैं। साइंस पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि ए एंटीबॉडी उपचार में लाभकारी हो सकते हैं। इसके अलावा वे कोविड-19 से लड़ने वाले एंटीवायरल एवं टीकों को बनाने में भी मददगार हो सकते हैं।

अमेरिका में अर्थव्यवस्था को दोबारा खोलने के कुछ सप्ताह बाद बढ़ सकते हैं कोविड-19 के मामले

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका के कई राज्यों ने अपनी अर्थव्यवस्था को खोलना शुरू कर दिया है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इससे कोविड-19 के मामले बढ़ते हैं तो यह स्पष्ट होने में कई सप्ताह लग सकते हैं। पूरे देश में कोविड-19 संक्रमण की स्थिति अलग-अलग है। कुछ स्थानों पर मामले बढ़ रहे हैं तो कुछ स्थानों पर मामले घट रहे हैं। इसके अलावा संक्रमण नाटकीय रूप से कई स्थानों पर इधर-उधर हो सकता है।हार्वर्ड ग्लोबल हेल्थ इंस्टीट्यूट के सहायक प्रोफेसर थॉमस तसाई ने कहा, चुनौती यह है कि हमारा ध्यान राष्ट्रीय आंकड़ों पर केंद्रित है जबकि हम यह देख रहे हैं कि 50 विभिन्न स्थानों पर 50 अलग-अलग आंकड़ें हैं। उन्होंने कहा, और हम कोविड-19 के बारे में यह देख चुके हैं कि स्थिति और प्रभाव प्राय: स्थानीय होते हैं। कुछ राज्यों ने दो सप्ताह बाद ही बंद में

● पूरे देश में कोविड-19 संक्रमण की स्थिति अलग-अलग है कुछ स्थानों पर मामले बढ़ रहे है तो कुछ स्थानों पर मामले घट रहे है

रियायत देना शुरू कर दिया था। टेक्सास में शॉपिंग मॉल खुलने शुरू हो गए, दक्षिण कैरोलाइना में समुद्र तट पर स्थित होटलों को खोला गया और वायोमिंग में जिम तक खोल दिए गए। जॉर्जिया देश का ऐसा पहला राज्य बना जहां कुछ कारोबारों के दरवाजे खोले गए। जॉन हॉपकिन्स सेंटर फॉर हेल्थ सिक्योरिटी ने कहा कि कारोबारों को खोले जाने का प्रभाव करीब पांच से छह सप्ताह बाद ही दिख सकता है। वॉटसन ने एक ईमेल में कहा, जैसा कि हमने शुरुआत में देखा कि कोविड-19 महामारी धीरे-धीरे शुरू होती है और यह कुछ समय अपना पांव जमाने में लेती है और फिर प्रत्यक्ष तौर पर इसका असर दिखने लगता है। कोरोना वायरस संक्रमण के पुष्टि वाले मामलों के विश्लेषण में एसोसिएटेड प्रेस ने पाया कि मिनिसोटा के हेनेपिन काउंटी, वर्जीनिया के फेयरफाक्स काउंटी में रोजाना नए मामले बढ़ रहे हैं जबकि न्यू जर्सी के बर्गन काउंटी, मिशिगन के वेन काउंटी में मामलों में गिरावट आ रही है। इसी बीच जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक शीर्ष अधिकारी ने आगाह किया है कि हो सकता है कि नया कोरोना वायरस यहां रहने के लिए आया है। एक संवाददाता सम्मेलन में डॉक्टर माइकल रायन ने कहा कि हो सकता है कि यह वायरस कभी खत्म न हो। दुनिया के विभिन्न देशों की तरह अमेरिका में भी बड़ी संख्या में लोगों की नौकरियां कोरोना वायरस की वजह से गई हैं। अप्रैल में अमेरिका में बेरोजगारी दर बढ़कर 14.7 फीसदी तक हो गई थी।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के 1,452 नए मामले, 33 लोगों की मौत

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में कोरोना वायरस से संक्रमण के 1,452 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या 35,788 पर पहुंच गई है जबकि 33 और लोगों की मौत होने के साथ ही मृतक संख्या 770 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पंजाब प्रांत में कोरोना वायरस के 13,561, सिंध में 13,341, खैबर-पख्तूनख्वा में 5,252, बलूचिस्तान में 2,239, इस्लामाबाद में 822, गिलगित-बाल्तिस्तान में 482 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 91 मामले सामने आए।पाकिस्तान में 33 और लोगों के जान गंवाने के साथ ही बृहस्पतिवार को कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या 770 हो गई।मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 1,452 नए मरीज आने के साथ देश में संक्रमितों की कुल संख्या 35,788 हो गई है।उसने बताया कि कुल 9,695 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं।अभी तक कोरोना वायरस से संक्रमण की 330,750 जांच की गई है जिनमें से 13,051 लोगों की जांच बीते 24 घंटे में की गई है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के पाकिस्तान चैप्टर द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय लोगों में संक्रमण के फैलने की दर अधिक है जो खतरनाक है।बलूचिस्तान में स्थानीय संक्रमण के सबसे अधिक 93 प्रतिशत मामले सामने आए। इसके बाद सिंध में 92 प्रतिशत, पंजाब में 85 फीसदी, खैबर पख्तूनख्वा में 84 प्रतिशत और गिलगित-बाल्तिस्तान में 63 प्रतिशत मामले सामने आए।इस बीच, पेशावर उच्च न्यायालय को 31 मई तक के लिए बंद कर दिया गया है। उच्च न्यायालय के कुछ कर्मचारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। वहीं, पाकिस्तान सरकार ने गत सप्ताह घोषणा की थी कि वह लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से हटाना शुरू करेगी क्योंकि इसका अर्थव्यवस्था और कार्यबल पर काफी असर पड़ रहा है।

पराग्वे में कोविड-19 की जांच के लिए परिवार सहित साइकिल पर इंतजार करता युवक

चीन में कोविड-19 के 15 नए मामले वुहान में 1.1 करोड़ लोगों की जांच शुरू

भाषा। बीजिंगा वुहान,

चीन में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के 15 नए मामले सामने आए जिनमें से 12 मरीजों में बीमारी के लक्षण नहीं दिखे। वैश्विक महामारी का दूसरा दौर शुरू होने की आशंकाओं के बीच इस जानलेवा संक्रामक रोग का केंद्र रहे वुहान शहर में 1.1 करोड़ लोगों की कोविड-19 के लिए बड़े पैमाने पर जांच शुरू हो गई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि तीन मामले स्थानीय हैं जिनमें से दो लियाओनिंग प्रांत और एक जिलिन प्रांत में सामने आया।एनएचसी ने बताया कि बुधवार तक चीन मुख्य भूभाग पर संक्रमितों की संख्या 82,929 थी जिनमें से 101 मरीजों का अब भी इलाज चल रहा है। चीन में अब तक कुल 4,633 लोग इस संक्रामक रोग के चलते जान गंवा चुके हैं।मामले बढ़ने के बाद जिलिन शहर के अधिकारियों ने कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं।जिलिन की उप महापौर गाई डोंगपिंग ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि शहर में स्थानीय रूप से संक्रमण के 21 मामले सामने आए हैं जिनमें से दो मरीजों को बीमारी के लक्षण नहीं थे।हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने उनके हवाले से कहा, मौजूदा स्थिति बहुत गंभीर और जटिल है तथा इससे संक्रमण के और फैलने का खतरा है। इस महामारी को रोकने के लिए जिलिन महामारी रोकथाम एवं नियंत्रण समूह ने जिलिन के शहरी इलाके में रोकथाम संबंधी कदमों को लागू करने का फैसला किया है। एनएचसी ने बताया कि 712 लोगों में बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दिए।

आलोचनाओं के बावजूद डब्ल्यूएचओ प्रमुख कोविड-19 के खिलाफ अपने प्रयासों को लेकर अडिग

एपी। जिनेवा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेडरॉस एडहनॉम घेब्रएसॉस को कोविड-19 महामारी के दौरान कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उन्हें एक बार चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के हाथों में कठपुतली तक करार दिया गया था और अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ के वित्तपोषण में कटौती भी की।इन सब के बावजूद घेब्रएसॉस ने मुश्किलों से उबरने का प्रयास किया है और उनका मुख्य ध्यान इस महामारी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का निर्माण करना है। इस महामारी से अभी तक पूरी दुनिया में करीब 300,000 लोगों की जान गई है और अमीर एवं गरीब देशें में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। ट्रंप प्रशासन द्वारा संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी की आलोचना किए जाने के बावजूद कई स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञों ने टेडरॉस द्वारा महामारी से निपटने के समग्र प्रयासों की प्रशंसा की है। अगले सप्ताह टेडरॉस के प्रयास और कदमों की जांच पड़ताल होगी क्योंकि डब्ल्यूएचओ के सबसे बड़े वार्षिक कार्यक्रम विश्व स्वास्थ्य सभा का आयोजन होगा। यह एक ‘आभासी’ और संक्षिप्त संस्करण होगा और यह मुख्य रूप से कोविड-19 पर केंद्रित होगा।उन्होंने पिछले दिनों दुनिया से अपील करते हुए कहा था, इस वायरस को एक दूसरे के खिलाफ लड.ने के मौके के तौर पर इस्तेमाल न करें या इसकी आड़ में राजनीतिक खेल न खेलें। यह खतरनाक है।

घेब्रएसॉस ब्रिटेन में नाटिंघम यूनिवर्सिटी से माइक्रो बॉयलोजी में डाक्टरेट हैं और साथ ही मलेरिया मामलों के विशेषज्ञ भी। साल 2017 में डब्ल्यूएचओ में इस शीर्ष पद को संभालने से पूर्व वह इथियोपिया में स्वास्थ्य और विदेश मंत्री का पद संभाल चुके थे। वह अफ्रीकी क्षेत्र से डब्ल्यूएचओ का प्रमुख बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। वह संस्था के पहले ऐसे प्रमुख हैं जिनके पास मेडिकल डिग्री नहीं है और उनके कई आलोचक इसे लेकर उनके ऊपर

कोरोना वायरसः केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन करेंगे भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित

वाशिंगटन। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन सप्ताहांत में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करेंगे और उन्हें बताएंगे कि भारत कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से किस प्रकार निपट रहा है। इस वेब सम्मेलन के आयोजकों ने बुधवार को बताया कि 17 मई को आयोजित होने वाले इस संवाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल और सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार भी अपने विचार रखेंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स (एफआईए) और बिहार एंड झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीएजीएएनए) ने इस वेब सम्मेलन का आयोजन किया है। एफआईए के प्रवक्ता अंकुर वैद्य ने कहा, ए वेबिनार एकजुटता का एहसास कराने के साथ-साथ तथ्यात्मक ज्ञान एवं समाधान मुहैया कराते हैं। उन्होंने कहा कि इन वेबिनार में इस प्रकार की अभूतपूर्व सामुदायिक भागीदारी का साक्षी बनना ज्ञानवर्धक है।एफआईए के पूर्व अध्यक्ष एवं बीएजीएएन के प्रवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि पिछले दो महीने में दोनों संगठनों ने कोरोना वायरस संबंधी विभिन्न विषयों पर काम किया है।

नाम के निदेशकों ने लगाए नीरव मोदी पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप:वीडियो

भाषा। लंदन

धोखाधड़ी एवं धनशोधन के आरोपों से घिरे हीरा व्यापारी नीरव मोदी के खिलाफ प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई कर रही ब्रिटेन की अदालत ने एक वीडियो चलाया, जिसमें नीरव की कंपनियों से जुड़े तथाकथित सिर्फ नाम के निदेशकों ने कैमरे के सामने आरोप लगाया है कि उन्हें चोरी के आरोपों में फंसाने और जान से मारने तक की धमकियां दी गई थीं।

सीबीआई ने सिर्फ नाम के इन निदेशकों का वीडियो ब्रिटेन की अदालत को सौंपा था। इस सप्ताह सुनवाई के दौरान लंदन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट की अदालत में दिखाए गए इस वीडियो में छह भारतीयों को सुना जा सकता है। उनमें से हरेक ने दुबई छोड़ने और मिस्र के काहिरा जाने के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार वहां उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए और नीरव के भाई नेहाल मोदी ने संदिग्ध कागजातों पर कथित रूप से उनकी मर्जी के खिलाफ हस्ताक्षर कराए। जून 2018 को रिकॉर्ड किए गए वीडियो में एक व्यक्ति कह रहा है, मेरा नाम आशीष कुमार मोहनभाई लाड है, मैं हांगकांग की सनशाइन जेम्स लिमिटेड और दुबई की यूनिटी ट्रेडिंग फजे का सिर्फ नाम का मालिक हूं।

उसने कहा, नीरव मोदी ने मुझे फोन किया और मुझसे कहा कि वह मुझे चोरी के मामले में फंसा देगा। उसने भद्दे शब्द इस्तेमाल किए.... मुझसे कहा कि वह मुझे मरवा डालेगा....। सीबीआई के अन्य गवाहों में रुषभ जेठवा, सोनू मेहता, श्रीधर माएकर, नीलेश कुमार बलवंतराय मिस्त्री शामिल हैं। मेहता शारजाह की एम्पायर जेम्स एफजेडई , मेहता हांगकांग की ऑरगेम कंपनी लिमिटेड , माएकर अजमान में यूनीक डायमेंड एंड जूलरी और मिस्त्री दुबई की हैमिल्टर प्रीशियस ट्रेडर्स लिमिटेड के सिर्फ नाम के निदेशक हैं।वीडियो में उन्हें हिंदी और गुजराती में यह कहते सुना सकता है कि वे यह इसलिए अपनी बात रिकॉर्ड कर रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी सुरक्षा का खतरा है और वे भारत वापस जाना चाहते हैं लेकिन उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध रोक कर रखा गया है।

जेठवा ने कहा, हमने दस्तावेज पर इसलिए हस्ताक्षर किए क्योंकि यदि हम ऐसा नहीं करते, तो वे हमारे पासपोर्ट वापस नहीं करते। ए गवाह प्रवर्तन निदेशालय के इस खुलासे से जुड़े हैं कि हांगकांग और दुबई में स्थित कई कंपनियों में सिर्फ नाम के निदेशकामालिकाप्रबंधक नियुक्त किए गए हैं, लेकिन इन कंपनियों पर नीरव मोदी का सीधा नियंत्रण है।भारत में 49 वर्षीय नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक को छल से प्राप्त आश्वासन पत्रों या बैंक गारंटी के साथ ठगने और फिर छद्म कंपनियों के पेचीदगी भरे लेन-देन के माध्यम से इस रकम का शोधन करने का आरोप है। वह भारत में पंजाब नेशनल बैंक से दो अरब डालर के कर्ज की धोखाधड़ी और धनशोधन के मामले में आरोपी है और उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

नीरव लंदन की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत में अपने भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ रहा है। वह दक्षिण-पश्चिम लंदन में वैंड्सवर्थ जेल में अपने कमरे से वीडियो लिंक के माध्यम से अदालती कार्यवाही में शामिल हो रहा है। उसे पिछले साल मार्च में गिरफ्तार करने के बाद से जेल में रखा गया है। वह पिछले साल से जमानत के बार-बार प्रयास कर चुका है लेकिन उन्हें खारिज कर दिया गया, क्योंकि उसके देश छोड़कर भाग जाने का खतरा है।

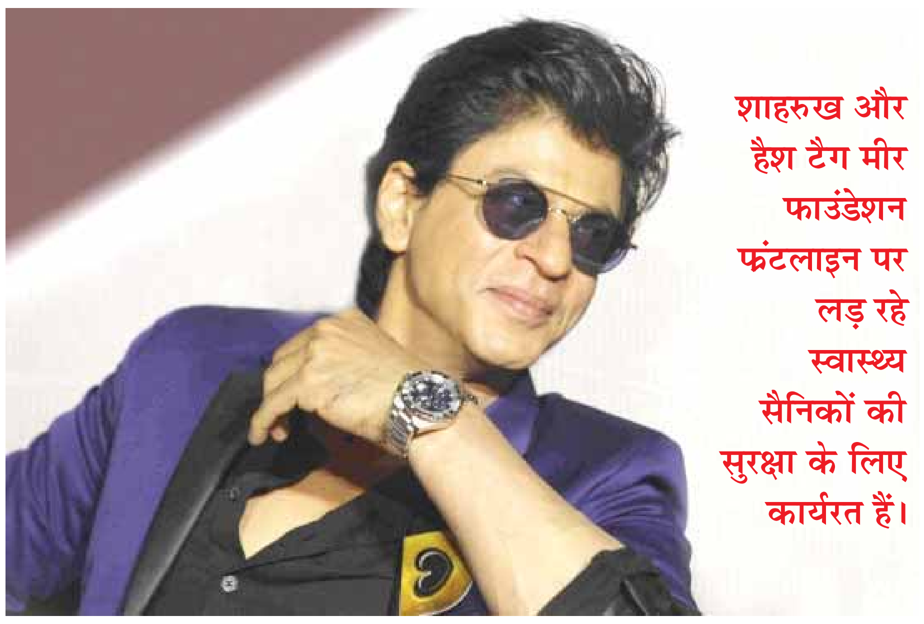

शाहरुख और हैश टैग मीर फाउंडेशन फ्रंटलाइन पर लड़ रहे स्वास्थ्य सैनिकों की सुरक्षा के लिए कार्यरत हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों के लिए शाहरुख ने पीपीई, वेंटिलेटर में दिया योगदान

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने कोविड-19 महामारी के बीच फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों के लिए अन्य आवश्यक वस्तुओं के अलावा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) और वेंटिलेटर में योगदान देने की अपील की है।

शाहरुख ने गुरुवार को मीर फाउंडेशन को टैग करते हुए ट्वीट किया, आइए, कोरोनोवायरस के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे बहादुर स्वास्थ्य अधिकारियों और चिकित्सा टीमों का व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) में योगदान करके समर्थन करते हैं। थोड़ी सी मदद एक बड़ा काम कर सकती है। अभिनेता के गैर-लाभकारी संगठन मीर फाउंडेशन पर एक लिंक भी साझा किया गया था, जिसे उन्होंने अपने ट्वीट में भी लिखा, शाहरुख और हैश टैग मीर फाउंडेशन फ्रंटलाइन पर लड़ रहे स्वास्थ्य सैनिकों की सुरक्षा के लिए कार्यरत हैं। अब आप भी हमारे प्रयास का हिस्सा बन सकते हैं। हमारे क्राउडफंडिंग लिंक पर दान करें और हमें पीपीई किट लेने में मदद करें।

वर्चुअल ऑर्केस्ट्रा में परफॉर्म करना एक अद्भुत अनुभव

जब उसका स्नातकीय वादन कोरोना वायरस महामारी के कारणों से निरस्त किया गया तो ब्रूक मीड लगभग हताश हो गई थी। उन्हें अब कंसर्ट को घर में रहकर अकेले रिकॉर्ड करना पड़ रहा है। ऐसे में 23 साल की इस वायोला छात्र ने तो अभ्यास तक करना छोड़ दिया था।

लेकिन एक दिन संगीत ने भी एक आश्चर्यजनक मोड़ ले लिया। फिलाडेल्फिया ऑर्केस्ट्रा से एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी सत्र में जब उन्होंने परामर्श के लिए संपर्क किया तो उन्हें वो वादन करने के लिए उनके लाइव वेबकास्ट में उनकी एक हिट परफॉर्मेंस के पुनर्प्रसारित करने हेतु लीड-इन के रूप में आमंत्रित किया गया, तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा।

उनकी इस परफॉर्मेंस से वो एकाएक विश्व भर के हजारों क्लासिकल संगीत के प्रशंसकों के बीच छा गईं। जबकि टेंपल यूनिवर्सिटी के फिलाडेल्फिया कैंपस में यदि वो स्नातक परीक्षा के अंतर्गत परफॉर्म करती तो उन्हें दर्शकों से इतनी प्रशंसा न मिलती।

मीड ने बताया, 'मेरे लिए ये भावुक कर देने वाला अनुभव रहा। दर्शकों से खचाखच भरे हॉल की कल्पना के विपरीत मुझे हॉल विहीन परफॉर्मेंस देनी पड़ी। वैसे संभवत: मुझे स्वयं ही रिकॉर्डिंग करनी पड़ती लेकिन फिर मैंने अंतत: आभासी (वर्चुअल) दर्शकों के समक्ष गाया।

इस ऑनलाइन सत्र में मीड ने ऑर्केस्ट्रा के सहायक मुख्य सेलिस्ट यूमी केंडॉल से निराशा से बचने हेतु परामर्श भी लिया। मीड ने सितंबर से लेकर मार्च तक ऑर्केस्ट्रा हेतु इंटर्न स्तरीय कार्य कर रखा था और केंडॉल ने उनके नाम का अनुमोदन किया।

केंडॉल ने कहा, 'मैंने बस अंतरात्मा की स्वरों पर अपना हाथ उठा दिया था, मैंने कहा अच्छा मैं वहां रहूंगा। आपके लिए कम से कम एक व्यक्ति दर्शक के रूप में उपस्थित रहेगा। मैं तो वहां रहूंगा ही।'

जिन लोगों ने इस वार्तालाप को देखा वे भी मीड के दर्शक बनना चाहते थे। इस ऑर्केस्ट्रा के प्रेसीडेंट और सीईओ मेटियास टॉर्नोप्लोस्की ने इसके बाद वहीं पर मीड के वादन को अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कराने का निर्णय ले लिया।

महानगर के एक ऑर्केस्ट्रा में एक युवा संगीतकार के निरस्त किये गए वादन की समस्या का समाधान किया

मीड स्फूर्ति से भर गईं और अब उसका ही अपार्टमेंट उसका स्टेज बन गया था। उसके साथ दर्शक के रूप में उसके रूममेंट ही थे और उनके साथ उनका ही एक डॉग भी था बिल्लियों को कक्ष में नहीं रखा गया था क्योंकि वे परफॉर्मेंस के बीच कुछ अधिक शोर कर सकती थीं।

मीड और केंडॉल ने इस ऑनलाइन वादन हेतु मास्टर ऑफ सेरेमनीज़ के रूप में सेवा दी। उन्होंने अपना कार्यक्रम समय से पहले पूरा किया ताकि अन्य कार्य भी संपन्न करने के लिए समय बचा रहे। जर्मनी के कंपोज़र जोहान सेबाश्चियन बैच और जीन पॉल हाइंडमिथ तथा अमेरिकन फोक म्यूज़िशियन जे अंगर द्वारा प्रस्तुत अशोकन फेयरवेल नामक इस पीस को मीड ने बिना किसी त्रुटि के प्रस्तुत करने में सफलता पाई।

मार्च के मध्यम में कोरोना के कारण सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए जब विश्वविद्यालय ने लोगों के इकट्ठा होना निरस्त किया तो मीड को इस बारे में कुछ अधिक समझ नहीं आया कि वो क्या करे। कोरोना वायरस लोगों की मृत्यु का कारण बन रहा था। उनमें उसका पार्टनर पर्कशन इंस्ट्रक्टर एलेन अबेल भी था जो फिलाडेल्फिया ऑर्केस्ट्रा में पहले ही काम कर चुका था। अब 91 वर्ष के इस कलाकार की मृत्यु हो चुकी हे। डॉक्टर और नर्स उनके जीवन को बचाने के लिए अपने जीवन को दांव पर लगा रही थीं और एक वो थी जो एक कंसर्ट के न होने से विचलित हुई जा रही थी।

लेकिन संगीत ही मीड के जीवन का सार था। दो साल की आयु से ही वो तबसे संगीत से प्यार करने लगी थी जब कॉलेज की प्रोफेसर उनकी मां उन्हें संगीत की कक्षा में लेकर पहुंची थीं ये व्यवस्था लंकास्टर में उनके अपने विश्वविद्यालय के कैंपस में ही थी। तीसरी कक्षा में पहुंचते पहुंचते उन्हें वायोला बजाना आ गया था। अब जब वो ऑकेस्ट्रा परफॉर्मर या एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में अपने कॅरियर को देखती हैं तो अचानक ही प्रेरित सा अनुभव करने लगती हैं। उन्हें उनके उस वादन के लिए लोगों की व्यापक प्रतिक्रिया मिली थी जिसमें इमोजी, ताली बजाते हाथ, मुस्कुराते चेहरे और अग्नि के चित्र शामिल थे।

मीड ने कहा, 'मुझे अपने वादन हेतु वास्तविक प्रतिक्रियाएं तो जीवन भर मिलती ही रहेंगी।'

हिना खान के पास है ऑवरग्लास फिगर

अभिनेत्री हिना खान ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर खुद की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें से एक तस्वीर में वह लाल रंग का गाउन पहने नजर आ रही हैं। वहीं अभिनेत्री ने घोषणा की कि उनका फिगर एक ऑवरग्लास की तरह है, जिसमें कुछ अतिरिक्त मिनट हैं। तस्वीरों के कैप्शन में हीना ने लिखा, आखिरकार मैंने अपने फिगर का आकार ढूंढ़ ही निकाला है। यह आवरग्लास फिगर है, जिसमें कुछ अतिरिक्त मिनट हैं।

तस्वीर में वह न्यूड मेकअप और वेभी हेयर लुक में नजर आ रही हैं। उनके पोस्ट पर एक प्रशंसक ने कमेंट किया, बेहद खूबसूरत। अन्य ने लिखा, आप बहुत सुंदर दिख रही हैं। इनके अलावा हिना सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के लिए वर्कआउट की तस्वीर साझा करते रहती हैं।

भरोसा है कि रिलीज होने पर असरदार साबित होगी फिल्म कागज : सतीश कौशिक

अभिनेता-फिल्मकार सतीश कौशिक इस बात से खुश हैं कि उनके निर्देशन में बन रही फिल्म कागज लॉकडाउन की घोषणा होने से पहले ही पूरी हो गई थी। उन्होंने कहा कि पंकज त्रिपाठी अभिनीत यह फिल्म जब कभी भी रिलीज होगी, कामयाब साबित होगी। कागज आजमगढ़ के भारत लाल उर्फ लाल बिहारी के जीवन पर आधारित है जिन्होंने खुद को जिंदा साबित करने के लिए 18 वर्ष तक कानूनी लड़ाई लड़ी। फिल्म को अभिनेता सलमान खान प्रस्तुत करेंगे।

कौशिक ने कहा कि वह सलमान के शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने फिल्म में भरोसा किया और प्रस्तुतकर्ता के तौर पर फिल्म में शामिल हुए। इस फिल्म के साथ कौशिक छह साल बाद निर्देशन की बागडोर संभाल रहे हैं। उन्होंने पीटीआई-भाषा को साक्षात्कार में बताया, सलमान को यह कहानी तब सुनाई थी जब मैं भारत के लिए उनके साथ माल्टा में शूटिंग कर रहा था और उनको यह कहानी काफी पसंद आई थी।

कागज को हमारी फिल्म तेरे नाम की तरह ही याद किया जाएगा। कौशिक ने कहा कि टीम इस फिल्म को मई के दूसरे हफ्ते में रिलीज करना चाहती थी लेकिन कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते सब कुछ रुक गया।

उन्होंने कहा, अब कंटेंट ही सबकुछ है के समय में, मेरे हाथ में शानदार विषय है जो पंकज त्रिपाठी जैसे महान अभिनेता और सलमान जैसे कमाल के प्रस्तुतकर्ता के साथ तैयार है। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि जिस भी तरीके से जब भी हम फिल्म को रिलीज कर पाएंगे, कागज अपना असर छोड़ेगी और विजेता साबित होगी।

तापसी ने अध्यापकों को बताया जीवन के कारीगर

लोकप्रिय अभिनेत्री तापसी पन्नू मानती हैं कि उनके व्यक्तित्व को ढालने में उनके अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इंस्टाग्राम पर अपने एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मैं जयपुर में एक आयोजन हेतु गई थी तभी मुझे स्मरण आया कि मेरे स्कूल की पूर्व उप प्रधानाचार्य जयपुर के एक स्कूल में प्रधानाचार्य हैं। मैं ऐसे में उनसे मिलना चाहती थी। लेकिन आश्चर्य इस बात पर था कि वो अपने साथ पूरा स्कूल ही लेकर आई थीं जिसमें बच्चे भी थे सभी बहुत प्यारे थे। वे जिज्ञासु थे और बहुत कुछ जानना चाहते थे। स्कूल आपके जीवन और व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करते हैं। आपके अध्यापक वास्तव में हम कच्चे पत्थरों को आकार देने वाले कारीगर ही होते हैं।'

नेहा कक्कड़ और सफल होने को अधीर

अभिनेत्री नेहा कक्कड़ आज फिल्मों में अपने गानों के लिए जानी जाती हैं उन्हें आशातीत सफलता मिली है। उनका कहना है कि उन्हें थोड़ी भी आशा नहीं थी कि एक दिन वो वहां पहुंचने में सफल होंगी जहां आज हैं। उन्होंने बताया, 'मैं बहुत अच्छा अनुभव कर रही हूं। मैं सदैव लोगों से बताती हूं कि लगता है जैसे मैं किसी स्वपनिल दुनिया में विचरण कर रही हूं। ये कैसे संभव हो सकता है। ऋषिकेश के एक छोटे से नगर की एक लड़की दिल्ली गई और वो फिर मुंबई जा पहुंची। मेरी यात्रा अच्छी रही है। मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं एक दिन यहां तक पहुंचने में सफल रहूंगी।' उनका कहना था, 'मुझे ये सब बहुत अच्छा लगता है और मेरा विश्वास है कि अभी मुझे बहुत दूर जाना है।' ज्ञातव्य है कि नेहा 2012 की फिल्म कॉकटेल के अपने गाने 'सेकेंड हैंड जवानी' से लोकप्रिय हुई थीं।

क्वारंटीन में एल फैनिंग की रचनात्मकता

हॉलिवुड अभिनेत्री एल फैनिंग को फिल्म 'द नियॉन डेमन' तथा 'मैलफिशेंट' में उनके रोल के लिए जाना जाता है। लेकिन अब वो निर्देशन करने की ओर अग्रसर होना चाहती हैं। उन्होंने बताया, 'मैं इसे करने के लिए बेचैन हूं। बस मुझे एक सही कहानी मिल जाए। आप कहना क्या चाहते हैं? क्या ये व्यक्तिगत होगा या ऐसा नहीं होगा? आप कुछ लिखने जा रहे हैं या नहीं? ऐसे ही कई प्रश्न हैं। मैं शीघ्र ही इनके उत्तर दूंगी।'

क्वारंटीन में अपने समय बिताने के ढंग के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मैं अपनी बहन और परिवार के साथ ढेर सारी कुकिंग और बेकिंग कर रही हूं। मेरी बहन पेंटिंग कर रही है। हर कोई एंब्रायडरी में व्यस्त है हम कई रचनात्मक कार्य कर रहे हैं। मैं टॉप गन पोस्टर के जिग्सॉ पज़ल भी कर रही हूं।'

सोनाक्षी ने पीपीई किट्स दान करने के लिए प्रशंसकों को शुक्रिया कहा

सोनाक्षी सिन्हा के प्रशंसकों ने पुणे के सरदार वल्लभभाई पटेल अस्पताल को निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) दान किए हैं। वहीं अभिनेत्री ने उन्हें धन्यवाद देने के लिए और उनके नेक कार्य के बारे में बताने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

सोनाक्षी ने कहा, आप सभी प्यारे लोग, आपके योगदान और विश्वास के लिए शुक्रिया। टॉप ग्रेड पीपीई किट्स की एक बड़ी खेप सरदार पटेल अस्पताल, पुणे के लिए कारखाने से रवाना हो रही है! हमें साथ मिलकर अपने फ्रंटलाइन चिकित्साकर्मियों को सुरक्षित रखना है, हम ऐसा करेंगे न बहुत सारा प्यार और धन्यवाद।

अभिनेत्री ने अस्पताल के लिए तैयार किए जा रहे पीपीई किट्स को ले जाने वाले विशाल डिब्बों की तस्वीरें भी साझा कीं। डिब्बों में से एक पर एक नोट लिखा है - सोनाक्षी सिन्हा के प्रशंसकों द्वारा समर्पित। सरदार पटेल अस्पताल, पुणे।

अभिनेत्री कोविड-19 महामारी के बीच स्वास्थ्य कर्मियों के लिए पीपीई किट्स के लिए अभियान चला रही हैं।

जेनिफर लोपेज की बेटी ने अपनी दैनिक प्रार्थनाओं से प्रेरित बच्चों की किताब लिखी

अमेरिकी अभिनेत्री-गायिका जेनिफर लोपेज की बेटी एमी ने अपनी प्रार्थनाओं से प्रेरित बच्चों की एक किताब लिखी है। जेनिफर ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी की किताब लॉर्ड हेल्प मी! के पहले लुक को साझा किया। उन्होंने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, जैसा कि मेरी बेटी एमी ने अपनी दैनिक प्रार्थनाओं को अपनी पहली किताब लॉर्ड हेल्प मी! में साझा किया है, मुझे उस पर बेहद गर्व है। उन्होने कहा कि यह किताब परिवारों को रोजमर्रा की जिंदगी में शांति और शक्ति पाने के तरीके के बारे में बताएगी। दो बच्चों बेटी एमी और बेटे मैक्स की मां जेनिफर ने हाल ही में कहा था कि मातृत्व जहां सबसे बड़ी खुशी है, वहीं यह सबसे बड़ी चुनौती भी है।

दिशा पाटनी की खूबसूरत पर फिदा हुईं टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा

टाइगर श्रॉफ की साथ रिलेशन को लेकर चर्चा में रहने वाली दिशा पाटनी की उनकी बहन कृष्णा श्रॉफ के साथ अच्छी बॉन्डिंग है। कई बार तीनों अक्सर साथ में आउटिंग पर नजर आ चुके हैं और सोशल मीडिया पर दोनों अक्सर एक-दूसरे के लिए कुछ न कुछ ऐसा कॉमेंट्स जरूर करती हैं, जिसका चर्चा रहती है। इस बार भी उन्होंने ऐसा ही किया है।

दरअसल दिशा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की और इस तस्वीर में वह इतनी खूबसूरत दिख रही हैं कि टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा कॉमेंट करने से खुद को रोक न सकीं। उन्होंने इस तस्वीर को देखकर जो सवाल किया, उसपर फैन्स ने भी जमकर जवाब दिया। इस तस्वीर में दिशा खुले बालों और ब्लैक टी-शर्ट में दिख रही हैं।

कृष्णा की नजर उनकी चमकती स्किन पर टिक गई और उन्होंने पूछ ही लिया कि उनकी स्किन इतनी खूबसूरत कैसे है, वह क्या लगाती हैं?

दिशा ने कृष्णा के इस सवाल का उन्हीं के अंदाज में जवाब भी दिया। उन्होंने कहा- देखो जरा, कौन कह रहा...तुम्हारी स्किन खुद ही इतनी खूबसूरत है। टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी की जोड़ी अक्सर चर्चा में रहती हैं। हालांकि, इन्होंने कभी खुलकर अपने रिलेशनशिप की बात नहीं की है, लेकिन उनके अफेयर को लेकर चर्चा अक्सर होती रहती है। इस कपल के साथ कई बार कृष्णा श्रॉफ भी नजर आई हैं।

शिल्पा ने स्वयं को मां की कृति माना

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंडरा का कहना है कि 'मेरे जीवन में मां लाने के लिए मैं ईश्वर का कोटिश धन्यवाद करती हूं। उन्होंने सदैव निस्वार्थ भाव से मेरा समर्थन किया है। वो मेरे और शमिता के लिए शक्ति, गरिमा और नैतिकता तथा प्यार का एक अविश्वसनीय उदाहरण हैं। आज हम जो भी हैं उनकी ही कृति हैं। वो सुंदर और ऐसा उपहार हैं जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है।'